राजकीय सम्मान के साथ अजित पवार का अंतिम संस्कार
- 12

वैश्वीकरण का अंत करीब स्वदेशी को टाल नहीं सकते
- 12

भविष्य की ऊर्जा को लेकर दुनिया की नजरें भारत पर टिकीं : कैमरा
- 13

रणजी में जुरेल शतक से चूके, उत्तर प्रदेश ने बनाए 237 रन
- 14

आज का मौसम

21.0° अधिकतम तापमान

8.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.01

सूर्यास्त 05.50

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष द्वादशी 11:09 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 30 जनवरी 2026, वर्ष 7, अंक 66, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

यूजीसी बिल पर सुप्रीम रोक

शीर्ष कोर्ट ने कहा- हस्तक्षेप नहीं किया तो समाज में विभाजन पैदा होने के साथ खतरनाक प्रभाव पड़ेगा | अगले आदेश तक 2012 वाले नियम लागू रहेंगे, केंद्र सरकार को नया ड्राफ्ट तैयार करने के दिए निर्देश

- पीठ का सुझाव, प्रख्यात न्यायविदों की एक समिति द्वारा विनियमों पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को विश्वविद्यालय परिसर में जाति आधारित भेदभाव को रोकने से संबंधित हालिया यूजीसी समानता विनियमन पर रोक लगा दी और कहा कि ये विनियम प्रथम दृष्टया अस्पष्ट प्रतीत होते हैं और इनका दुरुपयोग किए जाने की आशंका है। शीर्ष अदालत ने मौखिक रूप से टिप्पणी की कि अगर इस मामले में हस्तक्षेप नहीं किया गया तो इसका खतरनाक प्रभाव पड़ेगा और समाज में विभाजन पैदा होगा।

उच्चतम न्यायालय का यह आदेश उन विभिन्न याचिकाओं के बाद आया है जिनमें यह दलील दी गई थी कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने जाति-आधारित भेदभाव की गैर-समावेशी परिभाषा अपनाई है और कुछ श्रेणियों को संस्थागत संरक्षण से बाहर रखा है। इन नियमों के खिलाफ देश में विभिन्न स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए जिसमें छात्र समूहों और संगठनों ने इन्हें तत्काल वापस लेने की मांग की। केंद्र और यूजीसी को नोटिस जारी करते हुए प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जे बागची की पीठ ने सुझाव दिया कि प्रख्यात न्यायविदों की एक समिति द्वारा विनियमों पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। पीठ ने कहा, (केंद्र, यूजीसी को) नोटिस जारी करें और 19 मार्च तक जवाब दाखिल किए जाए।

सॉलिसिटर जनरल नोटिस स्वीकार करें, तब तक यूजीसी विनियम 2026 स्थगित रहेंगे और 2012 के विनियम लागू रहेंगे। सुनवाई के दौरान पीठ ने टिप्पणी की, प्रथम दृष्टया यही प्रतीत होता है कि विनियमन की भाषा अस्पष्ट है। विशेषज्ञों को भाषा में संशोधन करने की आवश्यकता है ताकि इसका दुरुपयोग न हो सके। उच्च शिक्षण संस्थानों में भेदभाव संबंधी शिकायतों की जांच करने और समानता को बढ़ावा देने के लिए सभी संस्थानों द्वारा समानता समितियां गठित करने को अनिवार्य बनाने संबंधी नए नियम 13 जनवरी को अधिसूचित किए गए थे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्द्धन हेतु) विनियम, 2026 में यह अनिवार्य किया गया है कि इन समितियों में ओबीसी, एससी, एसटी समुदाय से तथा दिव्यांग एवं महिला सदस्य शामिल होने चाहिए। नया विनियम यूजीसी विनियम, 2012 का स्थान लेने के लिए अधिसूचित किया गया था। 2012 के नियम मुख्य रूप से परामर्श वाली प्रकृति के थे।

इन याचिकाओं में इस विनियम को इस आधार पर चुनौती दी गई कि जाति-आधारित भेदभाव को सिर्फ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के सदस्यों के खिलाफ भेदभाव के रूप में ही परिभाषित किया गया है। याचिकाओं में कहा गया है कि जाति-आधारित भेदभाव के दायरे को केवल अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग तक सीमित करके यूजीसी ने प्रभावी रूप से सामान्य या गैर-आरक्षित श्रेणियों से संबंधित व्यक्तियों को संस्थागत संरक्षण और शिकायत निवारण से वंचित कर दिया है जिन्हें उनकी जातिगत पहचान के आधार पर उत्पीड़न या पूर्वाग्रह का सामना करना पड़ सकता है। उच्चतम न्यायालय मृत्युंजय तिवारी, अधिवक्ता विनीत जिंदल और राहुल दीवान की ओर से दायर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्द्धन हेतु) विनियम, 2026 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था।

आवारा कुत्तों से संबंधी पूर्व के आदेश में संशोधन वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने आवारा कुत्तों के मामले में पहले दिए गए आदेशों में संशोधन का अनुरोध करने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई के बाद गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने न्यायमित्र गौरव अग्रवाल की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। अग्रवाल ने पीठ के समक्ष पंजाब, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों द्वारा उठाए गए कदमों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। पीठ ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की ओर से पेश हुए अधिवक्ता की दलीलें भी सुनी, जिसमें 7 नवंबर, 2025 के उस निर्देश के अनुपालन का जिक्र था। अदालत ने प्राधिकरण को राष्ट्रीय राजमार्गों से आवारा पशुओं को हटाने और सड़कों के किनारे बाड़ लगाने के निर्देश दिये थे। न्यायालय ने भारतीय पशु कल्याण बोर्ड (एडब्ल्यूबीआई) को पशु आश्रय स्थलों या पशु जन्म नियंत्रण सुविधाओं के लिए अनुमति मांगने वाले गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के आवेदनों पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

भारत उच्च वृद्धि की राह पर, जीडीपी 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद के बजट सत्र में गुरुवार को देश का 'आर्थिक रिपोर्ट कार्ड' पेश किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत का व्यापक आर्थिक आधार पहले से कहीं अधिक मजबूत है। देश ने वैश्विक चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है, जिससे हमारी संभावित जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 2026-2027 में 7.2% रहने का अनुमान है।

सीतारमण ने कहा, भू-राजनीतिक विखंडन व आर्थिक उथल-पुथल से भरी इस दुनिया में भारत एक वैश्विक चमकते सितारे के रूप में खड़ा है जो मजबूत, स्थिर और आगे बढ़ने वाला है। हमने वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों का सफलतापूर्वक मुकाबला करते हुए भारत को उच्च वृद्धि पथ पर पहुंचाया है। एनएसओ (एनएसओ) के अनुमानों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। समीक्षा के अनुसार, जीएसटी में बदलाव और अन्य सुधारों ने वैश्विक अनिश्चितता को एक अवसर में बदल दिया है और अगला वित्त वर्ष समायोजन का वर्ष होगा क्योंकि अर्थव्यवस्था इन बदलावों के अनुकूल होगी। समीक्षा के अनुसार, ज्यादातर वर्षों में, बाहर से भेजा जाने वाला मनी ऑर्डर (रेमिटेंस) एफडीआई से अधिक रहा है। यह बाह्य वित्त पोषण के एक प्रमुख स्रोत के रूप में इसके महत्व को बताता है। परिणामस्वरूप, 2025-26 की पहली छमाही में चालू खाते का घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 0.8 प्रतिशत पर बना हुआ है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत मार्च 2025 तक 55 करोड़ दो लाख बैंक खाते खोले गए हैं। वर्ष 2005 से 2024 के दौरान देश का वैश्विक व्यापार निर्यात एक प्रतिशत से लगभग दोगुना होकर 1.8 प्रतिशत हो गया है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू उड़ान बाजार बना, हवाई अड्डों की संख्या 2014 से 74 से बढ़कर 2025 में 164 हुई।

वित्त मंत्री ने संसद में पेश किया आर्थिक रिपोर्ट कार्ड

लोकसभा में आर्थिक सर्वेक्षण पेश करतीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण।

नौ बार बजट पेश करने वाली पहली महिला वित्त मंत्री होंगी

नई दिल्ली। सीतारमण रविवार को संसद में 2026-27 का केंद्रीय बजट पेश करेंगी। ऐसा करने वाली वह देश की पहली महिला वित्त मंत्री होंगी। पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने 10 बार केंद्रीय बजट पेश किया था, जबकि पी. चिदंबरम ने नौ बार बजट पेश किया, लेकिन वह लगातार नहीं कर सके।

दुनिया के लिए आशा की किरण बनकर उभरा भारत

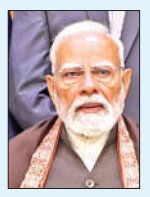

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत दुनिया के लिए आशा की किरण बनकर उभर रहा है। साथ ही उन्होंने ईयू के साथ हुए एफटीए का उल्लेख करते हुए कहा कि यह महत्वाकांक्षी भारत के लिए है और देश के विनिर्माताओं को इस अवसर का लाभ उठाकर अपनी क्षमताएं बढ़ानी चाहिए। संसद के बजट सत्र के दूसरे दिन, मोदी ने कहा कि भारत 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। मोदी ने कहा कि उनके आलोचक भी सरकार की अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने की प्रतिबद्धता को स्वीकार करते हैं और सुधारों की यह परंपरा अगली पीढ़ी के सुधारों के साथ भी जारी रहेगी।

ब्रीफ न्यूज

नौसेना सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दल

नई दिल्ली। इस वर्ष की गणतंत्र दिवस परेड में भारतीय नौसेना ने सशस्त्र बलों की तीनों सेवाओं में सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दल का पुरस्कार जीता है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की झांकी श्रेणी में महाराष्ट्र ने गणेशोत्सव की थीम पर आधारित अपनी झांकी के लिए पहला पुरस्कार जीता।

दिल्ली दंगा में जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने दिल्ली दंगों की बड़ी साजिश के मामले में तीन आरोपियों- सलीम मलिक, अतहर खान और आप के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन की जमानत याचिकाएं गुरुवार को खारिज कर दीं। इन पर 2020 के दंगों में संलिप्तता के आरोप लगाए गए हैं।

जम गई झील

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में गुरुवार को जमकर बर्फबारी हुई, इस दौरान यहां स्थित पराशर झील बर्फ की परत से ढंक गई।

दीवार फांद 2 बंदी फरार, जेल अधीक्षक समेत 7 निलंबित

संवाददाता, अयोध्या कार्यालय

- अयोध्या में विशेष बैरक में निरुद्ध थे दोनों, रोशनदान की ईंट निकाल पहुंचे जेल की दीवार तक
- कंबल व मफलर की रस्सी बना पेड़ के सहारे कूदे, सुबह 6 बजे गिनती के समय हुई जानकारी

अमृत विचार : जिला कारागार की सुरक्षा में सेंध लगाकर विशेष बैरक में निरुद्ध दो बंदी दीवार फांदकर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही जनपद में हड़कंप मच गया। फरार बंदियों की तलाश में पुलिस की तीन टीमों का गठन किया गया है। मामले में डीजी जेल पीसी मीणा ने वरिष्ठ जेल अधीक्षक यूपी मिश्रा, जेलर जेके यादव और डिप्टी जेलर मयंक त्रिपाठी समेत एक हेड वार्डर और तीन वार्डर को निलंबित कर दिया है।

घटना की जानकारी गुरुवार सुबह छह बजे तब हुई, जब बंदियों व कैदियों की गिनती की जा रही थी। इस दौरान विशेष बैरक नंबर एक की कोठरी नंबर चार में एक साथ बंद शेर अली निवासी अमेरमऊ थाना करौंदी कला जिला सुल्तानपुर व गोलू अग्रहरि उर्फ सूरज निवासी मुसाफिरखाना थाना मुसाफिरखाना जिला अमेठी लापता मिले। जब उनके बैरक की जांच की गई तो उसका रोशनदान टूटा मिला। उसमें से 15-20 ईंटे निकली हुई थीं। पता चला कि दोनों बंदी इसमें से निकलकर जेल की दीवार तक गए व बाहर लगा इमली का एक सूखा पेड़, जिसकी डाल जेल के अंदर तक आई थी, उस पर कंबल व मफलर की रस्सी बनाकर उसके सहारे बाहर निकल गए।

लापरवाही स्वीकारी संबल, सरिया बरामद

डीआईजी जेल ने जेल प्रशासन की भारी लापरवाही को स्वीकार किया। मौके से एक संबल, सरिया, बांस बरामद हुआ है। निलंबित किए गए सातों के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी दिए गए हैं। बंदी शेर अली हत्या के एक मामले में दो साल व गोलू पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज एक मुकदमे में जिला कारागार में निरुद्ध थे।

चांदी चार लाख के पार, सोना 1.83 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम

नई दिल्ली, एजेंसी

- मेटल की कीमतों में गुरुवार को आई तूफानी तेजी

राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में गुरुवार को चांदी की कीमतें चार लाख रुपये प्रति किलोग्राम के पार पहुंच गईं, जबकि सोना 1.83 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया। यह बढ़ोतरी वैश्विक बाजारों में तेज उछाल और सुरक्षित निवेश मानी जाने वाली इन परिसंपत्तियों के लिए निवेशकों की मजबूत मांग के कारण हुई।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी में लगातार चौथे सत्र में तेजी जारी रही और यह 19,500 रुपये, या 5.06 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 4,04,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) पर पहुंच गई। चांदी बुधवार को 3,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। 99.9% शुद्धता वाला सोना भी 12,000 रुपये, या 7.02 प्रतिशत बढ़कर 1,83,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

सोने की वैश्विक मांग 5,000 टन से अधिक

मुंबई। वैश्विक स्तर पर सोने की मांग 2025 में 5,000 टन से अधिक होकर एक नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गई है। विश्व स्वर्ण परिषद की गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वर्ष यह मांग 4,961.9 टन थी।

कैबिनेट बैठक | शिक्षा जगत से जुड़े 15 लाख लोगों को राहत, योगी मंत्रिपरिषद ने 32 में से 30 प्रस्तावों को दी मंजूरी

माध्यमिक, बेसिक व संस्कृत शिक्षकों-कार्मिकों को 5 लाख तक मुफ्त इलाज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- चीनी मिलों की क्षमता बढ़ाने समय से भुगतान और नई चीनी मिलें खोलने पर भी लगी मुहर
- शहरी विकास, आवास, सड़क औद्योगिक निवेश और पुनर्विकास से जुड़े फैसलों से बढ़ेगा रोजगार

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गुरुवार को लोकभवन में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में 32 प्रस्तावों पर चर्चा के बाद 30 को मंजूरी दे दी गई, जबकि चौथा और 17वां प्रस्ताव स्थगित कर दिए गए। सबसे अहम फैसला 15 लाख से अधिक शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मियों के लिए रहा।

बेसिक, माध्यमिक और संस्कृत शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त सरकारी, गैर-सरकारी और अनुदानित विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों, शिक्षामित्रों, रसोइयों समेत अन्य कर्मियों को सपरिवार 5 लाख रुपये तक का कैशलेस मेडिकल बीमा कवर मिलेगा। इसके साथ ही चीनी मिलें खोलने, क्षमता बढ़ाने व समय से भुगतान समेत शहरी विकास, आवास, सड़क, औद्योगिक निवेश और पुनर्विकास से जुड़े फैसलों से रोजगार सृजन को नई दिशा दी गई। मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह और माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने पत्रकारों को फैसलों की जानकारी दी। बताया गया कि बेसिक शिक्षा परिषद, माध्यमिक शिक्षा परिषद व संस्कृत शिक्षा परिषद के सभी मान्यता प्राप्त अनुदानित, स्ववित्तपोषित विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक (व्यावसायिक शिक्षा के विषय विशेषज्ञ व मानदेय शिक्षक सहित) इस सुविधा के दायरे में आएंगे। योजना के तहत आईपीडी (अंतःरोगी) इलाज की कैशलेस सुविधा सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ साचीज़ से जुड़े निजी अस्पतालों में भी उपलब्ध होगी। इलाज की दरें प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के मानकों के अनुरूप होंगी। योजना का लाभ कर्मियों के आश्रितों को भी मिलेगा। इसमें शिक्षामित्रों, विशेष शिक्षकों, अनुदेशकों, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की वार्डेन, पूर्णकालिक/अंशकालिक शिक्षक-शिक्षिकाओं व प्रधानमंत्री पोषण योजना के रसोइयों और उनके आश्रितों को भी योजना में शामिल किया गया है। अनुमान है कि बेसिक शिक्षा परिषद के 11.95 लाख से अधिक शिक्षक-कर्मी इससे लाभान्वित होंगे। प्रति कर्मी लगभग 3 हजार रुपये वार्षिक प्रीमियम के हिसाब से बेसिक शिक्षा पर 358.61 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। समग्र रूप से बेसिक-माध्यमिक शिक्षा से जुड़े करीब 15 लाख कर्मियों पर लगभग 448 करोड़ रुपये का वार्षिक व्यय अनुमानित है।

लोकभवन में मंत्रिपरिषद की बैठक की अध्यक्षता करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

सत्यापन के बाद योजना का लाभ

स्ववित्तपोषित मान्यता प्राप्त विद्यालयों के शिक्षकों को सत्यापन के बाद योजना का लाभ मिलेगा। इसके लिए जिलों में जिला विद्यालय निरीक्षक और बेसिक शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में समितियां गठित होंगी। जो कर्मी पहले से किसी अन्य केंद्र/राज्य स्वास्थ्य योजना (आयुष्मान भारत/मुख्यमंत्री जन आरोग्य) से आच्छादित हैं, उन्हें इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा।

यूपी विधानमंडल का बजट सत्र नौ से

योगी मंत्रिपरिषद ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य विधानमंडल का बजट सत्र 9 फरवरी से आयोजित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। 11 फरवरी को बजट पेश किया जाएगा। अब इसपर अंतिम निर्णय राज्यपाल आनंदीबेन पटेल लेंगी।

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 30 जनवरी 2026

शाहजहांपुर

न्यूज ब्रीफ

वाहन की टक्कर से युवक की मौत

अल्हागंज, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव सगसुगी के सामने हाईवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से एक अज्ञात युवक की मौत हो गई। थाना प्रभारी ओमप्रकाश ने बताया कि मंगलवा की रात बारिश के दौरान यह हादसा हुआ। टक्कर के बाद वाहन मौके से निकल गया, जबकि युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मृतक युवक की अब तक पहचान नहीं हो सकी है।

वित्त मंत्री को पत्र भेजकर की मांग

तिलहर, अमृत विचार : समाजसेवी कौशल कुमार गुप्ता ने वित्त मंत्री को पत्र भेजकर देश व प्रदेश में सोने चांदी की कीमतों में भारी वृद्धि चिंता का विषय है। देश के कोने कोने में सोने चांदी की बढ़ती कीमतों में रोक लगाई जाए ताकि सोने की खरीद में वृद्धि हो सके और आम जनता भी सोना चांदी खरीद सके। पत्र भेजने वालों में संदीप सिन्हा, राधा गुप्ता, शोभित गुप्ता, विकास गुप्ता, ओम शर्मा, नितिन सिंह, विजय कुमार, मुकेश कुमार आदि थे।

संगोष्ठी और मंडलीय सम्मेलन आज

शाहजहांपुर, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद के तत्वावधान में माध्यमिक शिक्षा के संवर्द्धन में प्रधानाचार्यों की भूमिका विषय पर शैक्षिक संगोष्ठी और मंडलीय सम्मेलन आज सुबह 10 बजे एसएस लॉ कॉलेज, मुमुक्षु आश्रम में होगा। प्रधानाचार्य परिषद के जिलाध्यक्ष डा केके शुक्ला ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संयुक्त शिक्षा निदेशक बरेली मंडल राकेश कुमार तथा विशिष्ट अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक हरिवंश कुमार होंगे।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर मनाया जश्न

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर जनराज्य फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय मीरा पांडेय उर्फ अंशु ने अपने समर्थकों के साथ चौक क्षेत्र में दीपावली मनाई। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पटाखे चलाए और एक-दूसरे को लड्डू खिलाकर मुंह मीठा कराया। संगठन से जुड़े लोगों ने फैसले पर खुशी जताते हुए इसे महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम में जनराज्य फ्रंट इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष पं अंजुल मिश्रा, जिलाध्यक्ष एडवोकेट धीरेन्द्र मिश्रा, महानगर सचिव रमेश शुक्ला, अमित, जिला महासचिव जरार खामिश्रा, अनेक सिंह ठाकुर, पं सत्य स्वरुप, नन्हे मिश्रा, आशु दीक्षित एडवोकेट, भोलेनाथ सारस्वत, रजत गुप्ता, मनोज अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट पर गरजीं आंगनबाड़ी वर्कर

ऑनलाइन काम धोपे जाने और मानदेय का भुगतान नहीं होने पर जताया रोष

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : महिला आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ गुरुवार को जिला अध्यक्ष विनीता द्विवेदी के नेतृत्व में 18 सूत्रीय मांगों को लेकर रैली निकाली और कलेक्ट्रेट पर जमकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री के नाम संबोधित 18 सूत्री ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपा।

प्रदर्शन के दौरान आंगनबाड़ी जिलाध्यक्ष विनीता द्विवेदी ने कहा कि कार्य के अनुरुप आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को मानदेय नहीं मिल रहा है। ऊपर से अतिरिक्त कार्य थोप दिया गया है। इससे आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अहसज महसूस कर रही हैं। कहा कि भाजपा घोषणा पत्र के अनुसार सेवा शर्तों में अब तक सुधार नहीं किया गया है। ये नहीं डिजीटल कार्य के लिए उन लोगों को 4-जी मोबाइल दिए गए हैं, जो कार्य नहीं कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय काटने रोकने की धमकी देकर शोषण किया जा रहा है। जिसे बंद किया जाए। बताया कि मोबाइल रीचार्ज का भुगतान भी कई वर्षों का बकाया है। उसे दिया जाए। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार रिटायरमेंट के बाद उन्हें एक मुश्त धनराशि प्रदान की जाए, जिससे आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का जीवन यापन हो सके। ज्ञापन देने वालों में जिलाध्यक्ष विनीता द्विवेदी, जिला प्रभारी विश्वमोहन भारद्वाज, जिला महामंत्री नाजिश परवीन, ओमजय मृत्युंजय मिश्रा एडवोकेट, रागिनी देवी ,कुसुम लता ,सपना मिश्रा अनीता सक्सेना सरोज मिश्रा पुष्पा सिंह समेत सैकड़ों आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मौजद रहे।

विभिन्न मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन करतीं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां। ● अमृत विचार

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने रखी मांगें

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बेसिक स्कूलों की तरह ग्रीष्मकालीन व अन्य अवकाश दिए जाएं। पोषण टेकर पर आंगनवाड़ी के लाभार्थी अपने आप डिलीट हो जाते हैं, उस डेटा के साथ छेड़छाड़ न की जाए। वितरण राशि शत प्रतिशत उपलब्ध कराई जाए। आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को सुपरवाइजर पद पर साहयिकाओं का शिक्षा संसोधन कर अनुभव के आधार पर वरीयता क्रम के आधार पर कार्यकत्री बनाया जाए। बढ़ती आबादी को देखते हुए नए आंगनवाड़ी केंद्र खोले जाएं। राशन डीलर और स्वयं सहायता समूह को हटाया जाए। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बीएलओ ड्यूटी से हटाने की भी मांग की।

कलेक्ट्रेट में नारेबाजी व प्रदर्शन करते भीम आर्मी भारत एकता मिशन के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

अलंकार के खिलाफ कार्रवाई की मांग

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने यूजीसी के विरोध में दिया था इस्तीफा

अमृत विचार : भीम आर्मी भारत एकता मिशन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता ने जुलूस निकालकर प्रदर्शन करते हुए बरेली के तत्कालीन सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री के विरुद्ध कठोर विभागीय कार्यवाही एवं सेवा से बर्खास्तगी की मांग की गई।

भीम आर्मी भारत एकता मिशन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गुरुवार को कलेक्ट्रेट में जमा हुए। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन दिया गया।

ज्ञापन में मुख्यमंत्री से मांग की गई कि अलंकार अग्निहोत्री के विरुद्ध तत्काल विभागीय जांच प्रारंभ की जाए। उनके कार्यकाल के दौरान की गई कथित जाति-आधारित, पक्षपातपूर्ण एवं समाज-विभाजनकारी गतिविधियों की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए। अलंकार अग्निहोत्री द्वारा किए गए समस्त प्रशासनिक कार्यों की जांच कर समीक्षा की जाए। उनकी संपत्ति की जांच की जाए। ज्ञापन देने वालों में जिला संयोजक दिनेश कुमार गौतम, हसीब अंसारी, सोनू गौतम, तेजपाल, राजवीर, मयंक कुमार, अंकित कुमार, मनोज, अनिल कुमार, सुमित, जितिन कुमार, देवेंद्र कुमार, शिवकुमार, अमित गौतम आदि थे।

गायों ने रौंदी फसल, थाने में किया प्रदर्शन

थाना मुख्यालय पर शिकायत लेकर पहुंचे सेंठा गांव के किसान। ● अमृत विचार

संवाददाता, कलान

- सेंठा गांव के किसानों ने जखिया के लोगों पर लगाए आरोप

अमृत विचार : पालतू गायों ने गेंहू फसल को चर लिया और रौंद कर बेकार कर दिया। इससे नाराज सेंठा गांव के किसानों ने थाना कलान में गाय पालकों के खिलाफ तहरीर देकर प्रदर्शन किया।

किसानों ने थाना प्रभारी शिव दीन वर्मा को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि पड़ोसी गांव जखिया के कुछ लोग अपनी पालतू गायों का दूध निकालने के बाद उन्हें खुला छोड़ देते हैं। ये गायें खेतों में पहुंचकर खड़ी गेहूं की फसल चर जाती हैं, जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। समस्या को लेकर पहले भी आपत्ति जताई गई, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। पीड़ित किसानों में आशीष यादव, नन्हे यादव, अरुण कुमार, कौशल कुमार, रुकुमपाल, देव सिंह सहित दर्जनों किसान शामिल रहे। किसानों ने मांग की कि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में फसल का नुकसान न हो। थाना प्रभारी शिव दीन वर्मा ने बताया कि मामले की जानकारी ली गई है। यदि किसी किसान की फसल को पालतू गायों की ओर से नुकसान पहुंचाया गया है, तो संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

केंद्रीय बजट में व्यापार-उद्योग को राहत की मांग

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल उत्तर प्रदेश की ओर से आगामी केंद्रीय बजट 2026-27 में उद्योग एवं व्यापार जगत को राहत दिलाने की मांग को लेकर सिटी मजिस्ट्रेट प्रवेंद्र कुमार को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन जिला अध्यक्ष सौमित्र गुप्ता एवं महानगर अध्यक्ष मोहम्मद सलाउद्दीन अख्तर के संयुक्त नेतृत्व में दिया गया।

जिला अध्यक्ष सौमित्र गुप्ता ने कहा कि बढ़ती महंगाई, ऊंची ब्याज दरें, जटिल नियम-कानून और साइबर अपराध के कारण व्यापारी व उद्यमी संकट में हैं। उन्होंने बैंक ऋणों की ब्याज दर घटाने, ऋण खाते को एनपीए घोषित करने की समय सीमा तीन माह से बढ़ाकर छह माह करने तथा एनपीए खातों के लिए पुनर्स्थापना योजना लागू करने की मांग रखी। महानगर अध्यक्ष मोहम्मद सलाउद्दीन अख्तर ने वर्षों से वैधानिक रूप से संचालित औद्योगिक एवं व्यावसायिक इकाइयों पर हो रही सीलिंग व ध्वस्तीकरण की कार्रवाई रोकने, जीएसटी दुर्घटना बीमा, साइबर अपराध में निर्दोष व्यापारियों के खाते फ्रीज न करने, वृद्ध व्यापारियों को 40 हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन, जीएसटी पंजीकृत व्यापारियों को डिजिटल कार्यों के लिए लैपटॉप व सॉफ्टवेयर निःशुल्क देने तथा जीएसटी विलंब भुगतान पर 18 प्रतिशत ब्याज घटाकर छह प्रतिशत करने की मांग उठाई। प्रांतीय मंत्री अनूप गुप्ता ने जीएसटी अधिनियम में जेल की सजा समाप्त करने, रोड टैक्स व टोल टैक्स की दोहरी व्यवस्था खत्म करने और साझेदारी फर्मों पर आयकर 30 प्रतिशत से घटाकर अधिकतम 20 प्रतिशत करने की मांग रखी। ज्ञापन देने वालों में जिला वरिष्ठ महामंत्री सुशील गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष सैयद अनवर मियां, जिला कोषाध्यक्ष राजेंद्र गुप्ता, महानगर उपाध्यक्ष मोहम्मद शहिद, मोहनीस खान, महानगर महामंत्री रफी खान, नफीस खान, गोपाल सक्सेना, जुबैर खान, गुड्डू, पवन गुप्ता, मोहम्मद नदीम और संजीव गुप्ता शामिल रहे।

सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपते उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के पदाधिकारी।

- उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल ने सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन
- ब्याज दर व एनपीए नियमों में संशोधन की मांग
- जीएसटी, साइबर अपराध और कर व्यवस्था पर उठे मुद्दे

भाकियू नेता की गाड़ी का टोल काटने पर हंगामा

संवाददाता, पुवायां

अमृत विचार: भारतीय किसान यूनियन के नगर अध्यक्ष कौशल सिंह की गाड़ी से कथित रूप से जबरन टोल काटे जाने के विरोध में भाकियू कार्यकर्ताओं ने टोल प्लाजा पर प्रदर्शन किया। आक्रोशित किसानों और कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए टोल प्लाजा को लगभग आधा घंटे तक टोल फ्री कर दिया, जिससे इस दौरान सभी वाहन बिना शुल्क के गुजरते रहे।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों तथा टोल कर्मियों के बीच वार्ता कराई। टोल के जूनियर मैनेजर विकास शुक्ला ने बताया कि कर्मचारी भाकियू नगर अध्यक्ष से बातचीत कर रहे थे, इसी दौरान धोखे से टोल कट गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि टोल जानबूझकर नहीं काटा गया है और टोल प्लाजा पर किसानों एवं भाकियू कार्यकर्ताओं से कोई टोल वसूली नहीं की जाएगी। वहीं भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष महेंद्र पाल सिंह यादव ने कहा कि यदि किसानों से टोल वसूला जाएगा तो फिर नेताओं और मंत्रियों से भी टोल वसूली की जानी चाहिए, क्योंकि सरकार आम जनता से ही बनी है। इस दौरान भाकियू के सतेंद्र सिंह सहित अन्य कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। मामले के शांत होने के बाद टोल प्लाजा पर यातायात सामान्य रूप से बहाल कर दिया गया।

टोल पर प्रदर्शन करते भाकियू पदाधिकारी। ● अमृत विचार

- पुलिस की मध्यस्थता से सुलझा मामला, टोल कर्मियों ने मांगी माफी

फाइलेरिया रोग के निदान नियंत्रण को लेकर बैठक

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- पार्षदों के सहयोग से अभियान को सशक्त बनाने पर विस्तार से चर्चा

अमृत विचार : नगर निगम सभागार में महापौर अर्चना वर्मा की अध्यक्षता में फाइलेरिया रोग के निदान एवं नियंत्रण को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

शहरी क्षेत्र के लो कवरेज एरिया में पार्षदों के सहयोग से अभियान को सशक्त बनाने पर चर्चा की गई। इसके अलावा वार्ड चौपालों के माध्यम से सामाजिक जागरूकता एवं जन मोबिलाइजेशन को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। शहर के एलईडी डिस्प्ले, वार्ड कार्यालयों एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों पर आईईसी (सूचना, शिक्षा एवं संचार) सामग्री का प्रदर्शन के साथ ही एमडीए राउंड तक निरंतर माइकिंग के माध्यम से प्रचार-प्रसार करने पर चर्चा की गई। महापौर एवं नगर निगम के सोशल मीडिया हैंडल्स के माध्यम से व्यापक जन जागरूकता लाने और झुग्गी-झोपड़ी एवं स्लम क्षेत्रों में विशेष पहल एवं अतिरिक्त सहयोग करने की बात कही गई। संपूर्ण अभियान की निगरानी नगर आयुक्त करेंगे। महापौर अर्चना वर्मा ने कहा कि फाइलेरिया जैसी गंभीर बीमारी को जड़ से समाप्त करने के लिए जनप्रतिनिधियों, प्रशासन और आमजन का संयुक्त सहयोग अत्यंत आवश्यक है। नगर आयुक्त डॉ विपिन कुमार मिश्र, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज मिश्रा, डीओ-पीसीआई डॉ. नूपुर रायजादा, एसएमसी-पीसीआई श्वेता सक्सेना सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम व पार्षद उपस्थिति रहे।

यूपी बोर्ड परीक्षा के लिए पर्यवेक्षक नामित

शाहजहांपुर, अमृत विचार : माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज द्वारा संचालित हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाएं 18 फरवरी से शुरू होकर 12 मार्च होंगी। इसके लिए डीएम धर्मेंद्र कुमार सिंह ने एसडीएम जीत सिंह को पर्यवेक्षक नामित किया है।

डीआईओएस हरिवंश कुमार ने बताया कि परीक्षा की शुचिता, गुणवत्ता, विश्वसनीयता तथा विधि व्यवस्था बनाये रखने की दृष्टि से राजकीय इंटर कॉलेज को प्रश्नपत्र भंडारण का केन्द्र तथा जनपदीय कन्ट्रोल रूम बनाया गया है। भंडारण केन्द्र से प्रश्नपत्र वितरण और जनपदीय कन्ट्रोल रूम के पर्यवेक्षण के लिए प्रशासनिक अधिकारी के रूप में एसडीएम जीत सिंह को नामित किया गया है।

विभिन्न मांगों को लेकर कांट में किया धरना-प्रदर्शन

संवाददाता, कांट

- सर्व समाज हिताय मोर्चा ने नगर पंचायत को सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार: सर्व समाज हिताय मोर्चा की ओर से गुरुवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष गुलाम मोहम्मद नबी आजाद और जिलाध्यक्ष गुलाम गाउस के नेतृत्व में कांट स्थित नगर पंचायत कार्यालय पर लोगों ने धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान नारेबाजी करते हुए जनहित से जुड़ी तीन प्रमुख मांगों को लेकर अधिशासी अधिकारी कुमारी नूरजहां और चेयरमैन पुत्र राईस मियां को ज्ञापन सौंपा गया।

मोर्चा ने मांग की नगर पंचायत कांट में कोटेदारों की ओर से की जा रही अवैध घटतौली को रोकने, राशन कार्ड धारकों को पूरा राशन दिलाने और प्रधानमंत्री आवास योजना में अवैध वसूली बंद कर पात्रों को निशुल्क आवास उपलब्ध कराने की भी मांग रखी गई। इसके साथ ही वर्षों से बनी पानी की टंकी को तत्काल चालू कर नगरवासियों को स्वच्छ जल उपलब्ध कराने की बात कही गई। वार्ता के दौरान समाधान न होने पर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन की चेतावनी दी गई। अधिशासी अधिकारी और चेयरमैन पुत्र ने शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। आशु वाल्मीकि, मोहम्मद नाजिम, साजिद अली, शबाब खान, अच्छन खान, मोहम्मद यूनुस, कामरान, आरिफ, इर्शाद, फुरकान, डॉ. राईस, संतोष, अमर पाल, लालन, सलीम, नाजरा बेगम, सुहाना बेगम, शबनाज बेगम, सना, नीरज, लक्ष्मण, अवधेश, संजीव, रंजीत, प्रमोद आदि रहे।

घोटाले और मेडिकल कॉलेज में सुविधाओं को लेकर धरना

संवाददाता, शाहजहांपुर

- किसान यूनियन परिवर्तनवादी ने अनिश्चितकालीन प्रदर्शन शुरू किया
- 1.20 करोड़ के घोटाले में कार्रवाई न होने पर जताया रोष डीएम से की मांग

अमृत विचार: भारतीय किसान यूनियन परिवर्तनवादी की ओर से खिरनीबाग रामलीला मैदान में अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू किया गया है। यूनियन ने स्वास्थ्य विभाग में हुए 1.20 करोड़ रुपये के कथित घोटाले में दोषियों पर तत्काल कार्रवाई की मांग उठाई है। पदाधिकारियों का कहना है कि डीएम और सीडीओ की में दोषी पाए जाने के एक वर्ष बाद भी किसी पर कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे जनता में आक्रोश है।

धरने में शामिल किसानों ने बताया कि जिला अस्पताल को राजकीय मेडिकल कॉलेज का दर्जा दिए जाने के बाद भी वहां बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर की सुविधाएं भी मरीजों को नहीं मिल पा रही हैं। यूनियन ने जनहित को देखते हुए इसे पुनः जिला अस्पताल की तरह संचालित करने की मांग की। किसानों ने ददरौल स्थित केआर पेपर मिल से निकलने वाले प्रदूषण और धुएं से ग्रामीणों को हो रही परेशानी को रोकने की भी मांग की। इसके साथ अन्य मांगे भी की। यह धरना भारतीय किसान यूनियन परिवर्तनवादी के जिला अध्यक्ष मुकुट बिहारी के नेतृत्व में शुरू किया गया है।

समस्या | पुजारी की अपील, गोमती नदी और परिसर की पवित्रता बचाने का आह्वान

सुनासीर नाथ मंदिर में स्वच्छता बदहाल

गोमती नदी किनारे फैली गंदगी। ● अमृत विचार

संवाददाता, बंडा

- प्रसाद और पूजा अवशेष बिखरने से बढ़ी समस्या

अमृत विचार: बंडा स्थित प्राचीन और आध्यात्मिक महत्व के सुनासीर नाथ मंदिर में स्वच्छता का संकट गहराता जा रहा है। मंदिर के पुजारी शिवदत्त गिरी ने भक्तों और आम लोगों से मंदिर परिसर और गोमती नदी को साफ-सुथरा रखने का आग्रह किया है।

उन्होंने कहा कि लापरवाही के चलते न केवल मंदिर की पवित्रता प्रभावित हो रही है, बल्कि गोमती नदी के जल की शुद्धता भी खतरे में पड़ गई है। जिस जल का उपयोग भक्त आचमन के लिए करते हैं, उसी में गंदगी डाली जा रही है। पुजारी ने भक्तों से अपील की है कि वे लोग मूर्तियों पर प्रसाद न चढ़ाएं और न ही फेंके। परंपरा के अनुसार प्रसाद केवल गर्भगृह में स्थापित मुख्य मूर्तियों पर ही चढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे लोग खंडित मूर्तियों और हवन की राख मंदिर परिसर व गोमती नदी में न डालें। पुजारी ने प्लास्टिक की थैलियों और भोजन थाल व गिलास का प्रयोग न करने की अपील की है।

घर की तरह साफ रखें मंदिर परिसर: भक्त

स्थानीय भक्त राजेश कुमार ने कहा कि मंदिर और परिसर को अपने घर की तरह साफ रखना चाहिए, लेकिन जागरूकता की कमी के कारण समस्या बनी हुई है। वहीं भावेश वर्मा ने बताया कि वे स्वयं स्वच्छता सेवा में सहयोग करेंगे और नगर पंचायत को भी इसकी सूचना देंगे। उन्होंने बताया कि मंदिर समिति की ओर से स्वच्छता अभियान चलाने और जागरूकता के लिए बोर्ड लगाने की योजना बनाई जा रही है। पर्यावरण प्रेमी संगठनों ने भी इस पहल का समर्थन किया है। पुजारी ने कहा कि यह अपील केवल धार्मिक आस्था से जुड़ी नहीं है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण से भी संबंधित है।

भावेश वर्मा।

राजेश कुमार।

समाधान दिवस में मौजूद न होने पर वेतन रोका

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: संपूर्ण समाधान दिवस में लगातार गैरहाजिर रहने और जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों से अभद्र भाषा शैली में व्यवहार करने के आरोप में बिजली विभाग के एसडीओ कैलाश चंद्र यादव पर कार्रवाई की गई है। जांच के बाद एडीएम प्रशासन रजनीश कुमार मिश्रा ने एसडीओ से स्पष्टीकरण तलब करते हुए अग्रिम आदेशों तक वेतन रोकने के निर्देश दिए हैं।

एडीएम प्रशासन रजनीश कुमार मिश्रा ने बताया कि संपूर्ण समाधान दिवस को लेकर तिलहर बिजली विभाग के एसडीओ की ओर से घोर लापरवाही सामने आई है। कई संपूर्ण समाधान दिवसों में एसडीओ की अनुपस्थिति पाई गई। बीते 20 दिसंबर को तिलहर विधायक सलोना कुशवाहा ने शिकायतों के निस्तारण के लिए एसडीओ को संपूर्ण समाधान दिवस में बुलाने के निर्देश दिए थे, इसके बावजूद वह उपस्थित नहीं हुए। इस कारण कई समस्याओं का समाधान नहीं हो सका, जिस पर विधायक ने कड़ी नाराजगी जताई थी। एडीएम प्रशासन ने बताया कि एसडीओ के विरुद्ध जनप्रतिनिधियों से अभद्र भाषा में बात करने और अधिकारियों के साथ भी गलत व्यवहार करने की कई शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इन्हीं तथ्यों के आधार पर दायित्वों के प्रति लापरवाही और उदासीनता मानते हुए एक सप्ताह में स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं एसडीओ कैलाश चंद्र यादव ने बताया कि नगर में स्मार्ट मीटर लगाए जाने के दौरान भाजपा नगर अध्यक्ष की ओर से मीटर न लगाने के लिए कहा गया था, जिस पर उन्होंने एसडीएम से भी बात कराई थी। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर लगाना विभागीय कार्य है, जिसे करना उनकी जिम्मेदारी है।

न्यूज ब्रीफ

पांच मिनट में बाइक चोरी, रिपोर्ट दर्ज

शाहजहांपुर, अमृत विचार : रोजा थाना क्षेत्र के गांव शहजादपुर निवासी दिनेश ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि मंगलवार शाम को वह अपनी रिश्तेदारी में जा रहा था। उसने बाइक बरतारा गांव के पास सड़क के किनारे खड़ी कर दी और शौच के लिए चला गया। वापस लौटकर आया तो बाइक गायब मिली। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

हक मांगने पर पिता ने किया हमला

शाहजहांपुर, अमृत विचार : रोजा थाना क्षेत्र के अहमदपुर निवासी फराना ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि उसके चाचा नौशाद की मृत्यु होने के बाद जमीन के बटवारे को लेकर घर में विवाद हुआ। उसने पिता नवी हुसैन से कहा कि जमीन में उसका भी हक है। आरोप है कि हिस्सा मांगने पर पिता ने जान से मारने की नीयत से गर्दन पर हसिया रख दिया और डीजल डालकर चेहरा जला दिया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि आरोपी पिता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

टावर से बैटरी चोरी की रिपोर्ट दर्ज

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जलालाबाद थाना क्षेत्र के गांव गुनारा निवासी अंकित कुमार ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि वह टावर में इंजीनियर के पद पर कार्यरत है। उसके गांव में टावर है। 09 जनवरी को वह टावर में ताला बंद करके चला गया था। 11 जनवरी को टावर पहुंचा तो कमरे का ताला टूटा हुआ था। उन्होंने बताया कि चोर पांच बैटरी, 60 लीटर डीजल तथा जनरेटर की क्रेकिंग चोरी हो गयी है।

लापता किशोरी की गुमशुदगी दर्ज

शाहजहांपुर, अमृत विचार : कांट थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि सोमवार की रात में उसकी 16 वर्षीय पुत्री कहीं चली गयी। उन्होंने पुत्री को तलाश किया और नहीं मिली। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर ली है। लापता की तलाश कर रही है।

शादी तय होने पर फोन से दी धमकी

तिलहर, अमृत विचार : शादी तय होने के बाद धमकी दिए जाने के आरोप में एक युवक ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर ऑडियो रिकार्डिंग सौंपी है। पीड़ित युवक ने बताया कि उसकी शादी सदर बाजार थाना क्षेत्र के गांव शाहबाज नगर निवासी एक व्यक्ति की बेटी से तय हुई है। पीड़ित ने बताया कि कोई व्यक्ति उसके होने वाले ससुर को धमकी दे रहा।

प्रेम संबंध में बाधा बना पति, गला रेतकर की हत्या

महिला ने अपने प्रेमी सगे भांजे और साथियों संग दिया वारदात को अंजाम, हिरासत में पत्नी, पुलिस को किया गुमराह

संवाददाता, पुवायां

अमृत विचार : क्षेत्र के गांव भटपुरा चंदू में बुधवार की रात एक महिला ने अपने प्रेमी और उसके दो साथियों के साथ मिलकर पति की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी। गुरुवार सुबह घटना का खुलासा उस समय हुआ जब मृतक का भाई मजदूरी पर जाने के लिए उसके घर पहुंचा। दरवाजा खटखटाने पर पत्नी पूजा ने रोने-बिलखने का नाटक करते हुए बताया कि रात में पति की हत्या हो गई है।

मृतक 30 वर्षीय बलराम गांव भटपुरा चंदू का निवासी था। उसने गांव के बाहर मकान बना रखा था, जहां वह पत्नी पूजा और बच्चों के साथ रहता था। पास में ही भाई राजू की झोपड़ी है। सुबह करीब साढ़े सात बजे राजू जब घर पहुंचा तो घटना की जानकारी हुई। सूचना पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और बाद में थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। एएसपी ग्रामीण भंवरे दीक्षा और सीओ प्रवीण मलिक ने मौके पर पहुंचकर जांच की। पूछताछ के दौरान पत्नी पूजा घबरा गई। मृतक के भाई राजू ने आरोप लगाया कि पूजा के अपने सगे भांजे आदेश से अवैध संबंध थे और बलराम इसका विरोध करता था। इसी कारण पूजा ने भांजे आदेश और अन्य साथियों की मदद से पति की हत्या कर दी। पुलिस ने मृतक की पत्नी पूजा को हिरासत में लेकर, उसकी, भांजे आदेश और एक अन्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

रोती बिलखती मृतक बलराम की मां को सांत्वना देती महिला। ● अमृत विचार

आंखों में आंसू लिए पिता के शव के पास बैठा बड़ा पुत्र। ● अमृत विचार

रोकर घटना की जानकारी देते मृतक के पिता।

झूठ की परतों में लिपटी हत्या की कहानी

जब पुलिस ने मासूम पवन से बात की, तो उसकी तुतलाती आवाज़ ने पूरे सभी सन्न कर दिया। पवन ने कहा रात में गन्ने के खेत की तरफ से दो लोग आए थे। मम्मी ने दरवाजा खोला फिर मम्मी और उन लोगों ने पापा को मार दिय और भाग गए। इतना कहते ही पवन रोने लगा। पुलिस अधिकारियों ने उसे ढांढस बंधाया। पवन की आवाज सुनते ही हर किसी की आंखें भर आईं। लोग सोंच रहे थे कि जिस मां को लिए बेटा सुरक्षित समझता है। उसी मां ने बेटे के सिर से पिता का साया छीन लिया। पवन ने यह भी बताया कि उन लोगों में उसके पिता का भांजा आदेश भी शामिल था।

● गन्ने के खेत की ओर से आए थे हत्यारे, बलराम की पत्नी के भांजे से अवैध संबंध

मृतक बलराम।

आरोपी पत्नी पूजा।

पवन की तुतलाती आवाज ने खोली हत्या की परतें

शाहजहांपुर/पुवायां, अमृत विचार : पुवायां थाना क्षेत्र के गांव भटपुरा चंदू में जो हुआ, वह सिर्फ एक हत्या नहीं थी। वह भरोसे और रिश्तों का कत्ल था। जिस घर में बच्चों की किलकारियां गूंजनी चाहिए थीं, उसी घर में खून से सनी चारपाई पर बलराम की लाश मिली। और सबसे दर्दनाक बात यह कि इस हत्या का सच किसी बड़े ने नहीं, बल्कि पांच साल के बेटे पवन ने बताया। घटना के बाद बलराम की पत्नी पूजा रोती-बिलखती रही। सुबह उठकर उसने पति को रजाई में लिपटा, खून से लथपथ पाया यही उसकी कहानी थी। पूजा लगातार पुलिस अधिकारियों को गुमराह करने का प्रयास करती रही। पुलिस अधिकारियों ने बलराम के पांच साल के बेटे पवन से बात की। बातचीत में पवन ने तुतलाती आवाज में जो बताया उसे सुनकर पुलिस अधिकारियों के भी पसीने छूट गए। वहीं गांव के लोग अचंभित रह गए।

अवैध संबंधों में बाधक बना बलराम

मृतक के भाई राजू ने पुलिस को बताया कि पूजा और आदेश के बीच लंबे समय से संबंध थे। बलराम को जब इस रिश्ते की भनक लगी तो उसने पूजा का मोबाइल तक तोड़ दिया, लेकिन चोरी-छिपे मिलना जारी रहा। दो बार पूजा आदेश के साथ घर छोड़कर भी जा चुकी थी, मगर परिवार ने बच्चों की खातिर उसे लौटा लिया था। आज वही बच्चे अनाथ हो गए। आठ साल की कांति, तीन साल की परी, पांच साल का पवन और दो साल का मासूम। इन बच्चों के सिर से जहां पिता का साया छिन गया। वहीं अब पूजा के गुनाह ने मां के आंचल को भी बच्चों से जुदा कर दिया।

गला रेतकर की गई थी हत्या

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार बलराम का गला पूरी तरह कटा नहीं था, बल्कि रेता गया था। शरीर पर चार और चोटें थीं मानो वह आखिरी सांस तक जीने की कोशिश करता रहा हो, अपने बच्चों के लिए। पुलिस ने मृतक के भाई की तहरीर पर पूजा, उसके भांजे आदेश और दो अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पूजा को हिरासत में ले लिया गया है, बाकी आरोपियों की तलाश जारी है।

सड़क सुरक्षा के नियमों की दी जानकारी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत यातायात प्रभारी विनय कुमार पांडे, महिला थाना की एसएचओ रश्मि अग्निहोत्री, महिला कांस्टेबल राखी ने मदरसा अत्तारिया के बच्चों को यातायात नियमों की महत्वपूर्ण जानकारी दी।

● मदरसा अत्तारिया के बच्चों ने समझाए नियम

उन्होंने कहा कि सभी को यातायात नियमों और संकेतों का पालन करना चाहिए। यातायात प्रभारी विनय कुमार पांडे यातायात नियमों को समझाया। मदरसा प्रबंधक मोहम्मद रिज़वान का सहयोग रहा। इस अवसर पर मदरसा अत्तारिया के सामिया खान, ऐमन खान, शिफा, जिया फातिमा एवं अलिफा, ज़ाएमा, आलिया आदि उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा के नियमों की दी गई जानकारी। ● अमृत विचार

सड़क सुरक्षा माह में पोस्टर प्रतियोगिता से किया लोगों को जागरूक

शाहजहांपुर, अमृत विचार : शहर की स्वयंसेवी संस्था गुरुकुल सेवा ट्रस्ट की ओर से सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत मोहल्ला बिजलीपुरा में यातायात पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संस्था के अध्यक्ष और समाजसेवी कुमार सागर के नेतृत्व में आयोजित प्रतियोगिता में संस्था से जुड़े बच्चों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता समाप्त होने के बाद संस्था के सहायक अध्यापक राज गुप्ता, नैन्सी गुप्ता और हर्षिता वर्मा ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में संस्था अध्यक्ष कुमार सागर ने सभी प्रतिभागियों और विजेताओं को बधाई दी।

छोटे लाट साहब के जुलूस को लेकर दिए निर्देश

शाहजहांपुर, अमृत विचार: एसपी राजेश द्विवेदी ने होली के पर्व पर रामचंद्र मिशन क्षेत्र से निकलने वाले छोटे लाट साहब के जुलूस के मार्ग का निरीक्षण किया।

उन्होंने संपूर्ण मार्ग की सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण व्यवस्था, यातायात डायवर्जन, बैरियर प्वाइंट, हाई-रिस्क एवं संवेदनशील स्थानों की पहचान, पुलिस बल की संभावित तैनाती आदि व्यवस्थाओं का अवलोकन किया है। एसपी जुलूस के दौरान अनुशासन हीनता या अव्यवस्था पर तुरंत प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए तथा पुलिस बल ड्यूटी पर तत्परता से रहेगा। एसपी ने कहा कि किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की की जाएगी। निरीक्षण के समय एएसपी ग्रामीण, एएसपी सिटी, सीओ सदर, रामचंद्र मिशन थाना प्रभारी निरीक्षक मौजूद रहे।

वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करें थाना प्रभारी: एसपी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : एसपी राजेश द्विवेदी ने चौक कोतवाली और रामचंद्र मिशन थाना का वार्षिक निरीक्षण किया। उन्होंने अपराध रजिस्टर देखने के बाद निर्देश दिए कि वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जाए और विवेचनाओं का समय से निस्तारण किया जाए।

एसपी राजेश द्विवेदी चौक कोतवाली और रामचंद्र मिशन थाना में लाकअप, कार्यालय, बैरक, महिला सहायता हेल्प डेस्क, मैस आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने अपराध रजिस्टर, विवेचना रजिस्टर आदि का अवलोकन किया। उन्होंने अभिलेखों को सुचारु रुप से रखने के निर्देश दिए। मालखाना में रखे गए विभिन्न केस प्रापर्टी, जब्ती माल, बरामद वस्तुओं एवं उनके सुरक्षित साधारण का गहन परीक्षण कर आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। एसपी ने शस्त्रों की स्थिति, रखरखाव, उनके अभिलेखों तथा सुरक्षा के मानकों की समीक्षा की। सफाई व्यवस्था को और बेहतर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कानून व्यवस्था, जनसुरक्षा, जनसुनवाई, बीट पुलिसिंग, अपराध नियंत्रण, महिला एवं बाल सुरक्षा, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग जैसी प्राथमिकताओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए है। निरीक्षण के समय सीओ सिटी, चौक कोतवाली और रामचंद्र मिशन थाना प्रभारी मौजूद रहे।

थाने में रजिस्टरों का अवलोकन करते एसपी। ● अमृत विचार

● चौक कोतवाली और थाना रामचंद्र मिशन का एसपी ने किया निरीक्षण

शादी के लिए लड़की दिखाने को लेकर चले लाठी-डंडे

संवाददाता, कलान

● लाठी-डंडों से संघर्ष में दो महिलाओं समेत छह घायल

● शमशेरगंज में बृहस्पतिवार सुबह हुई घटना

अमृत विचार : शादी के लिए लड़की दिखाने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। दोनों पक्षों में जमकर लाठी डंडे चले। मामले में दो महिलाओं समेत छह लोग घायल हो गए। एक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

बताया जाता है कि थाना क्षेत्र के ग्राम विक्रमपुर के मजरा शमशेर गंज में बृहस्पतिवार निवासी वीरेंद्र कश्यप के लड़के को देखने के लिए रामरतन कश्यप के रिश्तेदार आए थे। इसी बात पर रामरतन पक्ष ने आपत्ति जताई कि रिश्तेदारों की लड़की यहां दिखाना ठीक नहीं है। इसी मुद्दे को लेकर दोनों पक्षों में पहले कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते लाठी-डंडों की मारपीट में बदल गई। मारपीट में एक पक्ष से छविनाथ पुत्र मंजेश कश्यप और उसकी पत्नी कुसमा देवी घायल हो गए, जबकि दूसरे पक्ष से वीरेंद्र कश्यप पुत्र जगवीर और नन्ही देवी पत्नी वीरेंद्र को चोटें आईं।

घायलों में छविनाथ की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिसे इलाज के लिए शाहजहांपुर रेफर किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी शिव दीन वर्मा पुलिस बल के साथ शमशेर गंज गांव पहुंचे और स्थिति की जानकारी ली। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए भिजवाया। मामले को लेकर दोनों पक्षों की ओर से थाने पर प्रार्थना पत्र दिया गया है और पुलिस जांच में जुटी है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

एक घंटे में लापता दो बच्चियों को किया बरामद

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जलालाबाद थाना क्षेत्र के मोहल्ला सरदारनगर निवासी विजय श्रीवास्तव थाना पर सूचना दी कि उसकी 02 पुत्रियां जिनकी उम्र करीब 7 वर्ष व 4 वर्ष है, जो खेलते समय घर से अचानक गायब हो गयी है। परिजनों द्वारा काफी तलाश की गयी। परन्तु नही मिल सकी। महिला मिशन शक्ति केंद्र, थाना जलालाबाद पर नियुक्त टीम ने तत्काल कस्बा जलालाबाद में दोनों बच्चियों की तलाश की। पुलिस टीम के काफी प्रयास से 1 घण्टे के अन्दर दोनों बच्चियों को शकील चैयरमैन वाली गली से सकुशल बरामद कर थाना लाया गया तथा परिजनों को दोनों बच्चियों की बरामदगी की सूचना दी गयी । परिजन थाना पर आये और दोनों बच्चों को परिजनों को सकुशल सुपुर्द किया गया । परिजनों द्वारा पुलिस टीम के कार्य की सराहना करते हुए भूरि-भूरि प्रशांसा की गयी ।

ई-रिक्शा को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

संवाददाता, कलान

अमृत विचार : मेला रामनगरिया ढाई घाट से गंगा स्नान कर ई-रिक्शा से घर लौट रहे श्रद्धालुओं का ई-रिक्शा बृहस्पतिवार शाम करीब चार बजे हादसे का शिकार हो गया।

स्टेट हाईवे मुरादाबाद-फर्रुखाबाद पर नौगमा मुबारिकपुर पेट्रोल पंप के पास किसी अज्ञात वाहन ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। हादसे में चालक समेत आधा दर्जन लोग घायल हो गए। दुर्घटना में घायल हुए लोगों में बृजमोहन शाक्य निवासी सथरी, विकास गुप्ता निवासी बालाजी नगर भर्रामई नगर पंचायत कलान, अमन गुप्ता निवासी मोहल्ला दुर्गा नगर नगर पंचायत कलान, वीरेंद्र, उसका पुत्र शिवकांत तथा पत्नी ओमवती निवासी नयागांव सहवेगपुर थाना कलान शामिल हैं।

घायल महिला की अस्पताल में मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार : रोजा क्षेत्र में एक महिला अज्ञात वाहन से टकराकर घायल हो गयी थी। जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गयी। लखीमपुर खीरी जिले के उचौलिया थाना क्षेत्र के गांव पिपरिया निवासी 45 वर्षीय निर्मला तीन दिन पूर्व शाम को सामान खरीदकर पैदल घर जा रही थी। अटसलिया गांव के सामने अज्ञात वाहन ने महिला को टक्कर मारकर घायल कर दिया था। परिवार वालों ने घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया था। मंगलवार की रात महिला की मौत हो गयी। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया। रोजा थाना प्रभारी राजीव कुमार ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराया।

न्यूज डायरी

अलग-अलग स्थानों पर दो महिलाओं से दुष्कर्म का प्रयास

शाहजहांपुर, अमृत विचार : कांट और जलालाबाद थाना क्षेत्रों में घर में सो रही महिलाओं को शोहदों ने पकड़ लिया और दुष्कर्म का प्रयास किया। महिलाओं के शोर मचाने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। कांट थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि 26 जनवरी की रात 9 .30 बजे वह अपने आहते में भैंस की देखरेख के लिए चारपाई पर सो रही थी। गांव का विष्णु उसके आहता में घुस गया। आरोपी ने गलत नीयत से पकड़ लिया और दुष्कर्म का प्रयास किया। शोर मचाने पर आरोपी भाग गया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। वहीं जलालाबाद थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला ने बताया कि उसका पति दिल्ली में मजदूरी करता है। वह अपने बच्चों के साथ गांव में रहती है। बुधवार की रात वह घर में बच्चों के साथ सो रही थी। पड़ोसी गांव का केपी उसके मकान में घुस आया और उसे गलत नीयत से पकड़कर दुष्कर्म करने का प्रयास किया। विरोध करने पर आरोपी ने तमंचा निकालकर जान से मारने की धमकी दी। महिला ने शोर मचाया तो आरोपी भाग गया। प्रभारी निरीक्षक राजीव तोमर ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

सीने की चोटों के कारण अज्ञात महिला की हुई मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार : मीरानपुर कटरा पुलिस ने अज्ञात महिला के शव का पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसके शरीर में चार जगह चोट के निशान पाए गए और सीने में आई चोट के कारण उसकी मौत हुई है। आशंका व्यक्त की जा रही है कि महिला को किसी चलते वाहन से फेंका गया है। घटना के कई घंटे बीत जाने के बाद भी महिला के शव की शिनाख्त नहीं हो पायी है। मीरानपुर कटरा पुलिस ने बुधवार की नेशनल हाईवे पर एक ढाबा और एक राइस मिल के बीच सड़क के किनारे अज्ञात महिला का शव मिला था। महिला की उम्र 40 साल थी। उसके गले में मामूली चोट के निशान थे। पुलिस को मौके पर चप्पल नहीं मिली थी। पुलिस महिला की तलाशी ली तो कोई आईडी नहीं मिली, जिससे शिनाख्त हो सके। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसकी सीने में आई चोटों के कारण मौत हुई है। इसके अलावा उसके शरीर में चार जगह गुम चोट के निशान थे। आशंका व्यक्त की जा रही है कि महिला को किसी चलते वाहन से फेंका गया। उसकी चप्पले हो सकता है, वाहन में रह गयी हो। घटना के कई घंटे बीत जाने के बाद महिला के शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि शव की शिनाख्त की कोशिश जारी है।

हादसे में अज्ञात युवक की मौत

अल्हागंज, अमृत विचार : क्षेत्र के सुगसुगी गांव के सामने हाईवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक घायल हो गया। घायल युवक को सीएचसी पर ले गए। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी ओमप्रकाश ने बताया कि मंगलवार की रात में अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक घायल हो गया था। घायल को सीएचसी पर भेज दिया था। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की उम्र 30 साल है। शव की शिनाख्त नहीं हो पायी है। उसकी हुलिया अर्ध विक्षिप्त जैसी है। पुलिस ने अज्ञात शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

विशेष पुनरीक्षण में नो-मैपिंग मतदाताओं के नोटिसों की सुनवाई

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में विधान सभा सदर के अंतर्गत विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण में नो-मैपिंग वाले मतदाताओं को जारी नोटिसों की सुनवाई और उन पर निर्णय से संबंधित बिंदुओं पर विचार-विमर्श के लिए बैठक आयोजित की गई।

बैठक में नगर आयुक्त, मुख्य विकास अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला पंचायतराज अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी और सभी नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों के साथ हुई। इसके अलावा सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट स्थित बिस्मिल सभागार में भी बैठक संपन्न हुई। बैठक में मतदाता सूची में नाम शामिल कराने, अपमार्जन कराने और संशोधन से संबंधित दावे व आपत्तियां प्राप्त करने के लिए विशेष अभियान की 31 जनवरी निर्धारित की गई है।

डीएम ने निर्देश दिए कि इस तिथि को प्रत्येक मतदेय स्थल पर बीएलओ अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे। बीएलओ के पास आलेख्य प्रकाशित मतदाता सूची के साथ फार्म-6, फार्म-7 और फार्म-8 पर्याप्त संख्या में उपलब्ध रहेंगे। मतदाताओं के नाम सूची में शामिल कराने के लिए अधिक से अधिक फार्म-6 प्राप्त करने के निर्देश दिए गए। बैठक में एईआरओ मोहम्मद अयाज की अनुपस्थिति और मनोज कुमार के कार्य की प्रगति संतोषजनक न पाए जाने पर जिलाधिकारी ने स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए।

अधिकारियों के साथ बैठक करते डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह। ● अमृत विचार

● 31 जनवरी को विशेष अभियान सभी मतदेय स्थलों पर बीएलओ रहेंगे तैनात

● फार्म 6, 7 और 8 पर्याप्त रखने के निर्देश, अनुपस्थिति और कार्य प्रगति पर मांगा स्पष्टीकरण

महिला को गोली मारकर किया घायल, रिपोर्ट

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सदर बाजार थाना क्षेत्र के मोहल्ला महमंद जलालनगर निवासी राजकुमारी ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि 23 जनवरी को सुबह सात बजे बृजेश, दुर्गेश, नीरज आदि संतू के घर के बाहर तमंचे से फायरिंग कर रहे थे। राजकुमारी अपने दरवाजे पर खड़ी थी और गोली उसके सिर में लगती हुई निकल गयी। आरोपी महिला से पुरानी रंजिश मानते है। आरोपी पीड़िता के पति को कई बार मार चुके है। पुलिस ने घायल महिला का डाक्टरी परीक्षण कराया। आरोपी पीड़िता को जान से मारने की धमकी दे रहे है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि आरोपी बृजेश, दुर्गेश और नीरज के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

गेहूं कम निकलने के विवाद में युवती से मारपीट, दी तहरीर

कलान, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के ग्राम वजीरगंज निवासी रिंकी पत्नी सुनील यादव के साथ गेहूं के लेनदेन को लेकर दबंगों ने लाठी-डंडों से मारपीट कर उसे घायल कर दिया। पीड़िता का आरोप है कि उसने बीपी यादव को गेहूं दिए थे, जिनमें से कुछ गेहूं कम निकले। इसी बात को लेकर उसने आरोपियों से गेहूं पूरा करने की बात कही थी। रिंकी के अनुसार जब उसने कम गेहूं निकलने की बात कही तो आरोपी नाराज हो गए और उसके साथ लाठी-डंडों से मारपीट कर दी, जिससे वह घायल हो गई। घटना के बाद परिजन एंबुलेंस से उसे इलाज के लिए ले जा रहे थे, तभी रास्ते में बाइक सवारों ने एंबुलेंस को रोककर युवती को उतारने का प्रयास किया। हालांकि एंबुलेंस चालक ने वाहन नहीं रोका और सीधे युवती को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कलान पहुंचाया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर रिंकी का उपचार किया गया। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस ने युवती की ओर से कार्रवाई शुरू कर दी है और पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है।

सड़क किनारे घायल सांड की सुध लेने वाला कोई नहीं

जैतीपुर, अमृत विचार : कस्बे में तिलहर-दातागंज स्टेट हाईवे पर बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने एक आवारा सांड पिछले करीब 15 दिनों से घायल अवस्था में सड़क किनारे पड़ा है। बताया गया कि एक ट्रक की टक्कर से सांड को गंभीर चोटें आई थीं। घटना स्थल से राजकीय पशु चिकित्सालय की दूरी मात्र करीब 50 मीटर तथा विकासखंड कार्यालय लगभग 100 मीटर दूर है। इसके बावजूद सांड को अब तक न तो गोशाला भिजवाया गया और न ही इलाज की व्यवस्था हो सकी। ग्रामीणों ने बताया कि विकासखंड कार्यालय में छुट्टा पशुओं को गोशाला ले जाने के लिए ट्रॉली भी उपलब्ध है, लेकिन उसका उपयोग नहीं किया गया। कस्बे के बाल गोविंद गुप्ता ने बताया कि उन्होंने तीन दिन तक पशु चिकित्सालय जाकर सांड का इलाज कराया, लेकिन लगातार भूख और प्यास के कारण उसकी हालत लगातार बिगड़ती जा रही है। मदनपाल सिंह, बलराम सिंह, नन्हे सिंह, संजीव मिश्रा और पूरन लाल मिश्रा ने कहा कि क्षेत्र में छुट्टा पशु दुर्दशा का शिकार हैं और दुर्घटना में घायल होने पर अक्सर तड़प-तड़प कर दम तोड़ देते हैं।

न्यूज ब्रीफ

बाइक रैली को निकालकर लोगों को किया जागरूक

परौर, अमृत विचार : सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत जागरूकता अभियान के तहत कौही परौर रोड से जरौली कोठी होते हुए जागरूक सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा जैसे नारों के साथ बाइक रैली निकाली गई। ककोड़ा परौर तिराहा हरद्वारा रोड से आयोजित बाइक रैली को मुख्य अतिथि यातायात प्रभारी शाहजहांपुर विनय कुमार पाण्डेय, परिवहन विभाग प्रभारी आरपी गौतम और केसरिया हिंदू वाहिनी के जिला अध्यक्ष मनोज मिश्रा की ओर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रैली का समापन शिव मंदिर के निकट पूर्व प्रधान ब्रजनन्दन शुक्ला दहेलिया के आवास पर आयोजित संगोष्ठी के साथ हुआ। कार्यक्रम में थाना परौर के उप निरीक्षक अनिल कुमार, उप निरीक्षक जोगेंद्र कुमार, अर्पण मिश्रा, अविचल मिश्रा, सोमवीर सिंह, राममूर्ति विष्णु दयाल, पूर्व प्रधान, पंचू, विपिन कुमार सहित अर्जुन, रामू राठौर, आपदा मित्र और बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे।

प्राथमिक विद्यालय निगोही को मिला फर्नीचर

निगोही, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश पूर्व सैनिक कल्याण निगम लिमिटेड की ओर से प्राथमिक विद्यालय निगोही को फर्नीचर एवं अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई गई। निगम के एजीएम एवं पूर्व विंग कमांडर योगेंद्र कुमार शुक्ला ने विद्यालय को 50 डेस्क-बेंच, 10 कुर्सी, 10 मेज, 7 सीलिंग फैन, 4 अलमारी, 1 कंप्यूटर और 1 कंप्यूटर टेबल दिया। इस अवसर पर योगेंद्र कुमार शुक्ला ने कहा कि देश के विकास के लिए नौनिहालों में देशभक्ति की भावना और अच्छी शिक्षा बेहद जरूरी है। खंड शिक्षा अधिकारी रमेश पंकज ने संस्था का आभार व्यक्त किया। विद्यालय की इंचार्ज अध्यापिका मुमताज ने सभी अतिथियों और संस्था के पदाधिकारियों के प्रति आभार जताया।

स्कूल की दीवार गिरने से बालक घायल

पुवायां, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव अगौना खुर्द में बने प्राथमिक स्कूल में अक्सर झूले झूलने के लिए गांव के बच्चे दीवार फांदकर भीतर चले जाते थे। बुधवार को भी यही हुआ हालांकि उस समय पुरानी हो चुकी दीवार गिर गई। जिससे कक्षा 6 का छात्र विनय कुमार पुत्र रामकरण गंभीर रूप से घायल हो गया। गुरुवार को परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां से उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। जहां उसकी हालत में सुधार है।

रज्जू भैया की जयंती पर श्रद्धार्पण गोष्ठी आयोजित

वक्ताओं ने कहा संघ से होकर गुजरता है राष्ट्र को समझने का मार्ग, पंचप्रण के निर्वहन का पालन करने का आह्वान

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : मुमुक्षु आश्रम परिसर में प्रोफेसर राजेंद्र सिंह की जयंती पर आयोजित श्रद्धार्पण गोष्ठी में विधान परिषद सदस्य डॉ. महेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि राष्ट्र को जानने और समझने का मार्ग संघ से होकर गुजरता है। संघ ने भारत को अनेक महान व्यक्तित्व दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रोफेसर राजेंद्र सिंह की शालीनता, सज्जनता और विद्वता अकल्पनीय थी तथा उनके जीवन का हर एक क्षण भारत माता को समर्पित रहा।

मुख्य अतिथि ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण के प्रति सजगता, सामाजिक समरसता और नागरिक कर्तव्यों के निर्वहन की महती आवश्यकता है। उन्होंने नागरिकों से पंचप्रण का पालन करने का आह्वान किया। मुमुक्षु शिक्षा संकुल के मुख्य अधिष्ठाता स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती ने आशीर्वचन में कहा कि रज्जू भैया ने अपने सभी भौतिक संसाधन राष्ट्र के लिए समर्पित कर दिए। उन्होंने कहा कि भारत में अनेक भाषाएं और बोलियां हैं, इसके बावजूद भारतीयता की भावना पूरे देश को एक सूत्र में बांधती है। उन्होंने कहा कि विश्व तभी बचेगा जब सनातन धर्म बचेगा। कार्यक्रम में ददरौल विधायक अरविंद सिंह, कटरा विधायक वीर विक्रम सिंह प्रिंस और संघ के विभाग प्रचारक रवि प्रकाश ने भी अपने विचार रखे। डॉ आलोक कुमार सिंह के संयोजन में हुए कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन कॉलेज सचिव प्रो अवनीश कुमार मिश्र ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत गीत से हुई, जबकि संघ गीत का प्रस्तुतीकरण जिला शारीरिक प्रमुख मोहन की ओर से किया गया। संचालन डॉ शिशिर शुक्ला ने किया और अंत में धन्यवाद ज्ञापन कॉलेज प्राचार्य प्रो आर के आजाद ने किया। सभी अतिथियों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के दो एनसीसी कैडेट उदय प्रताप सिंह और उत्कर्ष अवस्थी को भारतीय जल सेना में चयन के लिए सम्मानित किया गया। गोष्ठी से पूर्व रज्जू भैया के जन्मस्थान सिंचाई विभाग के डाकबंगले में हवन पूजन किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. जयशंकर ओझा, प्रो. प्रभात शुक्ला, डॉ. पवन गुप्ता, डॉ. अरुण यादव, डॉ. संदीप दीक्षित, डॉ. चंदन गोस्वामी, ईशपाल सिंह, धर्मेंद्र सिंह, अशर्फी सिंह राठौर, रामकुमार सहित संकुल की सभी शिक्षण संस्थाओं के शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मुमुक्षु आश्रम में आयोजित श्रद्धार्पण गोष्ठी में उपस्थित श्रोता। ● अमृत विचार

कार्यक्रम में बोलते अतिथि। ● अमृत विचार

विराट हिंदू सम्मेलन में एकता का संदेश

तिलहर, अमृत विचार : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर हिंदू जन जागरण समिति के बैनर तले नगर के अग्रवाल धर्मशाला में विराट हिंदू सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता संजय गुप्ता ने की। कार्यक्रम में वक्ताओं ने देश और धर्म के लिए समाज को जागृत होने का आह्वान किया। इस मौके पर रवि मिश्रा ने कहा कि भारत के पास पहले भी धन, बुद्धि, कौशल और शौर्य था, लेकिन एकता के अभाव में देश को गुलामी झेलनी पड़ी। उन्होंने कहा कि नए भारत के निर्माण और उसे विश्व गुरु बनाने के लिए जाति की बेड़ियों से ऊपर उठकर हिंदू समाज को एकजुट करना होगा, तभी देश और विश्व का कल्याण संभव है। विजयपाल सिंह, सम्मेलन में विश्व हिंदू परिषद के आलोक शर्मा और अर्चना ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में भाजपा विधायक सलोना कुशवाहा, व्यापारी नेता प्रदीप गुप्ता सर्राफ, चंद्रकांता त्रिवेदी, सौरभ गुप्ता रवि, सुरेश शर्मा पप्पू, मनोज शर्मा, युवराज सिंह, राजदीपक शर्मा, झब्बू सिंह यादव सहित सैकड़ों नागरिक उपस्थित रहे। आयोजन में अंकित अग्रवाल, अनुज राठौर, वैभव रस्तोगी, उपेंद्र अग्रवाल, सेठी कश्यप, अनुराग सिंह और सुशील बाबू का विशेष सहयोग रहा।

चंदे से जमा कराया गया बिजली बिल

पुवायां, अमृत विचार: बुधवार को नाहिल में फंदे पर झूले वृद्ध का बिजली बिल मंडी समिति में चंदे से जमा कराया गया। बुधवार की सुबह गांव नाहिल में कामेंद्र विक्रम सिंह ने घर के सामने पाकड़ के पेड़ स लटककर जान दे दी थी।

मृतक की जेब से सुसाइड नोट मिला था, जिसमें मुख्यमंत्री संबोधन में 32 हजार का बकाया बिजली बिल माफ करने की गुहार लगाई गई थी। 32 हजार का बकाया बिल छूट के बाद महज 17 हजार ही जमा होना था। इसके अलावा कुछ निजी कर्ज की भी बात सामने आई थी। जिस पर उच्चाधिकारियों के निर्देश पर आनन फानन में मंडी समिति से चंदा कराकर मृतक का बिजली बिल जमा करवाया गया। अब सवाल ये है कि महज 17 हजार रुपए बकाया के लिए फंदे पर झूलना मजाक जैसा लगता है, जिसे परिवार के साथ साथ कोई भी मानने को तैयार नहीं है। इस मामले में एसडीएम चित्रा निर्वाल ने बताया कि मृतक के सुसाइड नोट के आधार पर उच्चाधिकारियों के निर्देश पर बिजली बिल जमा करवाया गया है। किसान की मौत से परिजनों का रो रोकर बुराहाल है। परिजनों ने आत्महत्या की वजह नहीं पता है।

फार्मर रजिस्ट्रीकरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

संवाददाता, शाहजहांपुर

● शत प्रतिशत फार्मर रजिस्ट्रीकरण करने के दिए निर्देश

अमृत विचार : जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में फार्मर रजिस्ट्रीकरण के संबंध में कलेक्ट्रेट स्थित बिस्मिल सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि उप निदेशक पीके सिंह ने तहसीलदार, नायब तहसीलदार और कानूनगो को फार्मर रजिस्ट्रीकरण की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

जिलाधिकारी निर्देश दिए कि जिले के सभी किसानों का शत प्रतिशत फार्मर रजिस्ट्रीकरण सुनिश्चित किया जाए। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि ग्रीन और अंबर सूची में शामिल किसानों के रजिस्ट्रीकरण का कार्य 15 दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से पूरा कर लिया जाए। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि लेखपाल प्रतिदिन फार्मर रजिस्ट्रीकरण की प्रगति से संबंधित रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जो किसान अपने संबंधित गांव में उपलब्ध नहीं हैं, उनकी अलग से सूची तैयार कर प्रशासन को सौंपी जाए, ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके। बैठक में फार्मर रजिस्ट्रीकरण कार्य को समयबद्ध और पारदर्शी ढंग से पूरा करने पर जोर दिया गया तथा सभी संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए।

संख्या के आधार पर उत्तर पुस्तिकाओं की हो उपलब्धता

शाहजहांपुर, अमृत विचार : हाईस्कूल तथा इंटरमीडिएट परीक्षा के प्रयोगार्थ सादी उत्तर पुस्तक व कला प्रपत्रों के रख-रखाव व वितरण के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए हैं। परिषद के सचिव भगवती सिंह की ओर से डीआईओएस को भेजे निर्देश में बताया गया कि हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा के प्रयोगार्थ सादी उत्तर पुस्तिकाएं व कला प्रपत्र राजकीय मुद्रणालयों द्वारा भेजी जाएंगी। उत्तर पुस्तिकाओं की सुरक्षा के साथ परीक्षा की शुचिता के दृष्टिगत इन्हें 24 घंटे क्रियाशील वायस रिकार्डर युक्त सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में रखवाने की व्यवस्था की जाए। परीक्षा प्रारम्भ होने के पूर्व सादी उत्तर पुस्तिकाओं की शत प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित कर दी जायेगी। यदि किसी कारण से उत्तर पुस्तकें कम मात्रा में प्राप्त हों तो इनका वितरण उसी अनुपात में किया जाए। इस प्रकार उत्पन्न हुए किसी प्रकार के कृत्रिम अभाव के लिये डीआईओएस स्वयं उत्तरदायी होंगे।

चर्म रोग विभाग में अत्याधुनिक लेजर मशीन का उद्घाटन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज में एनडी-याग लेजर से उन्नत उपचार की सुविधा

● त्वचा और नाखून रोगों के उपचार में मिलेगी नई तकनीक, रोगियों को मिलेगा दर्द रहित इलाज

अमृत विचार : वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय बंथरा स्थित वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड हॉस्पिटल में गुरुवार को चर्म रोग विभाग में अत्याधुनिक नेडिमियम-डोप्डयट्रियम एल्यूमिनियम गार्नेट लेजर मशीन का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार अग्रवाल और कुलपति डॉ. किरन अग्रवाल की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. कर्नल रविंद्र नाथ शुक्ला और चर्म रोग विभाग के प्रोफेसर डॉ. नीरज तिवारी ने रिबन काटकर मशीन का शुभारंभ किया।

लेजर मशीन के माध्यम से टैटू हटाने, तिल, दाग-धब्बे, निशान, त्वचा की रंगत में सुधार, नाखूनों के फंगल संक्रमण, नाखूनों के टूटने या रंग बदलने जैसी समस्याओं के साथ-साथ सौंदर्य चर्म विज्ञान के अंतर्गत एंटी-एजिंग, स्किन टाइटनिंग और ग्लो ट्रीटमेंट की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे रोहिलखंड क्षेत्र के मरीजों को उपचार के लिए अब बड़े शहरों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा। सीनियर रेजिडेंट डॉ. धनश्री कुरेकर ने मशीन का प्रदर्शन किया। उन्होंने एक मरीज पर चेहरे के दाग, निशान और तिल का उपचार कर लेजर की सटीकता और प्रभावशीलता को प्रदर्शित किया। मरीज ने उपचार को दर्दरहित बताते हुए संतोष जताया। इसके बाद डॉ. दीपक मुदगल ने बताया कि यह लेजर क्यू-स्विच्ड मोड में कार्य करती है और उपचार के दौरान सुरक्षा के लिए आई प्रोटेक्शन गॉगल्स का उपयोग अनिवार्य है। प्रति कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार अग्रवाल ने कहा कि आधुनिक चिकित्सा उपकरण किसी भी मेडिकल संस्थान की रीढ़ होते हैं। उन्होंने कहा कि इस लेजर मशीन की स्थापना से चर्म रोग विभाग और अधिक सशक्त होगा तथा मरीजों को किफायती और उन्नत उपचार उपलब्ध हो सकेगा। कुलपति डॉ. किरन अग्रवाल ने कहा कि यह तकनीक त्वचा रोगों और सौंदर्य उपचार के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिससे छात्रों को भी व्यावहारिक प्रशिक्षण का लाभ मिलेगा। प्राचार्य डॉ. रविंद्र नाथ शुक्ला ने बताया कि चर्म रोग विभाग में पहले से ही कार्बन डाइऑक्साइड लेजर, डायोड लेजर और इंटेंस पल्स्ड लाइट जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। नई मशीन के जुड़ने से विभाग की उपचार क्षमता और व्यापक हो गई है। विभागाध्यक्ष डॉ. हनुमंत गणपति बोबड़े ने प्रबंधन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सुविधा दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है और इससे चिकित्सा सेवा, शोध और प्रशिक्षण को नई दिशा मिलेगी। कार्यक्रम में फिजियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र कुमार गुप्ता, कम्युनिटी मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र कुमार गुप्ता, उप चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अमित कुमार सिंह, डॉ. बिंदु शर्मा, डॉ. शिवानी गुप्ता, प्रशासनिक अधिकारी ललित कुमार चौहान, चर्म रोग विभाग के चिकित्सक, मीडिया और प्रशासनिक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नई लेजर मशीन के उद्घाटन के मौके पर उपस्थित प्रति कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार अग्रवाल और कुलपति डॉ. किरन अग्रवाल। ● अमृत विचार

वरुण अर्जुन कॉलेज ऑफ नर्सिंग में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● नर्सिंग विद्यार्थियों ने सेवा, समर्पण और नैतिकता की ली शपथ

● बीएससी, जीएनएम और एएनएम बैचों ने लिया संकल्प

अमृत विचार: वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित वरुण अर्जुन कॉलेज ऑफ नर्सिंग में शपथ ग्रहण समारोह का भव्य और गरिमामय आयोजन किया गया। इस अवसर पर बीएससी नर्सिंग छठे बैच, जीएनएम दसवें बैच और एएनएम दसवें बैच के विद्यार्थियों ने नर्सिंग सेवा से जुड़े दायित्वों और कर्तव्यों की शपथ ली। समारोह को नर्सिंग शिक्षा में प्रवेश कर रहे विद्यार्थियों के लिए सेवा, समर्पण, अनुशासन और मानवता के मूल्यों से जुड़ा प्रेरणादायी क्षण बताया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन और पुष्प अर्पण के साथ हुआ। सरस्वती वंदना के बाद विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार अग्रवाल ने मुख्य अतिथि एसडीएम तिलहर सदानंद सरोज का पुष्प गुच्छ और शाल ओढ़ाकर स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि नर्सिंग केवल उपचार का माध्यम नहीं, बल्कि मरीज को मानसिक और भावनात्मक संबल देने का कार्य भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से नर्सिंग को सेवा भाव के साथ अपनाने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. अपर्णा पांडेय ने कहा कि नर्सिंग पेशा चुनौतीपूर्ण होने के साथ सम्मानजनक भी है। इसमें तकनीकी ज्ञान के साथ संवेदनशीलता और करुणा आवश्यक है। विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार अग्रवाल ने कहा कि संस्थान का उद्देश्य समाज के लिए जिम्मेदार और कुशल स्वास्थ्यकर्मी तैयार करना है। कुलपति डॉ. किरन अग्रवाल ने शपथ ग्रहण को विद्यार्थियों के जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव बताते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डीन डॉ. रविंद्र नाथ शुक्ला ने नर्सिंग को अनुशासन, समयबद्धता और टीमवर्क का प्रतीक बताया। शपथ ग्रहण की प्रक्रिया कॉलेज ऑफ नर्सिंग के उप प्राचार्य दीपक पचौरी ने संपन्न कराई। कार्यक्रम प्रभारी रेणुका के नेतृत्व में आयोजन सुव्यवस्थित रहा, जबकि मंच संचालन सहायक प्राध्यापक शिवानी दास और नर्सिंग ट्यूटर प्रिया मिश्रा ने किया। समारोह में शिक्षक, नर्सिंग स्टाफ और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

वरुण अर्जुन कॉलेज ऑफ नर्सिंग में शपथ ग्रहण समारोह के दौरान शपथ लेते नर्सिंग विद्यार्थी। ● अमृत विचार

पंचायत चुनाव को लेकर रालोद ने कसी कमर

शाहजहांपुर, अमृत विचार: राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व विधान परिषद सदस्य राम आशीष राय के आगमन पर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। दिल्ली से लखनऊ जाते समय वह कुछ समय के लिए शाहजहांपुर रुके, जहां उन्होंने आगामी पंचायत चुनावों को लेकर संगठनात्मक तैयारियों पर चर्चा की। जिला अध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारियों ने संगठन की स्थिति और क्षेत्रीय गतिविधियों की जानकारी प्रदेश अध्यक्ष को दी। इस दौरान पंचायत चुनावों की रणनीति को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। प्रदेश अध्यक्ष राम आशीष राय ने कहा कि पंचायत चुनाव मार्च या अप्रैल में कभी भी कराए जा सकते हैं, इसलिए सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता अभी से सक्रिय हो जाएं।

स्वदेशी संकल्प यात्रा का किया स्वागत

संवाददाता, शाहजहांपुर

● स्वदेशी वस्तुएं अपनाने का दिया गया संदेश

अमृत विचार: स्वदेशी जागरण मंच की ओर से निकाली जा रही अखिल भारतीय स्वदेशी संकल्प यात्रा के शाहजहांपुर पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। जिला सीमा में प्रवेश करते ही यात्रा का विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा कर अभिनंदन किया गया।

बरेली मोड़ स्थित विवेकानंद विद्यापीठ में यात्रा प्रभारी अनुपम श्रीवास्तव ने बताया कि स्वदेशी संकल्प यात्रा का शुभारंभ विवेकानंद जयंती के अवसर पर लखनऊ से किया गया था। यह यात्रा उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के करीब 40 जिलों में लगभग तीन हजार किलोमीटर का भ्रमण करेगी। उन्होंने कहा कि यात्रा का उद्देश्य लोगों को स्वदेशी वस्तुएं अपनाने के लिए प्रेरित करना है। भाजपा बृज क्षेत्र के क्षेत्रीय महामंत्री राकेश मिश्रा अनावा ने कहा कि स्वदेशी जागरण मंच अपनी स्थापना से ही पूरे देश में स्वदेशी का वातावरण बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। इससे पहले गर्रा फाटक स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर पर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने यात्रा प्रभारी का माल्यार्पण किया। वहीं बेरी चौकी चौराहे पर हिंदू जागरण मंच के महामंत्री राजेश अवस्थी के नेतृत्व में फूलमालाओं से स्वागत किया गया।

पश्चिमी यूपी के क्षेत्र संयोजक डॉ. अमितेश अमित की ओर से अतिथियों को अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राखी जौहरी, देशराज, एचएस नेगी, ममता पाठक, राजीव सैनी, गोपाल, अवधेश, देवेश त्रिपाठी सहित अनेक कार्यकर्ता और नागरिक मौजूद रहे।

दबंगों ने नींव खुदवाने से रोका, मारपीट

मिर्जापुर, अमृत विचार: क्षेत्र के गांव सौनेक निवासी सोरन ने दबंगों की ओर से अपनी जमीन पर मकान की नींव न खोदने देने और मारपीट का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। सोरन ने बताया कि जब उसने अपनी जमीन पर मकान बनाने के लिए नींव खुदवानी शुरू की तो गांव के ही कुछ लोगों ने उसे रोक दिया। पीड़ित और उसकी पत्नी द्वारा जमीन अपनी होने की बात कहने पर आरोपियों ने गंदी-गंदी गालियां दीं और लाठी-डंडों से मारपीट करने लगे। पीड़ित का आरोप है कि दबंग किस्म के लोग उसकी जमीन पर कब्जा करना चाहते हैं।

एसआईआर नोटिस के मामलों में मिली बड़ी राहत

संवाददाता, तिलहर

अमृत विचार: एसआईआर के तहत जारी किए गए नोटिस मामलों में अब मतदाताओं को बड़ी राहत दी गई है। निर्णय को लोगों ने सही बताया है।

निर्वाचन आयोग की ओर से नोटिस संबंधी मामलों में व्यक्तिगत सुनवाई से छूट प्रदान कर दी गई है। अब नोटिस प्राप्त व्यक्ति की जगह उसके परिवार का कोई भी सदस्य निर्धारित सुनवाई स्थल पर पहुंचकर आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर सकेगा। एसआईआर के दौरान निर्धारित समयावधि में दस्तावेज प्रस्तुत न कर पाने के कारण बीएलओ की ओर से नो-मैपिंग की स्थिति में कई लोगों को नोटिस जारी किए गए थे। पूर्व व्यवस्था में नोटिसधारक को स्वयं उपस्थित होकर जवाब देने और निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुसार तय 13 प्रकार के दस्तावेजों में से कोई एक प्रस्तुत करना अनिवार्य था। इससे बुजुर्गों, बीमारों और बाहर रह रहे मतदाताओं को राहत मिलेगी और नोटिस निस्तारण की प्रक्रिया भी तेज हो सकेगी।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
महीने के प्रत्येक रविवार को समय : सुबह 10 बजे से 5 बजे तक
निःशुल्क परामर्श डॉ. दीपक माहेश्वरी
M.B.B.S., M.D. Consultant Physician & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
प्रेमलोक हॉस्पिटल CARE FOR SURE
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली 9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा। TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
डॉ. आदित्य त्यागी MBBS, DOMS, DNB, MNAMS CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

न्यूज ब्रीफ

बिल्सी में 31 को होगा विराट हिंदू सम्मेलन किया जनसंपर्क

जनसंपर्क करते संगठन के लोग।

बिल्सी, अमृत विचार : नगर में 31 जनवरी को विराट हिंदू सम्मेलन होगा। सफलता के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान चलाया। नगर संघचालक डॉ. उमेंद्र गुप्ता ने बताया कि यह सम्मेलन कछला रोड स्थित रंजना प्रयाग प्रेम कुंज में होगा। सम्मेलन का उद्देश्य समाज को एक सूत्र में बांधना और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करना है। बृहस्पतिवार को संघ के कार्यकर्ताओं ने नगर में सघन जनसंपर्क किया।

अपात्रों को आवास देने का आरोप लगाकर की शिकायत

विजय नगला, अमृत विचार : नगर पंचायत गुलड़िया के ईओ और बाबू पर आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से शिकायत की है। नगर पंचायत निवासी सत्येंद्र सिंह, प्रताप, हरिमोहन, मनु पटेल, हिमांशु आदि लोगों ने शिकायत पत्र भेजकर बताया कि सरकार की ओर से प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत नगर पंचायत में गरीब, निर्धन लोगों के लिए आवास आए हुए हैं। आरोप है कि ईओ और बाबू अपात्र व्यक्तियों को आवास आवंटित कर रहे हैं। पात्रों को आवास नहीं मिल रहे। जिला स्तर पर शिकायत की गई लेकिन सांठगांठ के चलते सुनवाई नहीं हुई।

रोडवेज बस की टक्कर से साइकिल सवार घायल

विजय नगला, अमृत विचार : बरेली-मथुरा राजमार्ग पर मलगांव के पास सड़क पार करते समय रोडवेज बस ने साइकिल सवार बुजुर्ग को टक्कर मार दी। थाना बिनावर क्षेत्र के जाटव गौटिया गांव का रहने वाले 75 साल के पूरन लाल गांव दियोरी से सामान लेने साइकिल से जा रहे थे। थाना बिनावर क्षेत्र के गांव मलगांव के पास हादसा हो गया। बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उनका इलाज चल रहा है।

एआरटीओ से की अभद्रता चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

ट्रक थाने ले जाते समय आगे गाड़ी लगा एआरटीओ की गाड़ी को घेरा

कार्यालय संवाददाता, ओरछीं (बदायूं)

अमृत विचार : चेकिंग के दौरान एआरटीओ प्रवर्तन व प्रशासन ने खनन की बालू भरे दो ट्रक रोके। उनके चालक भाग गए। एआरटीओ ट्रक थाने ले जाने लगे तो एक गाड़ी से उनका रास्ता रोककर अभद्रता की गई। एआरटीओ की तहरीर पर एक नामजद समेत चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज और तीन वाहनों का चालान किया गया है। एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

एआरटीओ हरिओम ने फैजगंज बेहटा पुलिस को तहरीर देकर बताया कि गुरुवार सुबह साढ़े 11 बजे वह फैजगंज बेहटा क्षेत्र के गांव कोकेरा के पास प्रवर्तन का काम कर रहे थे। इसी दौरान कोकेरा मार्ग पर दो ट्रक यूपी 22 बीटी 2049 और यूपी 20 बीटी 2749 सड़क पर खड़े मिले। चेकिंग करने पर

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी नासिर।

पता चला कि दोनों में बालू भरा हुआ है। एआरटीओ ने चालक से बिल्टी मांगी तो बिल्टी दे दी गई और दोनों ट्रक चालक दूसरी साइड की खिड़की से कूदकर जंगल की ओर भाग गये। वह दोनों वाहनों को थाने ले जाने लगे।

इसी दौरान गाड़ी नंबर यूपी 14 सीएन 9974 से आए लोगों ने एआरटीओ का रास्ता रोका।

- फैजगंज बेहटा क्षेत्र में हुई घटना पकड़ी गई गाड़ी है रामपुर की

उनकी गाड़ी के आगे गाड़ी लगा दी। एआरटीओ की गाड़ी के चालक से बलपूर्वक यूपी 22 बीटी 2049 की चाबी छीनने लगे। कहा कि आप बदायूं के एआरटीओ नहीं हो। यह उनका कार्यक्षेत्र नहीं है। वहां चेकिंग नहीं कर सकते। उन्होंने एआरटीओ के साथ गाली-गलौज और अभद्रता शुरू कर दी। एआरटीओ ने असुरक्षित महसूस करते हुए डायल 112 पर फोन किया। पुलिस मौके पर पहुंची। एक युवक को पकड़ लिया जबकि उसके तीन साथी भाग गए। तीनों वाहनों का चालान किया गया। पुलिस ने एक नामजद समेत चार आरोपियों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने, अधिकारी से अभद्रता करने, बल प्रयोग करने के आरोप मे रिपोर्ट दर्ज की है।

सड़क सुरक्षा जागरूकता का छात्रों ने दिया संदेश

सहसवान, अमृत विचार : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत विद्यार्थियों ने सड़कों पर जागरूकता के लिए रैली निकाली और नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने हेलमेट पहनने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने और यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने का संदेश दिया। इस पहल की जिला उपाध्यक्ष सुभाष चंद्र गुप्ता और भाजपा नेता मयंक गुप्ता ने सराहना की।

- छात्र-छात्राओं ने रैली निकालकर नाटकों से दिया संदेश

उन्होंने विद्यार्थियों के उत्साह, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना की प्रशंसा करते हुए विद्यालय के शिक्षकों और प्रबंधन के प्रयासों को भी सराहा। प्रधानाचार्या प्रवीण अरोड़ा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज के लिए महत्वपूर्ण होते हैं और जमीनी स्तर पर सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने में सहायक सिद्ध होते हैं।

बाहर की दवा लिखने पर मरीजों ने किया हंगामा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : टीवी की महिला मरीज को बाहर की दवा लिखने पर जिला अस्पताल में हंगामा हो गया। क्षय रोग अधिकारी ने कहा कि मामले की जांच करायी जाएगी। अस्पताल में मरीजों को पर्याप्त दवाएं हैं यदि किसी ने बाहर की दवा लिखी है तो गलत है।

जिला अस्पताल स्थित क्षय रोग अस्पताल में प्रतिदिन सैकड़ों मरीज आते हैं। यहां पर जो दवाएं हैं वह टीवी मरीजों को दी जाती हैं। गुरुवार को करीब 143 मरीज टीवी सेंटर पहुंचे। जहां मरीजों ने पर्चा बनवा कर दवा लेने को लाइन लगा ली। लेकिन जिला क्षय रोग अधिकारी डा. विनेश कुमार नहीं पहुंचे। जिसके बाद उनके अधीनस्थों ने मरीजों को देखना शुरू कर दिया। इसी बीच शहर के निकटवर्ती गांव नगला शर्की

निवासी वृद्धा कुटुमा देवी 72 वर्ष ने भी अंदर दिखाया। जहां पर कुटुमा को बाहर की दवा लिख दी। कुछ दवाएं अस्पताल से दी गयीं। जब कुटुमा बाहर मेडिकल से दवा खरीद कर अंदर पहुंची तो बताया कि करीब तीन सौ से अधिक की दवाएं हैं जिस पर उनके परिवार के लोगों ने हंगामा कर दिया। अन्य मरीजों ने भी कहा कि उन्हें भी बाहर की दवा लिखी गयी है। एक अन्य मरीज सुरेंद्र ने कहा कि यहां पर बाहर की दवाएं लिखी जा रही हैं जबकि अस्पताल में दवाएं हैं। इसी बात को लेकर हंगामा हो गया। कई मरीज बाहर निकल कर आ गए। मरीजों ने कहा कि वह सुबह से लाइन में लगे हैं और अब दवा बाहर की लिखी जा रही हैं। मरीजों ने क्षय रोग विभाग में भी हंगामा करने की कोशिश की मगर कर्मचारियों ने उन्हें अंदर नहीं घुसने दिया।

कुछ दिन पूर्व भी क्षय रोग अस्पताल में डॉक्टर के अधीनस्थ ने एक मरीज को बाहर की दवा लिख दी थी जिसको लेकर भारी हंगामा हो गया। उस मामले की जांच भी की जा रही है। अभी उस मामले की जांच पूरी नहीं हुई तब तक दूसरा मामला फिर उछल कर सामने आ गया। जिससे क्षय रोग अस्पताल में मरीजों ने विभाग पर तमाम आरोप भी लगाए।

बाहर की दवा लिखने पर हंगामा करते मरीज। ● अमृत विचार

"वह आज किसी कार्य से बाहर हैं। उनके संज्ञान में मामला नहीं है। वह लौटकर आएंगे तो मामले की जानकारी करेंगे। अस्पताल में टीबी के मरीजों को पर्याप्त मात्रा में दवाएं हैं फिर भी यदि किसी ने मरीज को बाहर की दवा लिखी है तो उसकी जांच कराई जाएगी।

-डा. विनेश कुमार, जिला क्षय रोग अधिकारी

बाहर से खरीदी हुई दवा।

- क्षय रोग अस्पताल में नहीं बैठे डॉक्टर, सहायकों ने लिखी बाहर की दवा, डॉक्टर बोले- होगी जांच

हत्या के प्रयास के दो दोषियों को 10-10 साल की सजा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- 11 जुलाई को गुन्नौर से वापस गांव आते समय रास्ते में रोककर मारी थी गोली

अमृत विचार : कातिलाना हमला करने के चार आरोपियों में से दो को अपर सत्र न्यायाधीश कक्ष 10 सौरभ सक्सेना ने दोषी पाते हुए 10-10 साल की कैद समेत 20-20 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। तीसरे आरोपी ओंकार के मुकदमा के दौरान मौत हो गई थी जबकि चौथे आरोपी के विरुद्ध चंदौसी के किशोर न्यायालय में मुकदमा चलेगा।

अभियोजन पक्ष के अनुसार वादिनी मुकदमा जिला संभल के थाना गुन्नौर क्षेत्र के गांव गढ़िया निवासी कमलेश पत्नी रामेश्वर ने 12 जुलाई 2014 को देकर बताया था कि 11 जुलाई को वह गुन्नौर से दवा लेकर गांव पहुंची। रास्ते में उनके पति को एक नाबालिग ने रोक लिया। साथ में ओंकार, हेमपाल पुत्र मलखान, लाल पुत्र बाबूराम भी थे। कमलेश वहां से घर चली गईं। नाबालिग ने पति रामेश्वर को गोली मार दी। पति के चिल्लाने पर उनका बेटा दुर्गेश मौके पर पहुंचा। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की। न्यायालय में गांव गढ़िया निवासी लाल पुत्र रामबाबू, हेम पाल पर कातिलाना हमले का मुकदमा चला। न्यायाधीश ने पत्रावली के साक्ष्य का अवलोकन किया। अपर शासकीय अधिवक्ता सुधीर कुमार मिश्रा और बचाव पक्ष के अधिवक्ता की दलील सुनने के बाद आरोपियों को दोषी पाते हुए सजा सुनाई। एक की मौत हो चुकी है। चौथे आरोपी की पत्रावली चंदौसी के किशोर न्यायालय भेजी गई है।

मतदाता सूची में नाम बरकरार रखने के लिए बढ़ी भागदौड़

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- मतदाता सूची में नाम बनाए रखने के लिए लोगों को हो रही असुविधा
- परिवार रजिस्टर की नकल के लिए मायके-ससुराल के चक्कर काट रहीं महिलाएं
- डीएम ने बीडीओ को प्राथमिकता से नकल जारी करने के दिए हैं निर्देश

अमृत विचार: जनपद में मतदाताओं को अपना नाम मतदाता सूची में बनाए रखने के लिए मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। सूची में नाम रखने के लिए संबंधित प्रक्रियाओं को पूरा करना बेहद कठिन हो गया है। प्रपत्र एकत्रित करने के लिए तहसील से लेकर ब्लॉक स्तर तक भागदौड़ करनी पड़ रही है। वहीं विवाहित महिलाओं को परिवार रजिस्टर की नकल प्राप्त करने के लिए मायके और ससुराल दोनों जगहों के चक्कर लगाना पड़ रहा है। मतदाताओं की बढ़ती दिक्कतों को कम करने के लिए डीएम ने सभी ब्लॉकों के बीडीओ को निर्देश जारी कर दिए हैं। जिससे लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

जिले में एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है। 1.49 लाख मतदाताओं के द्वारा मैपिंग नहीं कराई गई थी। इन सभी को जिला निर्वाचन अधिकारी के द्वारा नोटिस जारी किया जा रहा है। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एसआईआर प्रक्रिया के तहत मतदाताओं के नाम जोड़ने, हटाने या संशोधन के लिए विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं। इसके लिए छह फरवरी तक का समय मिला है। मतदाताओं को अपने निवास और जन्मतिथि संबंधी उचित दस्तावेज प्रस्तुत करना हैं। नोटिस पाने वाले मतदाताओं को एआरओ और ईआरओ को अपने दस्तावेज प्रस्तुत करके अंतिम सूची में नाम जुड़वाना है। इनमें सबसे अधिक दिक्कत महिलाओं को हो रही है। विवाहिता महिलाओं से परिवार रजिस्टर की नकल मांगी जा रही है। ब्लॉक जगत के गांव सिमरिया निवासी रोहित ने बताया कि उनके बहन का नाम परिवार रजिस्टर में नहीं दर्ज था। उसकी शादी हो गई है। एसआईआर शुरु होने पर अब उसके ससुराल के लोग परिवार रजिस्टर की नकल मांग रहे हैं। बताया कि मतदाता सूची से नाम न कटे, इसके लिए वह ग्राम पंचायत अधिकारी के यहां चक्कर काट रहे हैं, लेकिन कोई समाधान नहीं हो पा रहा है। वहीं कादरचौक ब्लॉक के गांव गौरामई निवासी सोनी ने बताया कि उसकी शादी हो गई है। अब एसआईआर के लिए परिवार रजिस्टर की नकल चाहिए। ऐसे में मायके आकर उसे बनवाना पड़ रहा है। लोगों को इस तरह की दिक्कतों पर गौर करते हुए डीएम ने सभी ब्लॉकों के बीडीओ को आदेश दिए हैं कि वह प्राथमिकता के आधार पर लोगों को परिवार रजिस्टर की नकल जारी करें। जिससे लोगों को किसी प्रकार की दिक्कत न होने पाए।

मतदाताओं को आवश्यक हैं यह अभिलेख

एडीएम वित्त एवं राजस्व डॉ वैभव शर्मा ने बताया कि मतदाताओं को मिले नोटिस के आधार पर 13 विकल्पों में से कोई एक विकल्प देना आवश्यक हैं। इनमें सक्षम अधिकारी की ओर से जारी जन्म प्रमाणपत्र। पासपोर्ट, मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय की ओर से जारी हाईस्कूल की मार्कशीट/शैक्षिक प्रमाणपत्र, सक्षम अधिकारी की ओर से जारी स्थायी निवास प्रमाणपत्र ,राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर की नकल ,राज्य या स्थानीय प्राधिकारियों की ओर से परिवार रजिस्टर की नकल, सरकार की ओर से जारी कोई भी भूमि/मकान आवंटन प्रमाणपत्र, वन अधिकार प्रमाण पत्र, सेंट्रल/राज्य/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के नियमित कर्मचारी/पेंशनर को जारी किया गया पहचान पत्र/पेंशन भुगतान आदेश आवश्यक है।

"एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है। लगभग सभी मतदाताओं को नोटिस जारी हो चुका है। उनसे जवाब मांगा जा रहा है। लोग दस्तावेज प्रस्तुत कर रहे हैं। जिसके आधार पर उनका नाम मतदाता सूची में जोड़ा जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को परिवार रजिस्टर की नकल प्राप्त करने में असुविधा हो रही है। इसके लिए सभी बीडीओ को प्राथमिकता के आधार पर परिवार रजिस्टर की नकल जारी करने के निर्देश दिए गए हैं।

डॉ वैभव शर्मा, एडीएम वित्त एवं राजस्व

नहीं मिला गन्ना, बिसौली चीनी मिल बंद

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- किसानों ने बनाई दूरी, मिल प्रशासन परेशान
- मिल ने खरीदा कुल नौ लाख क्विंटल गन्ना

अमृत विचार : पिछले साल का गन्ना मूल्य भुगतान पूरा नहीं करने पर बिसौली चीनी मिल पर संकट के बादल छा गए हैं।गन्ना किसानों ने चीनी मिल से दूरी बना ली, जिससे मिल पर गन्ना नहीं पहुंच रहा है। मिल प्रबंधन ने गन्ने के अभाव में मिल को बंद कर दिया। मिल ने इस साल कुल नौ लाख क्विंटल गन्ने की खरीद की है।

बिसौली की यदु शुगर मिल पर इस साल गन्ना पेराई सत्र शुरू होने के बाद से ही संकट छाया रहा। मिल को पर्याप्त गन्ना नहीं मिला जिससे मिल बंद भी रही। मिल प्रबंधन ने अपने क्षेत्र के गन्ना किसानों से संपर्क किया। उन्हें गन्ना पहुंचाने को कहा गया। लेकिन नाराज किसानों ने मिल को गन्ना बहुत कम दिया। जिससे मिल को इस साल कुल नौ लाख क्विंटल गन्ना ही मिला। दो दिन से मिल रूक रूक कर चल रही थी। जिसके बाद बुधवार को मिल प्रबंधन ने मिल को बंद करने की घोषणा कर दी। मिल बंद होने के बाद अब गन्ना किसान अपना गन्ना इधर उधर बेंच रहे हैं।

जिला गन्ना अशर्फी लाल ने गुरुवार को बताया कि गन्ना किसानों ने इस साल यदु शुगर मिल को गन्ना नहीं दिया जिससे मिल का पेराई सत्र बंद कर दिया गया। गन्ना पेराई बंद होने के बाद अब मिल प्रशासन अपने क्षेत्र के गन्ना किसानों से संपर्क कर रहा है। जिला गन्ना अधिकारी ने बताया कि पिछले गन्ना पेराई सत्र का अभी तक करीब साढ़े सात करोड़ रुपया बकाया है जिसके लिए गन्ना किसान कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं। जिला प्रशासन ने भी भुगतान न करने पर नाराजगी व्यक्त की थी। उसके बाद भी मिल प्रबंधन ने भुगतान नहीं किया।

मिल के पास था साढ़े छह हजार हेक्टेयर गन्ना

बिसौली चीनी मिल के इस बार नौ गन्ना क्रय केंद्र काट दिए गए।यहसभी क्रय केंद्र हरदोई की रूपापुर चीनी मिल को आवंटित कर दिए गए। इस बार बिसौली चीनी मिल के पास कुल 43 गन्ना क्रय केंद्र थे उनमें से भी बसौलिया का क्रय केंद्र बाद में काट दिया गया जिसके बाद मिल के पास केवल 42 क्रय केंद्र ही बचे थे। जिन क्षेत्रों में क्रय केंद्र काटे गय हैं वह सभी गन्ना खेती के बड़े किसान है जिससे मिल के पास गन्ने का रकबा भी घट कर साढ़े छह हजार हेक्टेयर रह गया जो काफी कम था।

मोटर ड्राइविंग स्कूल के वाहनों में मिली कमियां

बदायूं, अमृत विचार : एआरटीओ हरिओम ने मोटर ड्राइविंग स्कूलों का तकनीकि निरीक्षण किया। न्यू स्टार मोटर ड्राइविंग ट्रेनिंग स्कूल में चार वाहन मिले। जिनमें कमियां पाई गईं। वाहन मार्ग पर चलने योग्य नहीं थे। स्कूल संचालक को हिदायत दी गई है कि वह अपने वाहनों की तकनीकि कमियों को दूर करके ही सड़क पर चलाएं। ड्राइविंग स्कूल में अनियमितता पाए जाने के कारण निलंबन के लिए उप परिवहन आयुक्त को पत्र भेजा जाएगा। यह सड़क सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है। अगर इस प्रकार की किसी भी ड्राइविंग ट्रेनिंग स्कूल में अनियमित पाई जाती है तो उसके खिलाफ भी निलंबन की कार्रवाई की जाएगी।

दिन भर बादलों की आवाजाही, गिरा न्यूनतम तापमान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: पिछले तीन दिनों से मौसम का मिजाज बदला चल रहा है। मंगलवार से बुधवार की सुबह तक बारिश होती। लेकिन इसके बाद बादलों ने डेरा जमा लिया है। गुरुवार को दिनभर बादलों की आवाजाही रही, लेकिन बारिश नहीं हुई। दोपहर बाद धूप खिली। आसमान में छाए बादलों और ठंडी हवाओं के बीच न्यूनतम नीचे चला गया है। न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं बारिश न होने पर किसानों ने राहत की सांस ली है।

गुरुवार की सुबह के समय घना कोहरा छाया रहा। दृश्यता शून्य रही। 50 मीटर तक का दिखाई नहीं दे रहा था। लेकिन कोहरा जल्दी छंट गया। 8 बजे के बाद कोहरा हट गया। लेकिन आसमान में काले बादल छाए रहे। 10 से 12 किलोमीटर की रफ्तार से ठंडी हवाएं चलती रहीं। जिससे लोग ठिठुरते हुए नजर आए। बच्चे भी कांपते हुए स्कूल पहुंचे। सुबह के समय तो बादल ऐसे लगे कि मानों तेज बारिश होगी, लेकिन जैसे- जैसे दिन चढ़ता गया वैसे-वैसे बादलों का असर कम होता गया। दोपहर बाद धूप खिल गई। धूप खिलने पर लोगों ने राहत महसूस की। शाम होते ही फिर से गलन बढ़ गई। गलन बढ़ते ही सड़कों पर लोगों की आवाजाही कम हो गई। कृषि विभाग के अनुसार बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। बारिश न होने की संभावना जताई है। अगले कुछ दिनों में मौसम पूरी तरह से साफ हो जाएगा। इधर बारिश न होने पर किसानों ने राहत की सांस ली है। किसानों का कहना था अगर और अधिक बारिश होती है तो गेहूं को छोड़ अन्य फसलों को नुकसान अधिक हो सकता था। कृषि विभाग के अनुसार गुरुवार को अधिकतम 18 तो न्यूनतम तापमान 09 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

आसमान में छाए बादल, वातावरण में छाई धुंध। ● अमृत विचार

- दोपहर बाद खिली धूप, किसानों ने महसूस की राहत
- बारिश के बाद आसमान में बना हुआ है बादलों का डेरा

कवायद खरीद के लिए निर्धारित किए 75 क्रय केंद्र, अभी और बढ़ेगी संख्या

एक मार्च से होगी गेहूं की खरीद, तेज हुई तैयारी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- इस बार 2585 रुपये प्रति क्विंटल की दर से होगी गेहूं खरीद
- विपणन, यूपीएसएसए, पीसीएफ, मंडी,एफसीआई नैफेड करेंगी खरीद

"शासन के आदेश पर गेहूं खरीद की तैयारी की जा रही है। अभी विभिन्न एजेंसियों के द्वारा 75 प्रस्ताव मिले थे। पत्रावली डीएम के पास अनुमोदन के लिए भेजी गई है। अभी और क्रय केंद्र खोले जाएंगे। एजेंसियों से प्रस्ताव मांगे गए है। वहीं किसानों को गेहूं विक्रय करने के लिए पंजीकरण कराने को प्रेरित किया जा रहा है। जिससे खरीद प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित हो सके।

अतुल कुमार वशिष्ठ, जिला विपणन अधिकारी

अमृत विचार: जिले में धान खरीद प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। संचालित केंद्रों पर सन्नाटा पसरा हुआ है। धान खरीद बंद होने के बाद गेहूं खरीद की तैयारी की जा रही है। विपणन विभाग की ओर से गेहूं क्रय केंद्रों के संचालन के लिए संबंधित एजेंसियों से प्रस्ताव मांगे गए थे। एजेंसियों द्वारा अब तक 75 स्थानों पर क्रय केंद्र स्थापित करने के प्रस्ताव दिए गए थे। डीएम की अनुमति के बाद प्रस्तावित क्रय केंद्र स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। अभी और एजेंसियों के द्वारा प्रस्ताव भेजे जा रहे हैं। ऐसे में केंद्रों की संख्या बढ़ेगी। शासन के आदेशानुसार एक मार्च से जिले में गेहूं की सरकारी खरीद शुरू हो जाएगी।

गत वर्ष गेहूं की खरीद करने के लिए विपणन विभाग की ओर से जिले में 114 क्रय केंद्र खोले गए थे। 62 हजार 500 एमटी गेहूं खरीद का लक्ष्य दिया गया था। जिसके सापेक्ष 42 प्रतिशत ही खरीद हो सकी थी। कारण बताया किया गया था कि बाजार में गेहूं का भाव समर्थन मूल्य से अधिक रहा था। इस बार शासन की ओर से गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी की है। पिछले वर्ष के 2425 रुपये प्रति क्विंटल की तुलना में 160 रुपये बढ़ाकर 2585 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी से किसानों को बेहतर दाम मिलने की उम्मीद है। मंडियों में गेहूं की आवक सामान्यतः अप्रैल के पहले सप्ताह से शुरू होती है, इसके बावजूद प्रशासन एक माह पहले ही क्रय केंद्र खोलकर सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को व्यवस्थित कर रहा है। इस बार विपणन, यूपीएसएसए, पीसीएफ,

मंडी समिति, एफसीआई और यूपीएसएएस के द्वारा 75 क्रय केंद्र स्थापित करने के लिए प्रस्ताव भेजा है। पत्रावली डीएम के पास अनुमोदन के लिए रखी हुई है। अनुमति मिलने के बाद क्रय केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इस नैफेड की ओर से भी करीब 20 क्रय केंद्र स्थापित करने के लिए प्रस्ताव भेजा है। ऐसे में क्रय केंद्रों की संख्या अभी और बढ़ेगी। इस बार गत वर्ष की अपेक्षा संख्या अधिक रहेगी।

31 जनवरी तक चलेगा राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान

बदायूं, अमृत विचार: अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिव कुमारी ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, (नालसा) नई दिल्ली और उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तहत देशभर में मध्यस्थता अभियान चल रहा है। यह अभियान 31 जनवरी तक चलेगा। बताया कि इस अभियान का उद्देश्य मध्यस्थता के माध्यम में न्यायालयों में लंबित प्रकरणों का अधिकाधिक संख्या में सुलह समझौते के आधार पर निस्तारण किया जायेगा। जिसमें वैवाहिक विवाद के मामले, दुर्घटना दावे के मामले, उपभोक्ता विवाद के मामले, संपत्ति के बंटवारे से संबंधित मामले, बेदखली से संबंधित मामले, भूमि अधिग्रहण के मामले व अन्य उपयुक्त दीवानी मामले, घरेलू हिंसा के मामले, चेक बाउंस के मामले, आपराधिक मामले आदि का निस्तारण करा सकते हैं।

प्लेटफार्म एक पर बना पुलिस का बूथ

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : रेलवे स्टेशन पर जीआरपी को अब नया बूथ तैयार किया गया है जिसमें पुलिसकर्मी बैठ कर पूरे रेलवे स्टेशन पर नजर रख सकेंगे। बूथ जीआरपी को सौंपा जा चुका है जिसके बाद सुरक्षा व्यवस्था और चाक चौबंद कर दी गयी है।

रेलवे स्टेशन पर फिलहाल जीआरपी सुरक्षा व्यवस्था संभालती है। लेकिन पुलिस को बैठने को कहीं भी कोई व्यवस्था नहीं की गयी थी जिससे पुलिसकर्मी रेलवे स्टेशन पर घूमते रहते थे। लेकिन अब रेलवे प्रशासन की ओर से जीआरपी के सुरक्षा प्रहरियों को बूथ बनाया गया है। यह बूथ प्लेटफार्म एक पर मुख्य गेट के निकट तैयार किया गया है। बूथ में कम से कम चार पुलिसकर्मी बैठ सकेंगे। मुख्य रूप से रात को ड्यूटी पर रहने वाले पुलिसकर्मी इस बूथ में बैठकर प्लेटफार्म पर सुरक्षा व्यवस्था देखेंगे।

जीआरपी थानाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि अब रेलवे स्टेशन पर बने बूथ में बैठकर सुरक्षा करनी होगी। प्लेटफार्म पर घूमने के बाद वह बूथ में बैठेंगे। वहीं से संदिग्धों पर नजर रखेंगे। बताया कि इसकी काफी पहले से तैयारी की जा रही थी।अब रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत योजना के तहत सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। उसी के तहत बूथ भी बनाया गया है नए बूथ में जल्द ही पुलिसकर्मी बैठना शुरू कर देंगे। कहा कि रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा संभाल रहे पुलिसकर्मी की एक बार फिर से ड्यूटी लगाई जाएगी जिससे किसी भी समय बूथ खाली न रहे।

प्लेटफार्म पर बना पुलिस बूथ।

- रेलवे प्रशासन ने जीआरपी को सौंपा पुलिस बूथ

दोनों प्लेटफार्म पर नजर रखेंगे पुलिसकर्मी

रेलवे प्रशासन की ओर से बताया गया कि प्रत्येक रेलवे स्टेशन पर पुलिस कर्मियों को इस तरह की व्यवस्था की गयी है। यहां पर भी बूथ बना कर जीआरपी को दिया गया है जिससे ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी बूथ में बैठ कर आराम कर सकें। बूथ कभी खाली नहीं रहेगा। रेलवे स्टेशन पर दोनों प्लेटफार्म पर बूथ से नजर रखी जा सकेगी। इसलिए प्लेटफार्म एक पर बीच में बूथ तैयार किया गया है।

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 30 जनवरी 2026

बदायूं

अम्बा हैल्थ क्लीनिक

डॉ.आर.एस.सिंह
B.A.M.S.
(आयुर्वेदाचार्य)
स्त्री-पुरुष रोग विशेषज्ञ
30 वर्षों से चिकित्सा का अनुभव प्राप्त
ISO.9001:2015 Certify Tredmark Clinic

★ पतले-दुबले
★ गाल पिचके
★ कमजोर स्त्री-पुरुष
★ मोटापा व वजन बढ़ाने के लिए
परामर्श लें।

चिकित्सा जानकारी
भूख न लगना, अपच, कब्ज, गैस बनना, खाने के बाद शौचालय जाना, बच्चों का शारीरिक विकास न होना, पुलिस व फोर्स आदि नौकरी में नाप तौल में कमी होना, बच्चों का बिस्तर गीला करना, मोटे पेट व थुल-थुले व्यक्ति का वजन कम करना, कील-मुंहासे, झाइयां, सफेद दागों व सावलापन हटाना, सुन्दर दिखाना, बालों का समय से पहले झड़ना, टूटना, सफेद होना एवं गंजापन होना, खूनी व वादी बवासीर आदि सभी बिमारियों का परामर्श लें।

किसी भी प्रकार का नशा जैसे
शराब, अफीम, गुटखा, सुल्फा, गांजा बीड़ी, सिगरेट आदि नसा छुड़ाने की रोगी को बिना लाये बिना बताये जानकारी प्राप्त करें।

स्त्री-पुरुष गुप्त समस्याएं
- स्वपन दोष, शीघ्रपतन, मर्दाना कमजोरी होना
- हस्तमैथुन, धात जाने से कमी होना
- इन्द्री का ढीलापन-छोटापन व पतलापन होना
- वीर्य में शुक्राणु का कम होना
- ल्यूकोरिया, बांझपन, बच्चेदानी में रसोली होना
- यौन अंगो का ढीलापन या इच्छा कम होना
- मासिक धर्म अनियमित होना या उम्र से पहले बन्द होना

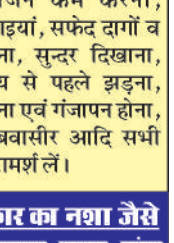

वैवाहिक जीवन को सफल बनायें अविकसित सीना को सुडौल आकर्षक बनायें
Sexually Transmitted Bacterial Disease
सुजाक, गिनोरिया, एड्स, यौन अंगो पर खुजली या छाले पड़ने पर तुरन्त डाक्टर से सम्पर्क करें
गलत फिल्में देखने व फोन पर बातें करने से या पेशाब में चिपचिपा पदार्थ निकलने पर तुरन्त सम्पर्क करें
डॉ. साहब
आपके विश्वास पर सभी बिमारियों को ठीक करने की कोशिश कर सकते हैं दावा या गारंटी नहीं दे सकते
मिलें सुबह 11 से सायं 5 बजे तक
दिनांक :-
11 जनवरी 2026, रविवार
25 जनवरी 2026, रविवार
निकट बरेली कॉलेज, होटल मोती महल काली बाड़ी चौराहा, बरेली
9837069463
7599211076

अच्छे बजट की उम्मीद, थोक और फुटकर व्यापारी उत्साहित

टैक्स व सीमा शुल्क में छूट मिलने की व्यापारियों को संभावना, सस्ती हो जाएंगी वस्तुएं, सरकार की वित्तीय नीति को व्यापारियों ने बेहतर बताया

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: संसद सत्र शुरू हो चुका है। 31 जनवरी को बजट पेश किया जाएगा। केंद्र सरकार द्वारा पेश किए जाने वाले बजट से व्यापारियों को काफी उम्मीदें हैं। सरकारी की वित्तीय नीति को लेकर जिले के थोक और फुटकर व्यापारियों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। व्यापारियों का कहना है यदि सरकार सीमा शुल्क में कटौती और जीएसटी प्रक्रियाओं को सरल करती है तो इससे न केवल वस्तुओं के दाम घटेंगे, बल्कि बाजार में मांग भी तेजी आएगी। अभी फिलहाल वस्तुओं के दाम अधिक होने पर मांग ठप पड़ी हुई है।

अगर सीमा शुल्क में कटौती होती है तो दुकानदारों और व्यापारियों के साथ आम जनता को भी काफी राहत मिलेगी।

28 जनवरी से संसद सत्र शुरू हो चुका है। इसी संसद सत्र के दौरान केंद्र सरकार 2026-2027 वित्तीय वर्ष का आम बजट पेश करेगी। इस बार कई राज्यों में चुनाव भी होने हैं। ऐसे में सरकार का रुख बेहद नरम रहेगा। इसी को ध्यान में रखते हुए और व्यापारियों की सुविधाओं का ख्याल रखते हुए बजट पेश कर सकती है। वहीं व्यापारियों की नजर भी संसद सत्र की ओर गढ़ गई है। व्यापारी सरकार द्वारा सीमा शुल्क में कटौती और जीएसटी प्रक्रिया का सरलीकरण होने की संभावना जता रहे हैं। उसे उम्मीद है कि इस बार सरकार व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए बजट पेश करेगी। कारोबारी आयातित कच्चे माल पर ड्यूटी घटाने की प्रतीक्षा कर रहा है। जिससे गिरते स्थानीय उद्योगों को संजीवनी मिल सके। जिले के थोक व्यापारियों का कहना है कि वर्तमान में कई वस्तुओं पर उच्च सीमा शुल्क लगा हुआ है। जिसके कारण उनकी लागत बढ़ जा रही है। जिसका सीधा असर फुटकर कीमतों पर पड़ रहा है। यदि सरकार थोक विक्रेताओं को कुछ विशेष रियायत देती है तो इसका लाभ अंतिम उपभोक्ता तक पहुंचेगा। विशेषकर इलेक्ट्रॉनिक, कपड़ा और मशीनरी क्षेत्र के कारोबारियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। वहीं छोटे और फुटकर दुकानदारों की मांग है कि उन्हें डिजिटल लेनदेन पर लगने वाले अतिरिक्त शुल्क से मुक्ति मिले और इनकम टैक्स की सीमा में विस्तार किया जाए। फुटकर व्यापारियों के अनुसार, महंगाई के कारण आम आदमी की क्रय शक्ति कम हुई है। इसे केवल टैक्स छूट और रियायतों के जरिए ही सुधारा जा सकता है।

ग्राहकों का इंतजार करते मोबाइल पार्ट्स विक्रेता ● अमृत विचार

बजट से व्यापारियों को लाभ मिलने की उम्मीद

केंद्र सरकार बजट पेश करने जा रही है। जिससे व्यापारियों को काफी उम्मीदें हैं। सरकार को चाहिए कि वह छोटे और फुटकर दुकानदारों को ध्यान में रखते हुए डिजिटल लेनदेन पर लगने वाले अतिरिक्त शुल्क से मुक्ति दिलाए। इनकम टैक्स की सीमा में विस्तार किया जाए।

मुजीम, चश्मा विक्रेता

वन लाइसेंस, वन रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था लागू करे सरकार

डिजिटल इकोनॉमी से खुदरा व्यापारियों को भारी नुकसान हो रहा है। केंद्र सरकार को खुदरा व्यापारियों का संरक्षण करना चाहिए जो लोगों को प्रत्यक्ष तौर पर रोजगार उपलब्ध कराता है। व्यापारियों का कहना है कि व्यापार को सुगम बनाने के लिए सिंगल विंडो कंप्लायंस सिस्टम, अनावश्यक नोटिस और निरीक्षण पर रोक लगनी चाहिए। केंद्र सरकार को इन उपायों को लागू करने पर विचार करना चाहिए। वन नेशन, वन लाइसेंस, वन रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था लागू किया जाए। जिससे व्यापारियों को अनावश्यक देरी से बचाया जा सकता है।

सीमा शुल्क में मिले छूट

सीमा शुल्क व टैक्स में राहत मिले तो कुछ बात बने। व्यापारियों को बजट से राहत की उम्मीद है। आयुष्मान कार्ड की सुविधा पंजीकृत व्यापारी को भी मिलनी चाहिए। साथ ही जीएसटी की खामियों को भी दूर करना चाहिए। जिससे व्यापारियों को कुछ राहत मिल सके।

दीपू, मोबाइल विक्रेता

आयात के साथ निर्यात पर मिले छूट

सरकार को स्वदेशी माल पर बढ़ावा देने के लिए निर्यात पर छूट देने पर विचार करना चाहिए। इससे व्यापार को अधिक बढ़ावा मिलेगा। आयात के साथ ही निर्यात पर भी छूट दी जाए। इस बार पेश किए जाने वाले केंद्र सरकार के बजट से व्यापारियों को काफी उम्मीदें हैं।

हनी, मेडिकल संचालक

घटे उच्च सीमा शुल्क

वर्तमान में कई वस्तुओं पर उच्च सीमा शुल्क लगा हुआ है। जिसके कारण उनकी लागत बढ़ जा रही है। जिसका सीधा असर फुटकर कीमतों पर पड़ रहा है। यदि सरकार थोक विक्रेताओं को कुछ विशेष रियायत देती है तो इसका लाभ अंतिम उपभोक्ता तक पहुंचेगा।

श्याम गुप्ता, किराना स्टोर संचालक

कीट की चपेट में आ सकती है आलू, मटर और सरसों फसल

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- कृषि विभाग ने किसानों के लिए जारी की एडवाइजरी

अमृत विचार: दो दिन पूर्व जिले में बारिश हुई थी। बारिश के बाद कृषि विभाग की ओर से आलू, मटर और सरसों की फसल पर कीट आने की संभावना व्यक्त करते हुए एडवाइजरी जारी की गई है।

जिला कृषि रक्षा अधिकारी मनोज रावत ने बताया कि अभी तीन दिनों तक बारिश हुई थी। अब तेज हवाएं चलने की संभावना है। ऐसे में उन्होंने किसानों को सलाह देते हुए फसलों की नियमित निगरानी करने को कहा है। बताया कि जनपद में हो रही बूंदा-बांदी से दलहनी व गेहूं की फसल को काफी लाभ मिला है। लेकिन आलू की फसल में नमी बन गई है। बताया कि आलू की फसल में जहां अधिक नमी है और तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से 25 डिग्री सेल्सियस तक बना हुआ है। वहां पर पछेती-झुलसा रोग आने की सम्भावना हो सकती है। जिसके नियंत्रण के लिये मैंनकोजेव 75 प्रतिशत का 2.5 ग्राम/ली0 के हिसाव से घोल बनाकर छिड़काव करें या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 50 प्रतिशत 2.5 किग्रा0 प्रति है0 की दर से छिडकाव करें। मटर की फसल पर अधिक नमी की वजह से सफेद फफूंदी (पाउडरी मिल्डीयू) रोग लगने की सम्भावना है। इस रोग के नियत्रंण के लिये सल्फर 80 प्रतिशत की 03 किग्रा0/हैक्टेयर के हिसाव से छिड़काव करें।

नगला डल्लू में सिद्ध बाबा मंदिर पर अखंड रामायण शुरू

बिल्सी, अमृत विचार : तहसील क्षेत्र के ग्राम नगला डल्लू स्थित श्री सिद्ध बाबा महाराज मंदिर परिसर में बृहस्पतिवार से अखंड रामायण पाठ का आयोजन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ शुरू हो गया। यह धार्मिक आयोजन शुक्रवार दोपहर तक चलेगा।

- आज होगा पाठ का समापन, पूजन के बाद होगा भंडारा

मंदिर परिसर को भव्य रूप से सजाया गया है और पूरे वातावरण में राम नाम की गूंज बनी हुई है। आयोजन में आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। आयोजकों के अनुसार अखंड रामायण पाठ के समापन के बाद शुक्रवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण की व्यवस्था रहेगी।

डीएम ने निरीक्षण कर परखीं एसआईआर की प्रगति

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: जिलाधिकारी अवनीश राय ने गुरुवार को विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत नगर पंचायत उसैहत, ब्लॉक उसावां आदि का निरीक्षण किया। मतदाताओं के द्वारा प्रस्तुत किए गए दावे और आपत्तियों का अवलोकन किया। अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने निर्वाचन कार्य से जुड़े अधिकारियों व कर्मचारियों से कहा कि यह सुनिश्चित करें कि सभी पात्र व्यक्तियों का मतदाता पहचान पत्र बने। निर्वाचक नामावली से जुड़े समस्त कार्यों को पूरी निष्पक्षता, सुचितापूर्ण व पारदर्शी ढंग से संपन्न कराए। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत आगामी 31 जनवरी को विशेष अभियान दिवस आयोजित होगा। निरीक्षण के दौरान डीएम ने प्रारूप 6, 7, 8 व अन्य प्रारूपों की स्थिति को जाना तथा संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश व मार्गदर्शन दिया। निर्वाचक नामावली का प्रारूप प्रकाशन दिनांक 06 जनवरी 2026 को किया जा चुका है तथा दावे एवं आपत्तियां दर्ज कराने की अवधि 06 जनवरी से 06 फरवरी 2026 तक निर्धारित की गई है। नामावलियों से संबंधित सुनवाई, सत्यापन एवं निर्णय की प्रक्रिया 27 फरवरी 2026 तक पूर्ण की जाएगी, जबकि अंतिम निर्वाचक नामावली का प्रकाशन 06 मार्च 2026 को किया जाएगा।

पत्रावली का अवलोकन करते डीएम अवनीश कुमार राय ● अमृत विचार

- नगर पंचायत और ब्लॉक कार्यालयों का डीएम ने किया निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा निर्देश

31 जनवरी को चलेगा एसआईआर का विशेष अभियान

बदायूं, अमृत विचार : जिलाधिकारी ने बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी उप्र के द्वारा निर्देश पर जिले में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के अन्तर्गत विशेष अभियान निर्धारत तिथियों में चलाया जा रहा है। 01 फरवरी 2026 (रविवार) को संत रविदास जयंती होने कारण विशेष अभियान दिवस आयोजित नहीं किया जायेगा। यह अभियान 31 जनवरी 2026 (शनिवार) को आयोजित आयोजित किया जाएगा।

नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की...

संवाददाता, ओरछी

अमृत विचार: थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र के निकटवर्ती गांव सिसरका में शिव मंदिर श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। चौथे दिन बृहस्पतिवार को कथा व्यास आचार्य महेंद्र पाठक ने भगवान श्री कृष्ण के जन्म का प्रसंग सुनाया। प्रसंग सुनते ही पूरा पंडाल नंद के आनंद भयो और राधे-राधे के जयकारों से गूंज उठा। इस दौरान भगवान के अवतार पर पुष्प वर्षा की गई।

कथा वाचक समुद्र मंथन की व्याख्या की। कहा कि जब सृष्टि की रक्षा के लिए विष निकला, तो भगवान भोलेनाथ ने उसे अपने कंठ में धारण कर लिया, जिससे वे नीलकंठ महादेव कहलाए। कच्छप अवतार की महिमा बताते हुए कहा कि भगवान नारायण ने कछुए का रूप धरकर मंदराचल पर्वत को अपनी पीठ पर संभाला, जिससे देवताओं को अमृत की प्राप्ति हुई।

कथा वाचक द्वारा माता लक्ष्मी के प्राकट्य और भगवान नारायण के वरण की कथा ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। इससे पूर्व उप आचार्य बलराम शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन संपन्न कराया। साथ ही युवाओं को विद्यार्थी जीवन के महत्व के बारे में समझाया। कहा कि संयम और अनुशासन ही छात्र जीवन की असली पूंजी है।

इस मौके पर चंद्रप्रकाश उर्फ चीकू मिश्रा, सुमित सिंह, भुवनेश मिश्रा, नितिन सिंह, अतवीर सिंह, सुरेश सिंह, नत्थू सिंह सहित तमाम ग्रामीण उपस्थित रहे।

श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण करते ग्रामीण ● अमृत विचार

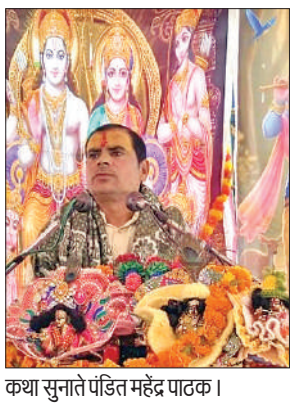

कथा सुनाते पंडित महेंद्र पाठक।

- श्रीमद् भागवत कथा में कृष्ण जन्मोत्सव पर झूमे श्रद्धालु

बदायूं डायरी

ईवीएम व वीवीपैट वेयर हाउस का किया बाह्य निरीक्षण

बदायूं, अमृत विचार : जिला निर्वाचन अधिकारी अवनीश राय ने मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों व अधिकारियों के साथ ईवीएम व वीवीपैट वेयरहाउस का बाह्य निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने अन्य अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट स्थित ईवीएम व वीवीपैट वेयरहाउस के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सुरक्षा व्यवस्था को चेक किया। लगाए गए सीसीटीवी कैमरों से की जा रही मॉनिटरिंग को चेक किया तथा आगंतुक रजिस्टर पर हस्ताक्षर भी किए। जिलाधिकारी ने बताया कि ईवीएम व वीवीपैट वेयरहाउस में 24 घंटे सुरक्षा बल की तैनाती रहती है तथा मशीनें पूर्ण रूप से सुरक्षित हैं। चेकिंग के दौरान मान्यता प्राप्त प्रतिनिधियों ने की गई व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। इस अवसर पर मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि व अधिकारी मौजूद रहे।

धरना प्रदर्शन कर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

बदायूं, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश आंगनबाड़ी श्रमिक संघ एटक के देशव्यापी आंदोलन के तहत गुरुवार को मालवीय आवास गृह पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर सदर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां मालवीय आवास गृह पर एकत्र हुईं। जिला अध्यक्ष मिथिलेश कुमारी ने कहा नारी शक्ति का नारा देने वाली सरकार आंगनबाड़ी बहनों को इतना काम देकर चंद पैसे दे रही है। आंगनबाड़ियों की मनोदशा पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को मात्र 6 हजार रुपये दिए जा रहे हैं। बहनों का महंगाई भत्ता नहीं सिर्फ कर्मचारी अधिकारी और माननीयों का बढ़ाया जाता है। पिछले 10 वर्षों से एक पैसा भी नही बढ़ाया गया है। आगामी बजट में आंगनबाड़ी बहनों का मानदेय 20 हजार रुपये करने की मांग की। इस मौके पर ममता भदोरिया, आदर्श लता भारती, प्रेमलता चौहान सरिता श्रीवास्तव, गायत्री सागर, विनोद कुमारी, संगीता देवी, कमला देवी रंजन यादव आदि रहीं।

छुट्टा पशु पकड़ने के लिए किसानों ने किया प्रदर्शन

सहसवान, अमृत विचार: तहसील क्षेत्र के गांव भीकमपुर टप्पा जमिनी के किसान बेसहारा गोवंश पशुओं से परेशान हैं। अपनी गेहूं की फसल बचाने के लिए दिन-रात खेतों की रखवाली कर रहे हैं। गुरुवार को छुट्टा पशुओं को पकड़ने की मांग करते हुए किसानों ने गेहूं की फसल में खड़े होकर प्रदर्शन किया।

किसानों का कहना था कि बढ़ती महंगाई के बीच बड़ी मुश्किल से खाद बीज जूटा कर गेहूं, आलू, सरसों, और अरहर आदि फसलें तैयार कर रहे हैं। लेकिन गांव के बाग बगीचों और खेतों में घूम रहे बेसरा पशु इन फसलों को चर कर भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। छुट्टा गोवंशों के लिए गोशाला की भी व्यवस्था नहीं है। किसान जुल्फिकार ने बताया कि सांड़ और गाय महीनों से गेहूं की फसल को नष्ट कर रहे हैं।

श्रीमद्भागवत कथा में आबिद रजा ने दिया 25 हजार का दान

गांव एहरवारा में पूर्व मंत्री आबिद रजा को पगड़ी पहनाकर स्वागत करते ग्रामीण।

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- कमेटी को दिए 11000 रुपये, सड़कें बनवाने का भी आश्वासन

अमृत विचार : विधानसभा शेखूपुर क्षेत्र के गांव एहरवारा में आयोजित की जा रही श्रीमद्भागवत कथा में पूर्व मंत्री आबिद रजा बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। पूर्व मंत्री का माल्यार्पण और पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। पूर्व मंत्री ने मंदिर के लिए 25 हजार रुपये दान स्वरूप दिए।

ग्रामीणों ने पूर्व मंत्री से कहा कि क्षेत्र की सड़कें टूटी हुई हैं। गांव में काले देव महाराज का मंदिर है। जिसकी विशेष मान्यता है। पूर्व मंत्री ने कहा कि वह सत्ता में आने पर क्षेत्र की सड़कें बनवाएंगे। कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन इंसानियत का पैगाम देते हैं। उन्होंने श्रीमद्भागवत कमेटी को 11000 रुपये की सहायता दी। इस दौरान मिस्टर सिंह यादव, धर्म देव यादव, रिंकू यादव, कालू यादव, सुधीर यादव, उदयपाल, हरीश यादव, गांव मुजाहिदपुर के प्रधान सुनील यादव, शशांक यादव, हर्षित यादव, सुधीर यादव, निशांत सिंह यादव, मुकेश यादव, रजत यादव, राजवीर यादव, प्रदीप यादव आदि मौजूद रहे।

भागवत कथा के समापन पर हुआ विशाल भंडारा

बिल्सी, अमृत विचार : तहसील क्षेत्र के ग्राम बांस बरौलिया में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा का बुधवार को विधिवत समापन हो गया। कथा के समापन के उपरांत गांव में मंदिर परिसर के समीप विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। कथावाचक संत जितेंद्रदास विश्वामित्र द्वारा 19 जनवरी से निरंतर कथा सुनाई जा रही थी। कथा समापन पर भंडारा किया गया। जिसमें आसपास के गांवों के लोगों ने भी पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान विशाल माहेश्वरी, डा.किशनपाल सिंह, वरुण शंखधार, पूरन सिंह, अर्जुन सिंह, वीरपाल सिंह, भानुप्रताप सिंह, विनोद मिश्रा, अनुरुद्ध प्रताप सिंह, मनुराज सिंह, अर्जुन कश्यप, मुनेंद्र सिंह, पप्पू प्रजापति, राजकुमार माहेश्वरी, अमरपाल पाली, गोविंद शर्मा, छोटू शर्मा, मनोज माहेश्वरी, सिंटू दीक्षित, अभिषेक भाटी, रामबाबू शर्मा आदि का योगदान रहा।

नदौलिया में कांग्रेस की चौपाल में एसआईआर की दी जानकारी

बदायूं, अमृत विचार : कांग्रेस नेताओं ने बदायूं विधानसभा के ग्राम नदौलिया में एसआईआर जागरूकता मनरेगा बचाओ अभियान के अंतर्गत चौपाल का आयोजन किया। पूर्व जिलाध्यक्ष ओमकार सिंह ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया से हर मतदाता असमंजस में है, कि फार्म भरने के बाद उसका नई सूची में शामिल हुआ है या नहीं, मतदाता 2003 की सूची को खोज रहे हैं ताकि नाम शामिल करा सके, सरकार ने चुनाव आयोग की मिलीभगत से जनता को परेशान किया है। जिला उपाध्यक्ष सुनीता सिंह ने कहा कि मोदी सरकार को ध्यान रखना चाहिए कि मनरेगा योजना में 12 करोड़ मजदूर पंजीकृत हैं उनके भरण पोषण को प्राथमिकता देनी चाहिए, जिला उपाध्यक्ष सुनीता सिंह ने ग्रामीण जनता से विरोध दर्ज कराने का आवाहन किया। गौरव राठौर ने कहा मोदी सरकार ने किसानों का शोषण किया है। कार्यक्रम में इब्ने अब्बास, महफूज अली, जाहिद अली, अरफत अहमद, मुकेश प्रजापति सुंदर कुमार, प्रेमपाल आदि मौजूद रहे।

आज होगा बड़ा प्रदर्शन, सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

बदायूं, अमृत विचार : प्रांतीय आवाहन पर 46 दिन से हड़ताल पर बैठी आशा कर्मियों ने साफ कहा कि सरकार उनके साथ भेदभाव कर रही है जिससे उनसे अभी तक बात नहीं की गयी है। गुरुवार को मालवीय आवास गृह पर हड़ताल पर बैठी आशा कर्मियों की जिलाध्यक्ष जौली वैश्य ने कहा कि सरकार ने 20 वर्षों में आशा कर्मियों की खून की एक एक बूंद निचोड़ ली है, अब वह लोग परेशान हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की संवेदनहीनता का यह जीता जागता उदाहरण है। प्रदर्शन 9 फरवरी को लखनऊ में प्रदर्शन किया जाएगा। जौली ने कहा कि अबकि राजधानी से खाली हाथ लौटने के लिए नहीं मांगे पूरी न होने तक डेरा डालकर बैठने की दृढ़ता के साथ जा रहे हैं। शुक्रवार को बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। इस मौके पर ममता, ऊषा, किरण, निर्मला, सीमा, सरिता, रेखा, नन्ही देवी, रामेश्वरी, भवानी, सुमन, नीलम, रेणु आदि ने धरने को संबोधित किया।

न्यूज ब्रीफ

प्लाट के विवाद में युवक के सिर पर किया वार

बिसौली, अमृत विचार : नगर बिसौली के मोहल्ला गदरपुर निवासी तफरीर पुत्र जमीर अहमद कार मैकेनिक हैं। उनका प्लाट को लेकर पड़ोसी से विवाद हो गया। पड़ोसी ने लोहे की रॉड से उनके सिर पर वार किया। तफरीर घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल ने तहरीर देकर बताया कि दो युवक उनसे पांच लाख रुपये मांगते हैं। प्लाट के निर्माण में अड़चन पैदा कर रहे हैं। प्लाट पर काम करने के दौरान उन पर हमला किया गया।

बगरैन में आज बंद रहेगी बिजली सप्लाई

बदायूं, अमृत विचार : विद्युत उपकेंद्र बगरैन पर शुक्रवार को मरम्मत कार्य किया जाएगा जिससे सुबह 10 से शाम पांच बजे तक बिजली सप्लाई बंद रहेगी। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि विद्युत उपकेंद्र पर अनुरक्षण कार्य किया जाना है जिससे बिजली सप्लाई बंद रहेगी। विभाग ने क्षेत्र के उपभोक्ताओं से अपील की है कि वह धैर्य बनाए रखें। शाम पांच बजे सप्लाई शुरू कर दी जाएगी।

शादी की वर्षगांठ के दिन युवक ने की खुदकुशी

पीलीभीत, अमृत विचार : शादी की वर्षगांठ के दिन एक युवक ने फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली। उसका शव कमरे में फंदे से लटका देख परिवार में कोहराम मच गया। बताते है कि मृतक दिन में पत्नी से हुए विवाद के बाद से ही सरप्राईज देने की बात कह रहा था। फिलहाल पुलिस शव पोस्टमार्टम को भेज जांच में जुट गई है। सुनगढ़ी क्षेत्र के नई बस्ती के रहने वाले 30 वर्षीय आवास गंगवार का शव गुरुवार शाम को कमरे में फंदे से लटका मिला। परिजन कमरे में पहुंचे और शव फंदे से लटका देख होश उड़ गए। शोर पर आसपास के लोग भी जमा हो गए। आनन फानन में फंदे से उतारकर निजी अस्पताल ले गए। वहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और जानकारी की। इधर, जानकारी करने पर पता चला है कि गुरुवार को ही आवास की शादी की वर्षगांठ थी। घर में इसे लेकर हर्ष का माहौल था। दिन में उसकी पत्नी प्रीति से किसी बात पर अनबन हो गई थी।

नूरपुर पिनौनी में सड़क पर जलभराव, अधिकारी कर रहे नजरअंदाज

इस्लामनगर विकास क्षेत्र के इस कस्बानुमा गांव में आवाजाही अधिक होने से लोगों को हो रही परेशानी, बच्चे और महिलाएं अक्सर फिसलकर गिर रहे

संवाददाता, नूरपुर पिनौनी

अमृत विचार : विकास क्षेत्र इस्लामनगर के कस्बानुमा गांव नूरपुर पिनौनी के ग्रामीण विकास को लेकर अधिकारियों के नजरअंदाज करने की वजह से परेशान हैं। कई बार शिकायत के बाद भी उनकी समस्या का निस्तारण नहीं किया जा रहा है। गांव के मुख्य मार्ग पर जलभराव की वजह से ग्रामीणों के सामने दिक्कत है। बच्चे और महिलाएं अक्सर फिसलकर गिर जाते हैं।

गांव के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जाने वाले मुख्य मार्ग पर हर समय जलभराव रहता है। नालियों की व्यवस्था न होने की वजह से सड़क पर गंदा पानी भरा है। सुबह कम और दोपहर के बाद पानी बढ़ जाता है। स्वास्थ्य केंद्र जाने वाले मरीज, बुजुर्ग, बच्चे और महिलाओं को खासी दिक्कत होती है।

मरीजों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता है। ग्रामीणों ने कई बार गांव के प्रधान से लेकर ब्लॉक मुख्यालय जाकर शिकायत की लेकिन अधिकारियों ने नजरअंदाज किया। ग्रामीणों की मूलभूत समस्या की ओर किसी का ध्यान नहीं है। ग्रामीणों के अनुसार शिकायत करने पर अधिकारियों की कार्रवाई आश्वासन तक ही सीमित रहती है। लेकिन पानी के निकासी की व्यवस्था नहीं कराई गई है।

नूरपुर पिनौनी के मुख्य मार्ग पर भरा पानी। ● अमृत विचार

जनप्रतिनिधि भी आंखें बंद किए बैठे हैं

सांसद, विधायक, ब्लाक प्रमुख कोई भी नूरपुर पिनौनी की समस्या को सुनने वाला नहीं है। ग्रामीणों का कहना है कि चुनाव आते ही जनप्रतिनिधि अपना हित साधने आने लगते हैं। जनप्रतिनिधियों के पीछे घूमने वाले स्थानीय नेता भी चुप्पी साधे बैठे हुए हैं। लेकिन इस समस्या का कोई समाधान नहीं निकाल रहा है।

पानी की निकासी के लिए जमीन नहीं मिल पा रही है। जिसकी वजह से सड़क पर पानी भरा हुआ है। जल्द ही जलभराव की समस्या दूर कराई जाएगी।

– **मुनव्वर खां**, बीडीओ

बच्चे और महिलाएं दवा लेने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर जाते हैं। उन्हें गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता है। खासी परेशानी हो रही है।

– **उदय सिंह**

सड़क का गंदा पानी घर में घुस जाता है। जिससे बीमार होने का खतरा बना रहता है। घर से बाहर निकालो तो गंदे पानी से गुजरना पड़ता है।

– **संजय**

सड़क पर गंदा पानी भरने की वजह से गांव के लोगों को बहुत दिक्कत है। कई बार शिकायत के बाद भी निस्तारण नहीं कराया जा रहा है।

– **अवनेश शर्मा**

प्रधान से लेकर ब्लॉक मुख्यालय पर जाकर समस्या से अवगत कराया, आश्वासन तो दिया गया लेकिन समस्या दूर नहीं कराई गई।

– **सोमपाल**

कुंवरगांव में बदायूं-आंवला मार्ग पर जलभराव, पलट रहे ई-रिक्शा, गड्ढे नहीं भरवा रहा लोनिवि

कुंवरगांव, अमृत विचार : कस्बा कुंवरगांव में श्रीवास्तव मार्केट के सामने बदायूं-आंवला मार्ग जर्जर हालत में है। सड़क गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। सड़क तालाब सरीकी नजर आ रही है। जिससे आए दिन हादसे होते रहे हैं। ई-रिक्शा अक्सर पलट जाते हैं। बाइक सवार गिरकर घायल हो जाते हैं। स्कूल आने-जाने वाले छात्र-छात्राएं, व्यापारी, ग्रामीणों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ता है। बारिश के दिनों में स्थिति और ज्यादा बदतर हो जाती है। ग्रामीणों ने बताया कि यह साप्ताहिक बाजार का मुख्य मार्ग है। बाजार के दिन ज्यादा भीड़ रहती है। वाहन फंसने पर पीडब्ल्यूडी को सड़क की स्थिति के बारे में बताया गया तो विभाग ने गड्ढे भरवाकर समाधान करा दिया लेकिन अब स्थिति पुरानी जैसी हो गई है।

बदायूं-आंवला मार्ग पर श्रीवास्तव मार्केट के सामने जलभराव। ● अमृत विचार

यूजीसी एक्ट पर सुप्रीम कोर्ट की रोक का स्वागत

संवाददाता, बिसौली

अमृत विचार : शिक्षण संस्थानों में जातीय भेदभाव को रोकने के उद्देश्य से सुप्रीम कोर्ट के सख्त रुख को देखते हुए केंद्र सरकार ने यूजीसी को अपडेट किया था। किसी ने यूजीसी एक्ट को सही बताया तो किसी ने विरोध किया। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने अगले आदेश तक अंतरिम रोक लगाई तो अधिकांश लोगों ने इसका स्वागत किया। साथ ही यह भी कहा देश और समाज की बेहतरी के लिए सरकार से सुधार की सिफारिश करना अच्छी बात है। यूजीसी के नए नियमों को लेकर स्थानीय शिक्षाविदों और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से बात की गई तो उन्होंने अपनी-अपनी बात रखी। प्रस्तुत है बातचीत के प्रमुख अंश-

● **स्थानीय लोगों ने कहा सुप्रीम कोर्ट ने देश और समाज की बेहतरी के लिए सरकार से की है सुधार की सिफारिश**

यूजीसी के नए नियम पर सुप्रीम कोर्ट की रोक का स्वागत है। इस पर रोक ही नहीं बल्कि पूरी तरह से खारिज किया जाना चाहिए। जो भी नियम बने वह जाति से न जोड़कर सभी पर समान रूप से लागू हों। अपराधी किस्म के छात्र किसी भी जाति से हों उन पर कार्रवाई की व्यवस्था हो। शिकायत झूठी होने पर शिकायतकर्ता पर भी कार्रवाई हो।

– **अनूप शर्मा**, अध्यक्ष, बिसौली तहसील बार एसोसिएशन

जातिगत भेदभाव की दमयंती राज आनंद राजकीय पीजी कॉलेज में कोई घटना अब तक सामने नहीं आई है। सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी एक्ट में कुछ बेहतरी के लिए ही अंतरिम रोक लगाई होगी। आगे कोर्ट और सरकार को निर्णय लेना है।

– **डॉ. एमएम वार्ष्णेय**, प्रोफेसर, दमयंती राज आनंद राजकीय पीजी कॉलेज, बिसौली

यूजीसी के नए नियम समाज में तनावपूर्ण का माहौल बना रहे थे। कोर्ट का संज्ञान लेकर उसे रोकना बहुत उचित है। जातिगत नियमों को सर्व समाज से राय मशवरा करके ही लागू करना उचित होगा।

– **जयपाल सिंह**, बसपा मुख्य मंडल प्रभारी, बरेली

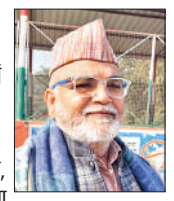

सरकार कोई नियम किसी के अहित के लिए नहीं बनाती। कभी कभी समझने समझाने का तारतम्य बिगड़ने से मुश्किलें आ जाती हैं। कोर्ट के इस कदम के बाद नए नियमों की हमें प्रतीक्षा करनी होगी। उम्मीद है कि जो आपत्तियां थीं वो दूर होंगी।

– **हरिओम पाराशरी**, भाजपा क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ब्राह्मण महासभा

सांड़ के हमले में मृत महिला के परिजनों को मुआवजा मांगा

बदायूं, अमृत विचार : विभिन्न समस्याओं को लेकर जनहित सत्याग्रह मोर्चा और क्रांतिकारी लोक अधिकार संगठन ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा गया। जिसमें सांड़ के हमले में मृत महिला के परिजनों को मुआवजा देने की मांग की गयी।

गुरुवार को मोर्चा पदाधिकारियों ने बैठक कर कहा कि जनपद में छुट्टा बेसहारा पशुओं और बंदरों का उत्पात बढ़ रहा है। जिससे आए दिन घटनाएं होती रहीं हैं। बंदर और पशु खेत में काम करने वाले किसान परिवारों पर हमला करते हैं। फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं। दातागंज के गांव गूरा बरेला में एक 60 वर्षीय विधवा महिला प्रेमा कश्यप 25 जनवरी को जंगल में लकड़ी बीनने गईं। जहां एक सांड़ ने हमला कर मार दिया।

भीम आर्मी व असपा ने यूजीसी के समर्थन में सौंपा ज्ञापन

आंबेडकर पार्क पर ज्ञापन देते कार्यकर्ता ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : डॉ. बाबा साहब भीमराव अंबेडकर पार्क में एक अभूतपूर्व दृश्य देखने को मिला, जब भीम आर्मी व आजाद समाज पार्टी के आह्वान पर कार्यकर्ताओं ने यूजीसी के समर्थन में एसडीएम को ज्ञापन सौपा। ज्ञापन लेने को एसडीएम सदर मोहित कुमार स्वयं आंबेडकर पार्क पहुंचे।

कार्यक्रम की शुरुआत भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं द्वारा बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर और जय भीम के नारों के साथ की। ज्ञापन में छात्रों का सशक्तिकरण, नई नीतियों के माध्यम से शोध के क्षेत्र में दलित और पिछड़ा वर्ग के छात्रों को मिलने वाले प्रोत्साहन का स्वागत। पारदर्शी व्यवस्था, शिक्षा प्रणाली में भ्रष्टाचार को खत्म कर पारदर्शिता लाने की बात की गयी है। इस दौरान जिला अध्यक्ष डॉ तोहिद अली, अर्जुन सिंह भगवती, रोकी सागर, सोनू सिद्दीकी, बीरू भारती, धीरपाल सागर उदय मौर्य आदि मौजूद रहे।

यूजीसी के विरोध में प्रदर्शन कर सौंपा पांच सूत्रीय ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : क्षत्रिय महासभा एवं महाराणा प्रताप विकास ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए यूजीसी के आपत्तिजनक प्रावधानों के विरुद्ध महाराणा प्रताप चौक पर नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। राष्ट्रपति प्रधानमंत्री के नाम पांच सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा गया।

ज्ञापन में यूजीसी की समीक्षा करने, सामान्य के स्थान पर सवर्ण शब्द का प्रयोग करने, ई डब्लू एस को अनुसूचित जाति की तरह आरक्षण का लाभ देते हुए पंचायतों, स्थानीय निकायों व सहकारी संस्थाओं में पद आरक्षित करने, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग के संसद सदस्य, राज्य विधान मण्डल सदस्य तथा प्रथम और द्वितीय श्रेणी के कार्मिकों के परिजनों को आरक्षण की परिधि से बाहर करने क्षत्रिय समाज के आर्थिक, सामाजिक व शैक्षिक उन्नयन को आयोग गठित करने की मांग की। महाराणा प्रताप विकास ट्रस्ट के अध्यक्ष हरि प्रताप सिंह राठौड़ एडवोकेट, डॉ सुशील कुमार सिंह, रवि प्रताप सिंह, विजय पाल सिंह भदौरिया, राकेश सिंह, विपिन कुमार सिंह एडवोकेट, जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष देवपाल सिंह एडवोकेट, पूर्व महासचिव अरविंद सिंह परमार एडवोकेट, जग मोहन सिंह आदि मौजूद रहे।

रिसौली में सरकार के खिलाफ नारेबाजी : बिल्सी यूजीसी के विरोध में सवर्ण समाज का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है. ग्राम पंचायत रिसौली मे ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया और सरकार से मांग की कि उक्त कानून वापस लिया जाए। दर्शन सोलंकी ने कहा कि यूजीसी कानून सवर्ण समाज के छात्रों के भविष्य को प्रभावित कर रहा है। पवन सिसोदिया, विपिन सिसोदिया, भानू चौहान, हिमांशु, अमन, चमन सिसोदिया, योगेश बजाज धर्मेंद्र माहेश्वरी, विक्की पंडित, माधव पंडित, दुष्यंत सोलंकी आदि मौजूद रहे।

अधिकारी को ज्ञापन देते क्षत्रिय महासभा के लोग। ● अमृत विचार

यूजीसी के विरोध में प्रदर्शन करते ग्रामीण ● अमृत विचार

उसावा में यूजीसी का विरोध, पैदल मार्च निकाल कर सौंपा ज्ञापन

उसावां, अमृत विचार : उसावां में यूजीसी कानून के विरोध में विभिन्न समाजों के लोगों ने धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन एसओ वीरपाल सिंह तोमर को सौंपा। गुरुवार को यूजीसी के विरोध में आयोजित धरना प्रदर्शन के दौरान, होली चौक से महात्मा गांधी इंटर कॉलेज तक एक पैदल मार्च भी निकाला गया। प्रदर्शनकारियों ने हाईवे पर बैठकर भी विरोध जताया। प्रदर्शन कारियों ने मांग की कि यूजीसी में बदलाव किया जाए या इसे पूरी तरह वापस लिया जाए। यह कानून कुछ वर्गों के लिए हानिकारक है और इसमें उन्हें कोई जगह नहीं मिल रही है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो वे भाजपा का बहिष्कार करेंगे। सोनू मिश्रा और प्रदीप चौहान ने कहा कि उनका विरोध किसी व्यक्ति विशेष से नहीं, बल्कि इस कानून से है। उन्होंने सरकार से कानून वापस लेने की मांग की और कहा कि यदि ऐसा नहीं हुआ तो भविष्य में और बड़े प्रदर्शन किए जाएंगे। प्रदर्शन में आनंद सिंह चौहान, अभय सिंह चौहान, सोनू पंडित, हिमांशु गुप्ता, शिवम गौड़, आशीष सिंह, अतुल बजरंगी, विनोद कुमार गुप्ता, पवन कुमार गुप्ता, ध्रुव सिंह चौहान सहित नगर के कई व्यक्ति उपस्थित रहे।

थानाध्यक्ष को ज्ञापन देते लोग।

राजकीय महाविद्यालय में किया छात्रवृत्ति का वितरण

बदायूं, अमृत विचार: राजकीय महाविद्यालय में छात्रवृत्ति समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें सत्र 2025-26 के छात्र-छात्राओं को उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रथम चरण में प्रदान की गई छात्रवृत्ति के प्रमाण पत्रों का वितरण जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी प्रणव पाठक द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में लखनऊ से मुख्यमंत्री द्वारा छात्रवृत्ति वितरण समारोह का सजीव प्रसारण दिखाया गया। इस दौरान जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी प्रणव पाठक ने कहा कि प्रथम चरण में चयनित छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान करने के बाद शीघ्र ही द्वितीय चरण शुरू किया जाएगा। कार्यक्रम में कॉलेज प्राचार्य डॉ. श्रद्धा गुप्ता, डॉ. राकेश कुमार जायसवाल, डॉ. सतीश सिंह यादव आदि उपस्थित रहे।

छात्रवृत्ति प्रमाण पत्र दिखाते विद्यार्थी ● अमृत विचार

इमाम पर मस्जिद में भड़काऊ बयान देने का लगाया आरोप

विजय नगला, अमृत विचार : एक मस्जिद के इमाम गांव में भड़काऊ बयान दे रहे हैं। जिससे गांव का माहौल बिगड़ रहा है। यह आरोप लगाते हुए मुस्लिम समाज के लोगों ने इमाम के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

थाना बिनावर क्षेत्र के गांव किशोरपुर निवासी इस्लाम खां पुत्र सादीखा लगभग आधा दर्जन लोगों के साथ बुधवार रात थाने पहुंचे। उन्होंने गांव की मस्जिद के इमाम पर आरोप लगाया कि इमाम मस्जिद में हिंदू विरोधी बातें बताते हैं और हिंदुओं के खिलाफ भड़काते हैं। जबकि गांव में हिंदू मुस्लिम साथ-साथ रहते हैं। कभी किसी प्रकार का झगड़ा नहीं हुआ। लेकिन इमाम हिंदू मुस्लिम विरोधी भाषणबाजी कर हैं। इमाम से इस तरह की बातें न करने और नियम के अनुसार नमाज अदा कराने को कहा लेकिन इमाम नहीं मान रहे।

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र तौकीर रजा को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उसे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **तबस्सुम पुत्र नसीर अहमद निवासी मो. नम्बर 4 कस्बा व थाना बिल्सी, तह. बिल्सी, जिला बदायूं (उ.प्र.)**

सूचना

मैंने अपना नाम AJAZ AHMAD से बदलकर EJAJ AHAMAD रख लिया है भविष्य में मुझे EJAJ AHAMAD (एजाज अहमद) पुत्र ABDUL QADEER (अब्दुल कदीर) ग्राम टांडा सादात पोस्ट सेंथल नवाबगंज बरेली के नाम से जाना व पहचाना जाये।

सूचना

मैंने अपने पुत्र अवधपाल एवं उसकी पत्नी आरती से गलत आचरण के चलते संबंध विच्छेद कर अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके कृत्यों के वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। **जयपाल सिंह यादव पुत्र सुराज सिंह नि ग्राम खेमूनगला तहसील व थाना फरीदपुर, बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

समस्या | पार्किंग के बाद भी बेतरतीब खड़े हो रहे वाहन, मुख्य गेट पर जाम की समस्या से जूझ रहे मरीज

जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं में नहीं हुआ सुधार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : जिला अस्पताल में बाहर से लेकर अंदर तक अव्यवस्थाएं हावी हैं।तमाम प्रयास के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। मुख्य गेट पर जाम और अंदर बेतरतीब खड़े वाहन मरीजों और तीमारदारों को मुसीबत का कारण बन रहे हैं।

जिला अस्पताल में काफी समय से भारी अव्यवस्था बनी हुई है। अस्पताल प्रशासन द्वारा जिला अस्पताल के अंदर वाहनों को पार्क में खड़े करने की व्यवस्था है। पार्किंग का ठेका हुआ है। आधा दर्जन कर्मचारी वाहनों को पार्किंग में खड़े कराते हैं। लेकिन इसके बाद भी पार्किंग से अधिक वाहन अस्पताल परिसर में बेतरतीब खड़े रहते हैं। इन पर कोई रोक नहीं है।। जिला अस्पताल में दो दर्जन सुरक्षा गार्ड हैं उनकी जिम्मेदारी व्यवस्था बनाने की है। लेकिन सुरक्षा गार्ड इस अव्यवस्था को नहीं देखते हैं जिससे बेतरतीब खड़े वाहनों की वजह से अन्दर बाहर आने जाने वाली एंबुलेंस को भी दिक्कत होती है। स्थिति यह कि ओपीडी के बाहर, पैथोलॉजी लैब के बाहर, सीएमएस कार्यालय के बाहर बाइक और बड़ी गाड़ियां खड़ी कर दी जाती हैं। जिससे लोगों को परेशानी होती है।

जिला अस्पताल के मुख्य गेट पर ऑटो और ई रिक्शा हर समय ख़ड़े रहते हैं जिससे अस्पताल आने जाने वालों को परेशानी होती है। मुख्य गेट पर सुरक्षा को लेकर कोई प्रबंध नहीं किया गया है। कुछ समय पहले तक मुख्य गेट पर दो होमगार्ड लगाए गए थे। उन्हे बाद में हटा दिया गया जिसके बाद से स्थिति और बदतर हो गयी है। जाम के चलते पैदल आने जाने वालों को भी जगह नहीं मिल पाती है। बड़े वाहन भी जाम में फंसे रहते हैं। व्यवस्था सुधार के तमाम दावे झूठे साबित हो रहे हैं। जिस तरह अव्यवस्था पूर्व में रहती थी उसी तरह आज भी देखने को मिल रही है।

अस्पताल के मुख्य गेट पर खड़े वाहन ● अमृत विचार

जिला अस्पताल के अंदर पार्किंग की व्यवस्था है फिर भी कुछ लोग अपने वाहन इधर उधर खड़े कर देते हैं। सुरक्षा गार्डों ने कई बार हिदायत भी दी, मगर कोई सुनने को तैयार ही नही है। मुख्य गेट पर कोई सुरक्षा गार्ड नहीं रहता है इसलिए ऑटो ई रिक्शा वहां पर खड़े रहते हैं। उन्हें अब हटा दिया जाएगा।

अमित कुमार वार्ष्णेय, सीएमएस

एनएसएस के सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन

शिक्षकों की उपस्थित में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे

बिसौली: अमृत विचार: शरह बरौलिया में संचालित सिद्ध बाबा इंटर कालेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा सात दिवसीय शिविर ग्राम शरह बघौली में चल रहा था। गुरुवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ शिविर समाप्त हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिल्सी के प्राचार्य डॉ पंकज सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। एनएसएस की अंशिका गोस्वामी व सौम्या सक्सेना एवं वैष्णवी गुप्ता ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत का प्रस्तुत किया। छात्रा निगम खान, वैष्णवी ने राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के अपने अनुभव छात्र-छात्राओं एवं मुख्य अतिथि के साथ साझा किए। इसके बाद एनएसएस के छात्राओं द्वारा दहेज एक कुप्रथा पर एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया।

करंट लगने से युवक झुलसा : अमरिया, अमृत विचार : टिनशेड डालते वक्त एक युवक हाइटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। गंभीर हालत में अस्पताल भर्ती कराया है। कस्बे में गुरुवार शाम ग्राम अंडरायन निवासी इमरान दुकान के आगे टिनशेड डाल रहा था। ऊपर से गुजर रही हाइटेंशन लाइन की चपेट में आ गया।

आवश्यकता है
अनुभवी व्यक्तियों की
● आयुष्मान मित्र
● पी.आर.ओ. (पब्लिक रिलेशन ऑफिसर)
● कंप्यूटर ऑपरेटर
● सिक्यूरिटी गार्ड
● कुक (रसोइया)/कुक हेल्पर
वेतन योग्यतानुसार
सम्पर्क करें
एच.आर. ऑफिस एडमिन ब्लाक
वरूण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड अस्पताल
एन.एच.-30 बन्थरा, शाहजहाँपुर
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 04 बजे तक
मो. 7521001986

न्यूज ब्रीफ

परीक्षा केंद्रों की होगी लाइव मॉनिटरिंग

बरेली, अमृत विचार : परीक्षा केंद्रों और कंट्रोल रूम की लाइव मॉनिटरिंग की जाएगी। वहीं सीसीटीवी रिकॉर्डिंग को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के निर्देश भी दिए गए हैं। परीक्षा केंद्रों में मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और पाठ्य सामग्री ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। प्रत्येक परीक्षा कक्ष में दो कक्ष निरीक्षकों की तैनाती अनिवार्य होगी। हर जनपद में कंट्रोल रूम स्थापित कर ऑनलाइन निगरानी की जाएगी। नकल या अनियमितता की शिकायत टोल-फ्री नंबर 18001805310 और 18001805312 पर दर्ज कराई जा सकेगी।

प्रश्न पत्रों की सीसीटीवी से 24 घंटे होगी निगरानी

बरेली, अमृत विचार : यूपी बोर्ड हाईस्कूल और इंटर की परीक्षाएं 18 फरवरी से 12 मार्च तक होंगी। नकलविहीन परीक्षा कराने के लिए हर परीक्षा केंद्र पर स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती होगी। संवेदनशील और अतिसंवेदनशील केंद्रों पर विशेष नजर रखी जाएगी। जरूरत पड़ने पर एसटीएफ की मदद ली जाएगी। प्रश्नपत्र स्ट्रांग रूम, डबल लॉक अलमारी में रखे जाएंगे। सीसीटीवी कैमरों की जरिये 24 घंटे निगरानी रखी जाएगी। सशस्त्र पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। इस संबंध में मुख्य सचिव एसपी गोयल ने सभी मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और पुलिस अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। कड़ी सुरक्षा में केंद्रों पर परीक्षा होगी। निर्देशों में कहा गया है कि परीक्षाओं की शुचिता, गोपनीयता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आशंका जताई है कि परीक्षा के दौरान कुछ परीक्षार्थी और उनके समर्थक अनुचित साधनों का प्रयोग, केंद्रों पर हंगामा, धमकी या हिंसा जैसी घटनाएं कर सकते हैं।

कुत्तों ने 20 से अधिक लोगों को किया घायल

आवारा कुत्तों से दहशत, एक ही दिन में दो बच्चों सहित कई लोगों को काटा, घायलों ने लगवाए एआरबी

कार्यालय संवाददाता,संभल

अमृत विचार: संभल शहर में आवारा कुत्ते लोगों की जान के दुश्मन बनते जा रहे हैं। गुरुवार को आवारा कुत्तों ने दो मासूम बच्चों सहित 20 से अधिक लोगों को घायल कर दिया। एक वीडियो में कुत्ते को चीते की तरह झपट्टा मारते हुए देखा जा सकता है।

- 15 दिन पहले कुत्तों ने एक बच्चे की जान ले ली थी

आवारा कुत्तों के हमलों की सबसे ज्यादा और गंभीर घटनाएं हिलाली सराय इलाके से सामने आई हैं। जहां आवारा कुत्तों ने एक ही दिन में कदीर, 12 वर्षीय कैफ, गुफरान, हसन और अन्ना को गंभीर रूप से घायल कर दिया। हिलाली सराय में कुत्तों के हमले के दो सीसीटीवी वीडियो वायरल हुए हैं। वीडियो में साफ दिखाई देता है कि एक कुत्ता सड़क से गुजर रहे व्यक्ति पर अचानक हमला करता है, पहले उसके पैर और टांग में जबड़ा गड़ा देता है और फिर उछलकर सीने पर मुंह से वार करता है। दूसरे वीडियो में 12 साल का कैफ कुत्ते के हमले के बाद जान बचाकर भागने की कोशिश करता नजर आ रहा है, लेकिन कुत्ते ने उसके हाथों को बुरी तरह जख्मी कर दिया।

हिलाली सराय में बच्चे पर हमला करता कुत्ता व सहमे लोग। ● अमृत विचार

हिलाली सराय में कुत्तों का झुंड।

सपाइयों ने सौंपा ज्ञापन, सिटी मजिस्ट्रेट ने पालिका को दिये निर्देश

संभल, अमृत विचार : कुत्तों के हमले को लेकर सवा जिला सचिव सईद अख्तर इसराइली के नेतृत्व में कार्यकर्ता व हिलाली सराय के लोगों ने सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन मेंकहा कि हिलाली सराय के अलावा डूंगर सराय, पंजू सराय, नई सराय और नखासा जैसे कई मोहल्लों में भी कुत्तों के हमले की घटनाएं सामने आई हैं। आवारा कुत्तों को जल्द से जल्द पकड़वाया जाए। सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार ने बताया कि पालिका को तत्काल कदम उठाने के लिए कहा गया है। अधिशासी अधिकारी ने बताया है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुपालन में काम शुरु किया जा रहा है। सिटी मजिस्ट्रेट ने कहा जिन जगहों पर कुत्तों के हमले की घटनाएं हुई हैं वहां पकड़वाने के निर्देश दिये।

सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपते सपा कार्यकर्ता।

सड़क हादसे में बदायूं के युवक की मौत, पांच घायल

- संभल-बदायूं बॉर्डर पर ट्रैक्टर-ट्राली ने ऑटो को मारी टक्कर

कार्यालय संवाददाता, संभल

अमृत विचार: बहजोई-इस्लामनगर मार्ग पर जनपद की सीमा पर गुरुवार दोपहर तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्राली ने ऑटो को टक्कर मार दी। दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि एक महिला सहित पांच लोग घायल हो गए।

गुरुवार दोपहर इस्लामनगर से सवारियां लादकर आटो बहजोई की तरफ आ रहा था। दोपहर 12:30 बजे आटो बदायूं जनपद की सीमा पर गांव पीपली के पास पहुंचा तो तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्राली ने ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद ऑटो में सवार लोग बुरी तरह घायल हो गये। राहगीरों ने अंदर फंसे लोगों को बाहर निकाला। इस दौरान ऑटो में सवार लाल (37) पुत्र निवासी सिद्धपुर की मढैया, थाना बिसौली, जनपद बदायूं की मौके पर ही मौत हो गई। इसके अलावा महिला हीराकली पत्नी रामौतार, निवासी गांव गदरौली बदायूं समेत पांच लोग बुरी तरह घायल हो गए। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहजोई पहुंचाया गया।

प्राथमिक उपचार के बाद चार घायलों को घर भेज दिया गया, जबकि हीराकली को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। थाना प्रभारी बहजोई संत कुमार ने बताया कि दुर्घटना जहां पर हुई वह जगह थाना इस्लामनगर बदायूं में आती है। आगे की कार्रवाई इस्लामनगर थाने द्वारा की जा रही है।

उझानी पुलिस पर भरोसा नहीं, सीओ सिटी से जांच की मांग

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : उझानी क्षेत्र के गांव कुड़ा नरसिंहपुर स्थित मेंथा फैक्ट्री के केबिन में दम घुटने से तीन सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई थी। मृतकों के परिजन की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की गई थी। डीएम स्तर से मामले की जांच कराई जा रही है। वहीं पुलिस की अलग से जांच कर रही है। गुरुवार को मृतकों के परिजनों ने उझानी पुलिस पर आरोप लगाए। कहा कि उन्हें उझानी पुलिस पर भरोसा नहीं है। सीओ सिटी रजनीश कुमार उपाध्याय से जांच कराने की मांग की है।

गांव कुड़ा नरसिंहपुर स्थित भारत मिंट एंड एलाइड केमिकल्स मेंथा फैक्ट्री के केबिन में 12 जनवरी की सुबह बिल्सी क्षेत्र के गांव बसावनपुर निवासी जोगेंद्र पुत्र राम बहादुर, गांव पसेई निवासी विवेक पुत्र रजिस्टर और दातागंज क्षेत्र के गांव मुरसेना निवासी भानु पुत्र श्रीपाल मृत मिले थे। सूचना पर परिजन पहुंचे। फैक्ट्री प्रबंधन पर हत्या करने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम कराया था। पुलिस के अनुसार तीनों की मौत दम घुटने से हुई थी। पुलिस ने अंगीठी के धुएं से दम घुटने से बताई कही थी। डीएम अवनीश राय ने पूरे मामले की मजिस्ट्रियल जांच का आदेश दिया था। जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस भी अलग से जांच कर रही है। परिजन गुरुवार को एसएसपी कार्यालय पहुंचे। कहा कि रिपोर्ट दर्ज करके पुलिस मामला शांत करने का प्रयास कर रही है। उझानी पुलिस ने अभी तक उनके बयान नहीं लिए हैं जबकि फैक्ट्री संचालन से जुड़े गई साक्ष्य उनके पास मौजूद हैं। उझानी पुलिस साक्ष्यों की उन ऑडियो और वीडियो को जांच में शामिल नहीं कर रही है। पुलिस जानबूझकर जांच में ढिलाई बरत रही है। जिससे फैक्ट्री संचालकों को राहत मिल जाए। उन्होंने भाजपा नेता के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया। परिजनों ने कहा कि सीओ सिटी की ईमानदारी की चर्चा है। वह इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर सकते हैं।

लिपिक से छेड़छाड़, विरोध पर फाड़े कपड़े

- शिकायत के बाद भी पुलिस ने हमलावरों के खिलाफ नहीं की कार्रवाई
- कोर्ट के आदेश पर सीबीगंज पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर शुरू की जांच

कार्यालय संवाददाता, सीबीगंज

अमृत विचार : खुसरो मेमोरियल डिग्री कॉलेज का गेट तोड़कर घुसे शस्त्रों से लैस 20-25 लोगों ने कालेज की महिला लिपिक को कमरे में बुरी नीयत से बंद कर उसके साथ छेड़छाड़ की। विरोध करने पर उसके कपड़े फाड़ दिए और मारपीट की। बचाव करने की कोशिश करने पर कॉलेज के छः अन्य कर्मचारियों के साथ भी मारपीट की। कोर्ट के आदेश पर सीबीगंज पुलिस ने ग्यारह नामजद व एक अज्ञात के विरुद्ध छेड़छाड़, मारपीट और जानलेवा हमला करने की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

खुसरो मेमोरियल डिग्री कॉलेज की महिला लिपिक के मुताबिक गत वर्ष 13 अगस्त को अवैध तमंचे व धारदार हथियारों से लैस होकर 20-25 लोग कॉलेज का गेट तोड़कर अंदर घुस आए और उसे बुरी नीयत से कमरे में बंद कर लिया। हमलावरों ने उसके साथ गलत काम करने की कोशिश कर छेड़छाड़ की और विरोध करने पर कपड़े फाड़ दिए।

बीचबचाव करने की कोशिश करने पर कॉलेज के ही फातिमा रमा, आशिफ फरियाद, शाहिद, साहिबा, अरविंद गुप्ता के साथ मारपीट की जिससे वह भी घायल हो गए। सूचना डायल 112 मौके पर पहुंची पुलिस का हूटर बजता सुन सभी हमला भाग गए।

पीड़िता इसकी शिकायत थाने से लेकर पुलिस के उच्चाधिकारियों से की। गत वर्ष 12 दिसंबर को शिकायती प्रार्थना पत्र एसएसपी को डाक से भेजा मगर फिर भी रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई। इसके बाद वह कोर्ट की शरण में चली गई। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने मुख्तयार अहमद पुत्र नियाज अहमद निवासी गनु नगला देवरनियां, मुजम्मिल पुत्र जाकिर अली निवासी रजपुरा माफी इज्जतनगर, जफर हुसैन पुत्र अजीम अहमद निवासी मस्जिद वाली गली सराय कटरा शाहजहांपुर, निक्की पुत्र मुख्तयार निवासी अटाकायस्थान सीबीगंज, संजीव पुत्र ओंकार निवासी सीबीगंज, मुकीम अहमद निवासी गुगई मीरगंज, केशव पुत्र जगपाल सिंह निवासी ब्योधा शेरगढ़, महेश पुत्र नत्थू सिंह निवासी परचई शाही, अरुण राठी पुत्र जय शंकर निवासी नवाबगंज, तेज पाल पुत्र ब्रह्मस्वरूप निवासी पैगा मीरगंज, अजय सिंह पुत्र रूपेंद्र सिंह निवासी नौगवां फतेहंज पश्चिमी और एक अज्ञात के विरुद्ध मुकद्मा दर्ज किया है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ-पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 442/76सी0(ए0)(ई-टेण्डर)-08/2025-26 दिनांक: 19.01.2026

ई0-निविदा आमंत्रण सूचना

1. महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बदायूँ-पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, पीलीभीत के कार्यक्षेत्र में निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार आइटम दरों पर (Item Rate Bids) ई-निविदा दिनांक 03.02.2026 से दिनांक 19.02.2026 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदादाता बिड से संबंधित अभिलेख जैसे कि कान्ट्रेक्ट डाटा, प्रपत्र, शर्तें, विशिष्टियाँ, बिल ऑफ क्वांन्टिटी आदि एवं बिड की संशोधित/परिशिष्ट शर्तें इत्यादि का भली-भाँति परीक्षण कर लें। निविदा दिनांक .19 02 2026 को अपरान्ह 12 30 बजे खोली जायेगी।

कार्य का नाम	लागत (लाख रू0 में)			विड सिक्यूरिटी (रू0 लाख में)	बिड डाक्यूमेन्ट का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने का समय
	अनुमानित निर्माण लागत	05 वर्षीय अनुरक्षण की लागत	कुल अनुमानित लागत			
1	2	3	4	5	6	7
वित्तीय वर्ष 2025-26 जनपद पीलीभीत में रा0स0नि0 के अंतर्गत परेवा वैष्य से ड्यूनीडाम मार्ग (चैनेज 9.380 से 19.080) एवं मझोला रोड से ड्यूनीडाम मार्ग (चैनेज 8.100 से 9.00) (अ0जि0मा0) का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य।	1392.00	33.50	1425.50	28.60	2714.00	12 माह

2. निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग इन किया जा सकता है।

(राजेश चौधरी)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, पीलीभीत

(के0 के0 सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ-पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0, बरेली

UP - 244784 दिनांक: 28/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

पैसों के लालच में ट्रक हेल्पर बना अफीम तस्कर, गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : हाईस्कूल पास ट्रक का हेल्पर पैसों के लालच में अफीम की तस्करी करने लगा। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर 696 ग्राम अफीम बरामद की है। पुलिस के अनुसार इसकी कीमत 17 लाख रुपये है। पुलिस ने अफीम तस्कर को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया।

बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडे ने बताया कि बुधवार की रात पुलिस टीम डोहरा चौराहे पर चेकिंग करते हुए पहुंची। इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक युवक मादक पदार्थ की तस्करी करने के लिए आया है। पुलिस ने युवक को सम्राट अशोक नगर वाले रास्ते पर रोका तो वह घबरा गया। पुलिस ने पकड़ने का प्रयास किया तो दौड़ने लगा। पुलिसकर्मियों ने उसकी घेराबंदी करके पकड़ लिया। तलाशी लेने पर आरोपी के पास से 17 लाख रुपये की कीमत की 696 ग्राम अफीम बरामद हुई।

पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम नेमसिंह निवासी गांव भीमपुर कठौती थाना सिरौली बताया। आरोपी ने बताया कि वह हाईस्कूल पास है। ट्रक पर हेल्परी करने के दौरान बिहार में ढाबे पर खाना खाते समय छपरा बिहार निवासी प्रदीप यादव से उसकी मुलाकात हुई थी। इसमें प्रदीप ने कहा था अफीम की तस्करी करो उसमें अच्छी कमाई होगी। वह बिहार से अफीम शहर में लेकर आया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके उसे जेल भेज दिया।

शादी का प्रस्ताव ठुकराने पर युवक दे रहा धमकी, पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

बरेली, अमृत विचार : शादी का प्रस्ताव ठुकराने पर युवती और उसके परिवार के लोगों से युवक रंजिश रखने लगा। वह फोन करके जान से मारने की धमकी दे रहा है। इसके बाद युवती की तहरीर पर बारादरी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है। बारादरी थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले की रहने वाली युवती ने बताया कि करीब पांच साल पहले वह अपनी मां और बहनों के साथ दिल्ली में रहती थी। परिवार के सभी लोग चप्पल बनाने की फैक्ट्री में काम करते थे। वहीं पर काम करने वाले शीशगढ़ निवासी रिजवान खान ने उससे शादी करने का प्रस्ताव रखा। इसके बाद वह रिश्ता लेकर घर पर आया, लेकिन परिजनों ने इनकार कर दिया। आरोप है कि इसी बात से रिजवान उनसे रंजिश रखने लगा। वह उनके साथ आए दिन गाली गलौज करता है। शादी नहीं करने पर जान से मारने की धमकी दे रहा है। युवती की तहरीर पर बारादरी पुलिस ने आरोपी रिजवान के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

कीचड़ से भरा सुजानपुर गांव जाने वाला मार्ग, ग्रामीण परेशान

बिसौली, अमृत विचार : ग्राम सुजानपुर को जाने वाला मार्ग अत्यंत जर्जर है। गहरे गड्ढे होने के कारण सड़क तालाब में तब्दील हो गई है। उस पर सड़क किनारे दोनों ओर नाली नहीं होने से घरों का पानी सड़क पर एकत्रित होता रहता है। विद्यालय आने वाले छात्र छात्राओं का निकलना दूभर है। रानेट और साहनपुर से आने वाले छात्र छात्राओं को अत्यंत परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सड़क खराब होने के कारण आसपास के गांव से आने वाले बच्चे विद्यालय नहीं आ रहे हैं।अभिभावकों का कहना है कि उनके बच्चे कई बार पानी में गिर चुके हैं जिससे वो चोटिल हो चुके हैं। केंद्रीय राज्य मंत्री बी एल वर्मा भी इस सम्बन्ध में लोक निर्माण विभाग को पत्र लिख चुके हैं लेकिन कोई कार्रवाई धरातल पर नहीं दिखी है।

होलिका दहन स्थल विवाद पुलिस के हस्तक्षेप से निपटा

संवाददाता, कुंवरगांव

अमृत विचार : थाना कुंवरगांव क्षेत्र के गांव बागरपुर में होलिका दहन स्थल को लेकर उत्पन्न विवाद का पुलिस व प्रशासनिक प्रयासों के बाद समाधान हो गया है। दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति बन जाने से गांव में बना तनावपूर्ण माहौल समाप्त हो गया है।

कुंवरगांव के थानाध्यक्ष राजेश कौशिक ने बताया कि उन्होंने पूर्व में विवादित होलिका दहन स्थल का भ्रमण कर दोनों पक्षों से बातचीत की थी। आपसी सहमति के आधार पर समस्या का निराकरण कर दिया गया है। दोनों पक्षों द्वारा लिखित समझौता भी प्रस्तुत किया गया है। जिसके अनुसार राजस्व विभाग द्वारा पिछले ग्राम सभा की भूमि में जो वैकल्पिक स्थल होलिका दहन के लिए चिह्नित किया गया था, अब उसी स्थान पर इस साल होलिका दहन कराया जाएगा। ग्रामीण इसके लिए सहमत हो गए हैं। अब किसी प्रकार की समस्या नहीं रह गई है। उन्होंने बताया कि विवाद के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस ने एहतियातन 25 लोगों के खिलाफ शांति भंग की आशंका में कार्रवाई की थी। पुलिस प्रशासन ने ग्रामीणों से शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की है।

गांव बागरपुर जाकर ग्रामीणों से बात करते थानाध्यक्ष राजेश कौशिक। ● अमृत विचार

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक /533सी0(ई-टेण्डर)-08/2025-26 दि0 /01/2026

अल्पकालीन ई0-निविदा आमंत्रण सूचना

1. महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा निर्माण खण्ड-1, लोनिवि, पीलीभीत क्षेत्र के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र साईट/पोर्टल पर दिनांक 30.01.2026 से दिनांक 11.02.2026 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक उपलब्ध रहेगें एवं तकनीकी विड दिनांक 11.02.2026 को अपरान्ह 12:30 बजे खोली जायेगी।
2.

क्र0 सं0	कार्य का नाम	लागत (लाख रू0 में)			विड सिक्यूरिटी (रू0 लाख में)	बिड डाक्यूमेन्ट का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने का समय	फर्म/ठेकेदारों की आवश्यक पंजीकरण श्रेणी
		अनुमानित लागत	05 वर्षीय अनुरक्षण की लागत	कुल अनुमानित लागत				
1	2	3	4	5	6	7	7	7
1	गांव चौसरा मार्ग से सादिया लाडपुर के पास नहर के पास पुलिया तक नवनिर्माण कार्य।	64.00	4.80	68.80	5.44	रू0 2714.00	09 माह	ए0, बी0, सी0
2	गांव दौलतपुर हीरा से गांव मानपुर मरौरी तक नवनिर्माण कार्य।	80.00	6.00	86.00	6.30	रू0 2714.00	09 माह	ए0, बी0
3	गांव भीकमपुर उर्फ परानपुर मार्ग से परासी रामकिशन सम्पर्क का नवनिर्माण कार्य।	105.00	7.90	112.90	7.65	रू0 2714.00	12 माह	ए0, बी
4	गांव अरिवाड़ा से गांव दुवहा होते हुए शाहजहॉपुर की सीमा तक नवनिर्माण कार्य।	134.00	10.00	144.00	9.20	रू0 2714.00	12 माह	ए0, बी0
5	बी0डी0यू0एस0 मार्ग से मधुपुरी मार्ग का नवनिर्माण कार्य।	128.00	9.50	137.50	8.88	रू0 2714.00	12 माह	ए0, बी0
6	गांव गोछ से कनाकोर सम्पर्क मार्ग का नवनिर्माण कार्य।	125.00	9.00	134.00	8.70	रू0 2714.00	12 माह	ए0, बी0
7	गांव गौनेरा से चांदडांडी मार्ग का नवनिर्माण कार्य।	108.00	8.00	116.00	7.80	रू0 2714.00	12 माह	ए0, बी0
8	खानपुर बीरमपुर से गांव कढैला मार्ग का नवनिर्माण कार्य।	236.00	5.90	241.90	14.10	रू0 2714.00	12 माह	ए0

2. निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(एस.के. जैन)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड-1, लोनिवि, पीलीभीत

(के0के0 सिंह)
अधीक्षण अभियंता
बदायूँ/पीलीभीत वृत, लोनिवि, बरेली

UP - 244793 दिनांक: 28/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

किसान सहकारी चीनी मिल्स लि0, सम्पूर्णानगर-खीरी

अल्पकालीन निविदा सूचना

वर्ष 2025-26 हेतु व्यापारकर में पंजीकृत अनुभवी आपूर्तिकर्ताओं से निम्नांकित सामानों के आपूर्ति हेतु सम्मुख अंकित तिथि को अपरान्ह 3:00 बजे तक मुहरबन्द निविदायें आमंत्रित की जाती है।

क्रमांक	विवरण	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा तिथि
01	Supply of DC Machine Spares/Automation Spaces	5000.00	05.02.2026

निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में रू0 590/- (जीएसटी सहित) मिल कोषागार में जमा कर प्राप्त किये जा सकते हैं। प्राप्त निविदायें निर्धारित तिथि को अपरान्ह 3:30 बजे खोली जायेगी। यदि आवश्यक हुआ तो नेगोशिएसन भी किया जा सकता है।

अधोहस्ताक्षरी को किसी एक अथवा समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सर्व सुरक्षित होगा।

प्रधान प्रबन्धक

कार्यालय नगर निगम, शाहजहांपुर

NOTICE FOR INVITATION OF TENDER

पत्रांक: 692/PRO/नि.वि./न.नि.शाह./2025-26 दिनांक: 29.01.2026

ई-निविदा सूचना

नगर निगम, शाहजहांपुर द्वारा 15वां वित्त आयोग अन्तर्गत 01 निर्माण कार्यो की द्वितीय बार अल्पकालीन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा प्रणाली की समस्त कार्यवाही वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर की जायेगी। कार्य की समस्त नियत व शर्तें वेबसाइट पर उपलब्ध है जिनका अवलोकन करने उपरान्त ही निविदा प्रक्रिया में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें। बिना कारण बताये टेण्डर को स्वीकृत / अस्वीकृत / निरस्त करने का अधिकार सक्षम प्राधिकारी में निहित होगा। उक्त निविदा के संबंध में किसी भी प्रकार की सूचना वेबसाइट पर अपलोड कर जायेगी।

ई-निविदा डाउनलोड प्रारम्भ की तिथि/समय	02.02.2026 - 03:00 PM
ई-निविदा अपलोड की प्रारम्भ तिथि/समय	02.02.2026 - 04:00 PM
ई-निविदा अपलोड की अंतिम तिथि/समय	07.02.2026 - 03:00 PM
ई-निविदा खोली जाने की तिथि/समय	07.02.2026 - 04:00 PM
फाईनेंशियल ई-निविदा खोली जाने हेतु	After Technical Evaluation

ई-निविदा लिंक एवं ई-पोर्टल www.etender.up.nic.in पर किसी परिवर्तन, संशोधन व अतिरिक्त सूचनाओं के लिए उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

नगर आयुक्त
नगर निगम, शाहजहांपुर

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-प्रापण निविदाएं आमंत्रित करते है। **क्र0 सं0: 1 ई-प्रापण निविदा संख्या: उप मु0इं0-नि0-पुल-जीकेपी-01-2026 दिनांक: 24.02.2026 कार्य का नाम:** पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ डिवीजन में सहजनवा-दोहरीघाट नई लाइन परियोजना के अन्तर्गत सहजनवा-दोहरीघाट के बीच सहजनवा, मगहर, जगतबेला, पिपरौली, खजनी, उनवल, बैदौली बाबू हाल्ट और बांसगांव में स्टेशन बिल्डिंग, स्टाफ क्वार्टर ओवर हेड टैंक, प्लेटफॉर्म, सबवे टो वॉल, रिटेनिंग वॉल, पी0पी0 शेल्टर का निर्माण, सर्कुलेटिंग एरिया का डेवलपमेंट और सड़क का कार्य। **अनुमानित निविदा मुल्य :** 152,17,40,938.78/- **बयाना राशि (रु0) :** 77,58,700.00 **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु0):** शून्य **कार्य पुर्ण करने की अवधि :** 18 (अठारह माह) ● बिड प्रारम्भ करने की तिथि : दिनांक 10.02.2026 ● उपरोक्त ई-निविदा सबमिसन की अंतिम तिथि: दिनांक 24.02.2026 15:00 बजे तक। ● उपरोक्त ई-निविदा खुलने की तिथि: दिनांक 24.02.2026 15.00 बजे। ● निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्ते वेबसाइट **https://ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। ● निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगे।

उप मुख्य इंजी./निर्माण/सामान्य, गोरखपुर

मुजाघि/डब्लू-439

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

मारपीट के आरोपी ने पुलिस कैप लगाई, फोटो वायरल

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : कार से खींचकर युवक से मारपीट करने के आरोपी के पुलिस की कैप लगाए एवं डॉन दाउद इब्राहिम और अवैध हथियार के फोटो सोशल मीडिया एकाउंट पर अपलोड किए जो अब वायरल हो रहे हैं। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

किला थाना क्षेत्र के जसोली निवासी सलमान ने बताया कि 26 जनवरी की रात में 10 बजे वह अपनी गाड़ी से बारादरी थाना क्षेत्र में स्थित स्पर्श लॉन के सामने खड़ा था। अचानक से दो कार में सवार करीब 10 लोग आ गए। इनमें से अमान इब्राहीम, वसीम गद्दी, अमन गद्दी, सुब्हान उर्फ चूरन ने उसके साथ मारपीट की। विरोध करने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पुलिस ने इस मामले में अमान इब्राहीम, वसीम गद्दी, अमन गद्दी, सुब्हान उर्फ चूरन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी।

अमान इब्राहीम नाम के युवक की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। एक तस्वीर में वह पुलिस की कैप लगाए दिख रहा है। सूत्रों के मुताबिक पिटाई के दौरान हथियार भी लहराए गए थे। बारादरी पुलिस अज्ञात हमलावरों को चिह्नित कर रही है, जल्दी गिरफ्तार कर सकती है। इसके अलावा मुख्य आरोपी अमान इब्राहिम के सोशल मीडिया अकाउंट से अवैध हथियारों के साथ और कथित तौर पर दाऊद इब्राहिम की तस्वीरों के साथ फोटो वायरल हो रही है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की तलाश की जा रही है। जल्द ही सभी को गिरफ्तार करके जेल भेजा जाएगा।

फैसले एक नजर में

गोरखपुर में 721.40 करोड़ की सीवरेज परियोजना को मंजूरी

अमृत विचार, लखनऊ : अटल नवीकरण और शहरी रूपांतरण मिशन-2.0 (अमृत-2.0) के अंतर्गत गोरखपुर में सीवरेज व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए बड़ी परियोजना को कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है। गुरुवार को मंत्रिपरिषद ने नगर निगम क्षेत्र के सीवरेज जोन-ए-3 से संबंधित 721.40 करोड़ की परियोजना को स्वीकृति दी। परियोजना के पूर्ण होने पर 17 वार्डों की 1.95 लाख से अधिक आबादी को सीवेज सुविधा का सीधा लाभ मिलेगा। स्वीकृत लागत में जीएसटी और सेंटेज की राशि शामिल है। इस परियोजना की कुल अनुमोदित लागत 721.40 करोड़ है, जिसमें 27.28 करोड़ सेंटेज शामिल हैं। लागत साझा व्यवस्था के तहत भारत सरकार का अंश 231.35 करोड़, राज्य सरकार का अंश 435.00 करोड़ तथा निकाय का अंश 27.76 करोड़ तय किया गया है। सेंटेज की पूरी राशि राज्य सरकार वहन करेगी। केंद्र, राज्य और निकाय की संयुक्त भागीदारी से परियोजना के समयबद्ध क्रियान्वयन को गति मिलेगी। योजना के तहत 43,604 गृह संयोजनों से जुड़े सीवेज का शोधित निस्तारण किया जाएगा।

गंगा किसान सहकारी चीनी मिल का होगा आधुनिकीकरण

अमृत विचार, लखनऊ : सरकार ने मुजफ्फरनगर के मोरना स्थित गंगा किसान सहकारी चीनी मिल के आधुनिकीकरण और पेराई क्षमता बढ़ाने का निर्णय लिया है। कैबिनेट की मंजूरी के अनुसार मिल की मौजूदा क्षमता 2500 टीसीडी से पहले 3500 टीसीडी और इसके बाद 5000 टीसीडी तक बढ़ाई जाएगी। पुराने प्लांट और तकनीक के कारण किसानों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा था। नई आधुनिक मशीनरी लगने से उत्पादन क्षमता बढ़ेगी और संचालन अधिक कुशल होगा। इससे गन्ना किसानों को सीधा लाभ मिलेगा और समय से गन्ना मूल्य भुगतान सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। सरकार का मानना है कि क्षमता विस्तार से किसानों की आय बढ़ेगी, सहकारी चीनी मिल मजबूत होगी और क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

परिवहन विभाग के तीन प्रस्तावों को मिली मंजूरी

यूपी कैबिनेट बैठक : 351 सहायक मोटरयान निरीक्षक पद सृजित, फेसलेस सेवाएं और ई-वाहनों को दी गई राहत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में परिवहन विभाग के तीन महत्वपूर्ण प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई। कैबिनेट ने 351 सहायक मोटरयान निरीक्षक पद सृजित करने और इसके लिए उप्र. परिवहन (अधीनस्थ) प्राविधिक सेवा (षष्ठम संशोधन) नियमावली, 2026 के प्रख्यापन को मंजूरी दी। इससे शीघ्र ही भर्ती/चयन प्रक्रिया शुरू होगी और सड़क सुरक्षा, प्रवर्तन व राजस्व वसूली को बल मिलेगा।

इसके साथ ही परिवहन सेवा ढांचे को विधिक मान्यता देने को उ.प्र. परिवहन सेवा (सप्तम संशोधन) नियमावली, 2026 को स्वीकृति मिली। परिक्षेत्रों का पुनर्गठन करते हुए गोरखपुर, बुंदेलखंड (झांसी) और अयोध्या में नए परिक्षेत्र गठित होंगे, जिससे निगरानी, क्रियान्वयन और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। तीसरे प्रस्ताव में कर संरचना में सुधार, शुद्ध इलेक्ट्रिक वाहनों को पंजीकरण शुल्क/रोड टैक्स में 100 फीसदी छूट (नीति अवधि के 4वें-5वें वर्ष के लिए कार्योत्तर अनुमोदन) तथा परिवहन विभाग की चार सेवाओं- डीएल में जन्मतिथि संशोधन, पहाड़ी क्षेत्र में वाहन अनुमति, पंजीकरण संख्या रिटेंशन और गैर-उपयोग सूचना परमिट को फेसलेस मोड में लागू करने हेतु उप्र. मोटरयान (32वां संशोधन) नियमावली, 2026 को मंजूरी दी गई।

कैबिनेट बैठक के बाद लोकभवन में पत्रकारों को निर्णयों की जानकारी देते वित्त मंत्री सुरेश खन्ना व बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह।

शहरी सुविधाओं के लिए विकास शुल्क प्रणाली में संशोधन

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में शहरी क्षेत्रों में अवस्थापना सुविधाओं के विकास के लिए विकास शुल्क की संशोधित प्रणाली लागू करने और इससे जुड़ी नियमावली में संशोधन को मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास नियमावली-2014 (यथा संशोधित 2021) में बदलाव के प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्रदान की है। इस निर्णय से शहरी विकास के लिए आवश्यक वित्तीय संसाधन अधिक प्रभावी और व्यवस्थित ढंग से उपलब्ध हो सकेंगे। संशोधित विकास शुल्क प्रणाली के लागू होने से विकास प्राधिकरणों को अपनी विकास परियोजनाओं और नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए स्थायी एवं मजबूत वित्तीय आधार मिलेगा। सरकार का मानना है कि इस फैसले से शहरी इलाकों में बुनियादी ढांचे के निर्माण और विस्तार को गति मिलेगी।

योगी कैबिनेट ने अजित पवार को दी श्रद्धांजलि

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गुरुवार को आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोक प्रस्ताव पारित किया गया। मंत्रिपरिषद ने विगत बुधवार को बारामती (महाराष्ट्र) में हुई विमान दुर्घटना में अजित पवार व अन्य लोगों के निधन को अत्यंत दुःखद बताया। कैबिनेट ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत पुण्यात्माओं की शांति की कामना की। कैबिनेट ने कहा कि अजित पवार का असामयिक निधन अपूर्णीय क्षति है। स्व. पवार को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मंत्रिपरिषद ने कहा कि अपने दीर्घ सार्वजनिक जीवन में उन्होंने महाराष्ट्र की जनता से गहरा जुड़ाव रखते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए कार्य किया। गरीबों एवं वंचितों को सशक्त बनाने तथा महाराष्ट्र के विकास के लिए उनकी प्रतिबद्धता सदैव स्मरणीय रहेगी।

पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित 99 हिंदू बंगाली परिवारों के स्थायी पुनर्वासन का निर्णय

- प्रत्येक परिवार को 0.50 एकड़ भूमि आवंटित की जाएगी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) से विस्थापित होकर उत्तर प्रदेश में रह रहे हिंदू बंगाली परिवारों के स्थायी पुनर्वासन को लेकर अहम और मानवीय निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में जनपद मेरठ से जुड़े इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

यह प्रकरण मेरठ जिले की तहसील मवाना के ग्राम नंगला गोसाई से संबंधित है, जहां झील की भूमि पर लंबे समय से अवैध रूप से निवास कर रहे 99 हिंदू बंगाली परिवारों के पुनर्वासन का निर्णय लिया गया है। कैबिनेट के फैसले के अनुसार, इन सभी परिवारों को जनपद कानपुर देहात की रसूलाबाद तहसील में बसाया जाएगा। पुनर्वासन के तहत ग्राम भैंसाया में पुनर्वास विभाग के नाम दर्ज 11.1375 हेक्टेयर (27.5097 एकड़) भूमि पर 50 परिवारों तथा ग्राम ताजपुर तरसौली में पुनर्वास विभाग के नाम अंकित 10.530 हेक्टेयर (26.009 एकड़) भूमि पर शेष 49 परिवारों को बसाया जाएगा। प्रत्येक परिवार को 0.50 एकड़ भूमि आवंटित की जाएगी। यह भूमि प्रीमियम अथवा लीज रेंट पर 30 वर्ष के पट्टे पर दी जाएगी, जिसे आगे 30-30 वर्ष के लिए नवीनीकृत किया जा सकेगा। इस प्रकार पट्टे की अधिकतम अवधि 90 वर्ष होगी। सरकार का कहना है कि इस निर्णय से पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित होगा और विस्थापित परिवारों को सम्मानजनक, सुरक्षित और स्थायी जीवन मिलेगा।

कैबिनेट से स्वीकृत प्रस्ताव

- अमृत नगरीय एवं शहरी पर्यावरण मिशन 2.0 के अंतर्गत नगर निकायों में जलापूर्ति, सीवर एवं संबंधित शहरी अवसंरचना कार्यों हेतु केंद्रीय व राज्यांश सहित वित्तीय स्वीकृति।
- अमृत-2.0 के अंतर्गत नगरीय क्षेत्रों में सीवरेज, ड्रेनेज एवं जल प्रबंधन परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त अनुदान को मंजूरी।
- उत्तर प्रदेश शहरी पुनर्विकास नीति-2026 को लागू किए जाने की स्वीकृति।
- शहरी क्षेत्रों में जर्जर, अविकसित एवं अव्यवस्थित बस्तियों के पुनर्विकास एवं नियोजित विकास के प्रस्ताव को मंजूरी।
- शहरी गरीबों एवं मलिन बस्तियों के सर्वांगीण विकास हेतु अवसंरचना आधारित योजनाओं को स्वीकृति।
- मुरादाबाद जनपद में विज्ञान पार्क एवं तारामंडल की स्थापना हेतु मुरादाबाद विकास प्राधिकरण को कार्यदायी संस्था नामित करने का निर्णय।
- राज्य में विज्ञान, नवाचार एवं तकनीकी जागरूकता को बढ़ावा देने से संबंधित प्रस्ताव को स्वीकृति।
- गन्ना किसान सहकारी चीनी मिलों की पेराई क्षमता बढ़ाने, तकनीकी उन्नयन एवं आधुनिकीकरण से जुड़े प्रस्तावों को मंजूरी।
- गन्ना किसानों को समय से भुगतान सुनिश्चित करने के लिए चीनी मिलों से संबंधित वित्तीय एवं प्रबंधन संबंधी निर्णय।
- राज्य में नई चीनी मिलों की स्थापना तथा मौजूदा मिलों के विस्तार से संबंधित प्रस्तावों को स्वीकृति।
- जनपद लखीमपुर-खीरी में पेयजल आपूर्ति योजना के अंतर्गत जलशोधन संयंत्र, पाइपलाइन एवं संबंधित कार्यों को मंजूरी।
- वाराणसी में राज्य मार्ग संख्या-120 के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य को स्वीकृति।
- देवरिया में राज्य मार्ग संख्या-79 के चौड़ीकरण एवं सड़क सुधार कार्य को मंजूरी।
- लोक निर्माण विभाग से संबंधित प्रमुख सड़कों के उन्नयन एवं यातायात सुधार प्रस्ताव को स्वीकृति।
- शहरी क्षेत्रों में अवैध निर्माणों के निस्तारण/नियमन से संबंधित प्रस्तावों को मंजूरी।
- मुख्यमंत्री द्वारा घोषित राजस्व ग्रामों में आपदा/परियोजना से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन से जुड़े प्रस्ताव।
- विस्थापित परिवारों को आवास, भूखंड एवं आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने से संबंधित निर्णय।
- पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) से विस्थापित हिंदू परिवारों के पुनर्वासन से संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी।
- राज्य के विभिन्न विकास प्राधिकरणों से जुड़े प्रशासनिक एवं वित्तीय प्रस्तावों को स्वीकृति।
- शहरी निकायों की वित्तीय स्थिति सुदृढ़ करने से संबंधित निर्णय।
- नगरीय एवं अधोसंरचना विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़े प्रस्ताव।
- विभिन्न विभागों के नीतिगत एवं प्रशासनिक संशोधनों को मंजूरी।
- विभागीय प्रक्रियाओं के सरलीकरण से जुड़े प्रस्ताव।
- राज्य सरकार की घोषणाओं के अनुपालन से संबंधित प्रस्ताव।
- विकास परियोजनाओं के लिए भूमि उपयोग/प्रबंधन से जुड़े निर्णय।
- पुनर्विकास एवं पुनर्स्थापन से जुड़े विशेष मामलों को स्वीकृति।
- केंद्र सरकार से समन्वय से संबंधित योजनाओं के प्रस्ताव।
- विभिन्न विभागों के वित्तीय दायित्वों से संबंधित प्रस्ताव।

बहराइच के आपदा प्रभावित 136 परिवारों का होगा पुनर्वास

- नदी-वन्य क्षेत्र से घिरे भरथापुर गांव का होगा विस्थापन
- मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत मिलेंगे पक्के मकान

अमृत विचार, लखनऊ : बहराइच के राजस्व ग्राम भरथापुर में आपदा के स्थायी खतरे को देखते हुए प्रदेश सरकार ने 136 प्रभावित परिवारों के पुनर्वास का बड़ा निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की घोषणा के क्रम में गुरुवार को कैबिनेट ने गांव को विस्थापित कर सुरक्षित स्थान पर बसाने की योजना को मंजूरी दे दी। पुनर्वास के बाद नई बसाई जाने वाली बस्ती का नामकरण मुख्यमंत्री की अनुमति से किया जाएगा।

भरथापुर गांव एक ओर गेरुआ नदी, दूसरी ओर कौड़ियाल नदी से घिरा है, जबकि उत्तर दिशा में वन्य जीव क्षेत्र और नेपाल सीमा स्थित है। सड़क संपर्क न होने के कारण ग्रामीणों को नाव से आवाजाही करनी पड़ती है, जिससे जान-माल का लगातार खतरा बना रहता है। 29 अक्टूबर 2025 को कौड़ियाल नदी में नाव पलटने से नौ लोगों की मौत के बाद मुख्यमंत्री ने 2 नवंबर 2025 को हवाई सर्वेक्षण कर प्रभावितों को सुरक्षित स्थान पर बसाने की घोषणा की थी, जिस पर अब कैबिनेट की औपचारिक मुहर लग गई है। आपदा प्रभावित परिवारों को ग्राम पंचायत सेमरहना, तहसील मिहींपुरवा (मोतीपुर) में पुनर्वासित किया जाएगा। इसके लिए लगभग 1.70 हेक्टेयर भूमि राजस्व विभाग को निःशुल्क हस्तांतरित की जाएगी। प्रत्येक परिवार को आवास योजना के अंतर्गत पक्का मकान मिलेगा।

हज के लिए स्वयं उड़ान बुक कर सकेंगे यात्री

- सुविधा 29 से केवल चार दिन के लिए उपलब्ध

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: आगामी हज-2026 के लिए हज यात्री अब अपनी व्यक्तिगत लॉगइन के माध्यम से हज कमेटी की वेबसाइट (hajcommittee.gov.in) या हज सुविधा ऐप के जरिए उड़ानें स्वयं बुक कर सकते हैं। यह सुविधा पूरी तरह वैकल्पिक है और इसका उद्देश्य केवल यात्रियों को अपनी पसंद के अनुसार उड़ान बुक करने का अवसर देना है।

यह जानकारी गुरुवार को उप्र. हज यात्रा कमेटी के सचिव-कार्यपालक अधिकारी एसपी तिवारी ने दी। उन्होंने बताया कि हज कमेटी ऑफ इंडिया, मुंबई ने हज-2026 के लिए हज यात्रियों के लिए ऑनलाइन सेल्फ बुकिंग सुविधा शुरू की है। सीईओ एसपी तिवारी ने बताया कि यह सुविधा 29 जनवरी से केवल चार दिन के लिए उपलब्ध रहेगी और बुकिंग सीट की उपलब्धता व उड़ान क्षमता के अनुसार ही होगी। एक बार बुकिंग हो जाने के बाद यात्रा या उड़ान की तिथि में कोई बदलाव संभव नहीं होगा। इस दौरान किसी प्रकार के विशेष अनुरोध पर हज कमेटी विचार नहीं करेगी।

राष्ट्रपति के अभिभाषण में व्यवधान लोकतंत्र का अपमानः चौधरी

अमृत विचार, लखनऊ : केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने संसद के बजट सत्र के प्रथम दिन राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान हुए व्यवधान की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन द्वारा किया गया हंगामा न केवल संसदीय मर्यादाओं का उल्लंघन है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र का भी अपमान है। चौधरी ने कहा कि राष्ट्रपति का अभिभाषण सरकार की नीतियों, प्राथमिकताओं और उपलब्धियों का संवैधानिक प्रस्तुतीकरण होता है। ऐसे गरिमामय अवसर पर जानबूझकर व्यवधान उत्पन्न करना सर्वोच्च संवैधानिक पद के प्रति असम्मान को दर्शाता है।

एफएलसीआरपी को मिलेगा विशेष प्रशिक्षण

- ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय सशक्तिकरण को मिलेगी नई गति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत-2047 विजन को साकार करने के लिए उत्तर प्रदेश में ग्रामीण वित्तीय साक्षरता को सशक्त बनाया जा रहा है। उप्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत प्रदेशभर के ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत 1650 वित्तीय साक्षरता सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों (एफएलसीआरपी) को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

यह जानकारी देते हुए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गुरुवार को बताया कि यह दो दिवसीय रिफ्रेशर एवं ओरिएंटेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम संबंधित जिलों के ग्रामीण स्व-रोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) केंद्रों के माध्यम से आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर कार्यरत कर्मियों की कार्यक्षमता, तकनीकी ज्ञान और डिजिटल बैंकिंग की समझ को मजबूत करना है, ताकि वे सरकारी वित्तीय योजनाओं और बैंकिंग सेवाओं को प्रभावी ढंग से आम लोगों तक पहुंचा सकें। यह प्रशिक्षण उन एफएलसीआरपी को दिया जाएगा, जो कम से कम एक वर्ष से निरंतर सेवा दे रहे हैं।

फरवरी से फिर चलेगा 100 दिन का सघन टीबी रोगी खोज अभियान

राज्य स्तरीय कार्यशाला में मौजूद अपर मुख्य सचिव अमित घोष, एनएचएम मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवेल व अन्य अधिकारी।

- टीबी मुक्त उप्र. विषयक राज्य स्तरीय मीडिया संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने सीएसआर अंतर्गत आईओसीएस के सहयोग से राज्य को चार मॉड्यूल के साथ 74 टूनैट मशीनें उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे त्वरित और सटीक टीबी जांच को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, 75 एआई-सक्षम हैंड-हेल्ड एक्स-रे मशीनों के लिए क्रय आदेश (परचेज ऑर्डर) जारी किए जा चुके हैं, जो भविष्य में टीबी स्क्रीनिंग और प्रारंभिक पहचान की क्षमता को और मजबूत करेंगे।

यह जानकारी अपर मुख्य सचिव ने गुरुवार को राजधानी स्थित निजी होटल में राज्य स्तरीय मीडिया संवेदीकरण कार्यशाला में दी। इस अवसर पर टीबी मुक्त उत्तर प्रदेश पर आधारित ई-न्यूजलेटर का विमोचन भी किया गया। उन्होंने बताया कि टीबी मुक्त भारत अभियान को नई गति देने के लिए प्रदेश में फरवरी से एक बार फिर 100 दिवसीय सघन टीबी रोगी खोज अभियान शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 930 नैट मशीनें कार्यरत हैं, जिससे दूरदराज क्षेत्रों में भी गुणवत्तापूर्ण जांच सुनिश्चित की जा रही है। एनएचएम मिशन निदेशक डॉ.पिंकी जोवेल ने बताया कि वर्ष 2015 की तुलना में प्रदेश में टीबी की नई दर में 17 प्रतिशत कमी आई है। राज्य क्षय रोग अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र भटनागर ने बताया कि फरवरी से शुरू होने वाले अभियान में सांसदों, पंचायत प्रतिनिधियों, आशा-आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवी संगठनों और मीडिया की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, जिससे उत्तर प्रदेश को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य और निकट आएगा। कार्यशाला में स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ.रतन पाल सिंह सुमन, परिवार कल्याण महानिदेशक डॉ.पवन कुमार अरूण, समेत अन्य संबन्धित विभागों के अधिकारी शामिल रहे।

उप्र. हेल्थ डैशबोर्ड रैंकिंग में लखनऊ टॉप पर, टीकाकरण में शत प्रतिशत स्कोर

अमृत विचार, लखनऊ : स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी उत्तर प्रदेश हेल्थ डैशबोर्ड रैंकिंग में लखनऊ ने दिसंबर 2025 में प्रदेश भर में पहला स्थान हासिल किया है। राजधानी लखनऊ को इस रैंकिंग में 0.68 का कंपोजिट स्कोर प्राप्त हुआ है। प्रयागराज, श्रावस्ती, गोरखपुर, महाराजगंज और हाथरस क्रमशः दूसरे, तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर हैं।

लखनऊ के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एनबी सिंह ने बताया कि मातृ स्वास्थ्य, बच्चों के टीकाकरण, परिवार कल्याण कार्यक्रम और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता जैसे महत्वपूर्ण सूचकांकों में बेहतर प्रदर्शन के चलते लखनऊ को यह उपलब्धि मिली है। उन्होंने कहा कि पूर्ण टीकाकरण और गर्भावस्था के दौरान एचआईवी जांच के मामले में जनपद को शत-प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं। ब्लॉकों के प्रदर्शन की बात करें तो बख्शी का तालाब, माल और मोहनलालगंज ब्लॉक सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले रहे हैं।

इसके साथ ही कई ब्लॉकों ने पिछले महीने की तुलना में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। चिनहट ब्लॉक ने रैंकिंग में सबसे अधिक सुधार किया है, वहीं माल ब्लॉक में परिवार नियोजन के स्थायी साधनों को अपनाने के संकेतक में अच्छी बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि इस उपलब्धि के लिए जिला स्तर से लेकर फील्ड में कार्य कर रहे सभी स्वास्थ्य अधिकारी और कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। यह सफलता टीमवर्क, नियमित निगरानी और डाटा आधारित योजना का परिणाम है।

सपा ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा शिकायती ज्ञापन

अमृत विचार, लखनऊ : सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर विभिन्न जिलों में चल रही एसआईआर प्रक्रिया में अनियमितताओं की शिकायत की है। उन्होंने मांग की है कि संबन्धित मामलों का तत्काल संज्ञान लेकर निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। गुरुवार को दिए गए ज्ञापन में रायबरेली की ऊंचाहार और सरेनी विधान सभा क्षेत्रों में नो-मैपिंग मतदाताओं को गंभीर परेशानियों का सामना करने का आरोप लगाया गया है। दीनशाह गौरा विकास खंड में प्रतिदिन सैकड़ों मतदाताओं को बिना सुनवाई के लौटाया जा रहा है।

उपलब्धि | बागपत में 11 फीट ऊंची और 14 फीट चौड़ी प्रतिकृति बनी यूपी के नवाचार की नई पहचान

कचरे को रिसाइकिल कर बना अनोखा संविधान पार्क

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: संविधान को जन-जन तक सहज और जीवंत रूप में पहुंचाने की दिशा में बागपत ने नई मिसाल कायम की है। बड़ौत नगर पालिका परिसर में विकसित संविधान पार्क में बच्चे खेल-खेल में संविधान के मूल्यों को समझ रहे हैं, युवा अपने अधिकारों-कर्तव्यों से जुड़ रहे हैं और आमजन स्वस्थ जीवन के साथ जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा ले रहा है। कचरे को रिसाइकिल कर तैयार यह पार्क "वेस्ट टू वेल्थ" की अवधारणा को साकार करता है।

बागपत के बड़ौत नगर पालिका परिसर में बना संविधान पार्क।

पार्क की सबसे बड़ी विशेषता यहां स्थापित संविधान की विराट प्रतिकृति है। पूरी तरह रिसाइकल्ड सामग्री से बनी 600 किलोग्राम वजनी यह संरचना 11 फीट ऊंची और 14 फीट चौड़ी है, जिसमें संविधान की मूल प्रस्तावना को प्रभावशाली ढंग से उकेरा गया है। यह प्रतिकृति न्याय, समता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के संदेश को प्रतीकों के माध्यम से सरलता से समझाती है। संविधान पार्क को केवल हरियाली या टहलने की जगह तक सीमित नहीं रखा गया है। इसे ओपन क्लासरूम और स्ट्रीट लाइब्रेरी के रूप में विकसित किया गया है, जहां अधिकारों-कर्तव्यों के बोर्ड, बुक प्वाइंट, पुस्तकालय और स्वास्थ्य से जुड़ी गतिविधियां मौजूद हैं। बच्चों के लिए यह सीखने का आनंददायक माध्यम है, तो बुजुर्गों और युवाओं के लिए मानसिक-बौद्धिक समृद्धि का केंद्र। पार्क में स्थापित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का चरखा आत्मनिर्भर भारत की भावना को जीवंत करता है। वहीं बागपत के प्राचीन नाम 'व्याघप्रस्थ' की थीम पर बना वाटर कियोस्क इतिहास और संस्कृति से जुड़ाव का संदेश देता है।

देश के लिए प्रेरक मॉडल : डीएम

जिलाधिकारी अस्मिता लाल के अनुसार, यह पहल बेहतर सेहत के साथ नागरिकों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों की समझ देती है। यह सोच योगी आदित्यनाथ की उस विकास दृष्टि को प्रतिबिंबित करती है, जिसमें आधुनिकता के साथ संस्कार, सेहत के साथ सामाजिक जिम्मेदारी और विकास के साथ संविधान को जोड़ा गया है। बागपत का संविधान पार्क आज केवल जिले की पहचान नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरक मॉडल बनकर उभर रहा है।

संपत्ति पंजीकरण में आधार प्रमाणीकरण 1 फरवरी से

- सभी उप निबंधक कार्यालयों में आधार आधारित पहचान सत्यापन अनिवार्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश सरकार संपत्ति पंजीकरण प्रक्रिया को पारदर्शी, सुरक्षित और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठा रही है। इसके तहत आधार आधारित प्रमाणीकरण व्यवस्था 1 फरवरी से लागू की जा रही है, जिससे फर्जी रजिस्ट्रियों और छद्म व्यक्तियों के जरिए होने वाले भूमि घोटालों पर प्रभावी रोक लगेगी।

स्टाम्प एवं पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने बताया कि रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 की धारा-69 के अंतर्गत शक्तियों का प्रयोग करते हुए उत्तर प्रदेश ऑनलाइन दस्तावेज रजिस्ट्रीकरण नियमावली, 2024 को प्रवृत्त किया गया है। इसके तहत आधार संख्या धारकों की पहचान ई-केवाईसी, बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण और ई-हस्ताक्षर के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप में स्थापित की जाएगी। उन्होंने बताया कि विलेख पंजीकरण के दौरान निष्पादकों, पक्षकारों और गवाहों की पहचान के लिए आधार प्रमाणीकरण व्यवस्था 1 फरवरी से प्रदेश के सभी उप निबंधक कार्यालयों में अनिवार्य रूप से लागू कर दी जाएगी।

अमृत विचार

शुक्रवार, 30 जनवरी 2026

अगर तुम सूरज के चले जाने पर रोओगे, तो तुम्हारे आंसू तुम्हें तारे देखने से रोक देंगे।
–**रवींद्रनाथ टैगोर**, साहित्यकार

दुर्घटना और सवाल

महाराष्ट्र को उपमुख्यमंत्री के बतौर सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले अजित पवार का हवाई दुर्घटना में निधन अत्यंत दुखद है। उनके साथ स्टॉफ पायलट, को-पॉयलट समेत पांच लोगों की मृत्यु ने कई असहज प्रश्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे में सीबीआई और अन्य तकनीकी एजेंसियों द्वारा गहन जांच की मांग को 'राजनीति प्रेरित' करार देना उचित नहीं। किसी भी वीआईपी विमान हादसे में पारदर्शी, बहु-एजेंसी तथ्य-आधारित और समयबद्ध जांच विश्वास बहाली का आवश्यक साधन होती है। लीयरजेट अपेक्षाकृत सुरक्षित जेट विमान माने जाते हैं। संबंधित भारतीय निजी कंपनी को भी डीजीसीए के फरवरी 2025 के ऑडिट में बेदाग पाया गया था। मुख्य पायलट के 15 हजार घंटे और सह-पायलट के 1500 घंटे का अनुभव कम नहीं है। अंतिम क्षणों में विमान गिर पड़ा।

यह परिदृश्य तीन आशंकाओं की ओर इशारा करता है। पहला- अचानक तकनीकी खराबी जैसे कंट्रोल सरफेस या हाइड्रोलिक्स या इंजन का असंतुलन, दूसरा-माइक्रोबर्स्ट या विंड-शियर जैसी चुनौती, तीसरा- अंतिम क्षण में निर्णय या कॉन्फ़िगरेशन की त्रुटि। निष्कर्ष के लिए एफडीआर-सीवीआर विश्लेषण ही निर्णायक होगा, लेकिन एयर इंडिया की त्रासदी के महज सात महीने बाद यह हादसा उड्डयन सुरक्षा पर सवाल तो खड़े ही करता है। देश में रोज़ाना पांच लाख से अधिक यात्री उड़ान भरते हैं। हवाई यात्रा अब भी सबसे सुरक्षित परिवहन है, पर जुलाई 2012 से नवंबर 2025 के बीच 112 एक्सीडेंट और 128 गंभीर घटनाएं दर्ज हुईं; छोटे विमानों में जानलेवा हादसों की दर वाणिज्यिक विमानों से 10 से 50 गुना अधिक बताई जाती हैं। इसका अर्थ है कि जनरल एविएशन के मानक शायद छोटे विमानों के लिए कमर्शियल एविएशन के समकक्ष कठोर नहीं हैं। लीयरजेट-45 के 1998 से अब तक आठ बड़े हादसों और 29 मौतों का रिकॉर्ड, तथा सितंबर 2023 में मुंबई में रनवे से फिसलने की घटना, जिसकी जांच रिपोर्ट अब तक सार्वजनिक नहीं हुई है, पारदर्शिता की कमी की ओर संकेत करती है। समय पर रिपोर्ट सार्वजनिक होती, तो सुधारात्मक कदम और सीख सामने आते। बारामती एयरपोर्ट की लोकेशन, सीमित संसाधन और बार-बार प्रशिक्षण विमानों की दुर्घटनाएं यह संकेत है कि बुनियादी ढांचे और जोखिम-आकलन में तत्काल सुधार जरूरी है। मैंगलोर, कोझिकोड, इंफाल, लेह जैसे चुनौतीपूर्ण हवाई अड्डों पर रनवे सेफ्टी एरिया, ईएमएएस, उन्नत आईएलएस और जीपीएस-आधारित एप्रोच, रियल-टाइम वेदर रडार और विंड-शियर अलर्ट अनिवार्य किए बिना नित नए एयरपोर्ट खोलना विवेकपूर्ण नहीं है।

डीजीसीए को जनरल एविएशन के लिए अनिवार्य सेफ्टी मैनेजमेंट सिस्टम, डेटा-शेयरिंग, थर्ड-पार्टी ऑडिट, पुराने विमानों की चरणबद्ध समीक्षा, सिम्युलेटर-आधारित प्रशिक्षण की न्यूनतम घंटों की बाध्यता और 'नो-फॉल्ट' सेफ्टी रिपोर्टिंग संस्कृति को सख्ती से लागू करना चाहिए। सरकार को एएआई और राज्यों के साथ मिलकर इस दिशा में प्राथमिकता तय करके काम करना होगा, पहले सुधार, फिर विस्तार। यदि इससे सबक लेकर सुरक्षा ढांचा सुदृढ़ किया जाए, तो यही दुर्घटना के दिवंगतों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

प्रसंगवश

जन भवनः लोकतांत्रिक चेतना का नया अध्याय

उत्तर प्रदेश में 'राजभवन' का 'जन भवन' के रूप में पुनर्संस्कार, स्वतंत्र भारत की लोकतांत्रिक यात्रा का एक ऐतिहासिक पड़ाव है। यह प्रतीकात्मक परिवर्तन नागरिक गरिमा और सहभागिता को शासन के केंद्र में स्थापित करने का एक सार्थक प्रयास है। राजनीति के व्याकरण को 'अधिकार' से 'कर्तव्य' की ओर मोड़ने वाला यह निर्णय, दरअसल सत्ता के चरित्र को 'शासक' से 'सेवक' के रूप में ढालने का वह वैचारिक साहस है, जो लोकतंत्र को उसकी मूल आत्मा से जोड़ता है।

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 'राजभवन' को 'जन भवन' के रूप में नामित किया जाना मात्र एक प्रतीकात्मक प्रशासनिक परिवर्तन नहीं है, बल्कि यह भारतीय लोकतंत्र की मूल आत्मा को पुनः स्मरण कराने वाला एक सशक्त वैचारिक संकेत है। यह निर्णय शासन और जनता के बीच संबंधों को नई, अधिक मानवीय परिभाषा देने की दिशा में उठाया गया साहसिक कदम है, जो सत्ता के चरित्र और उद्देश्य पर गहन पुनर्विचार की मांग करता है।

डॉ. कैलाश चंद सैनी
लेखक

भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती; वह समाज की चेतना और दृष्टि को भी आकार देती है। 'राजभवन' शब्द अपने भीतर सत्ता की भव्यता, कठोर प्रोटोकॉल और शासक-शासित के बीच खिंची एक अदृश्य किंतु सुदृढ़ दीवार का बोध कराता है। इसके विपरीत 'जन भवन' उस दीवार को भेदते हुए शासन के केंद्र में 'लोक' की प्रतिष्ठा का संकेत देता है। यह परिवर्तन सत्ता को उत्तरदायित्व, सहभागिता और सेवा से जोड़ता है तथा यह प्रश्न करता है कि स्वतंत्रता के अमृत काल में हमारी सत्ता अब भी 'राज' का विस्तार बनी हुई है या वह वास्तव में 'जन' की आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति बन पाई है।

आचार्य चाणक्य ने 'अर्थशास्त्र' में यह स्पष्ट किया है कि शासक का सुख जनता के सुख में और उसका हित जनता के हित में निहित है। यह सूत्र सत्ता को नैतिक अनुशासन और उत्तरदायित्व के कठोर मानकों से बांधता है। सम्राट अशोक इस दर्शन के सर्वाधिक प्रेरक उदाहरण हैं। कलिंग युद्ध के पश्चात उन्होंने विजय और दमन की नीति त्यागकर प्रशासन को जनकल्याण की दिशा में मोड़ा और यह घोषणा की कि जनता अपनी समस्याओं के समाधान के लिए उनसे किसी भी समय संपर्क कर सकती है। 'जन भवन' की अवधारणा इसी संवेदनशील परंपरा का आधुनिक रूपांतरण प्रतीत होती है।

आधुनिक भारत में महात्मा ज्योतिबा फुले ने इसी विचार को सामाजिक न्याय के धरातल पर उतारा। उनके लिए राजनीति का उद्देश्य महलों की चमक बढ़ाना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति के दुख को कम करना था। उनका यह विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है कि किसी व्यवस्था की सफलता का मूल्यांकन महलों की रोशनी से नहीं, बल्कि गरीब की झोपड़ी में घटते अंधकार से होना चाहिए। इसी वैचारिक यात्रा की निरंतरता में सत्ता के सर्वोच्च पद पर आसीन व्यक्ति द्वारा स्वयं को 'प्रधान सेवक' के रूप में परिभाषित करना इस बात का संकेत है कि जब सत्ता स्वयं को स्वामी के स्थान पर सेवक मानने लगती है, तब नीतियां कागजों से निकलकर सीधे जनजीवन की पीड़ा और आवश्यकताओं से जुड़ने लगती हैं।

'जन भवन' की सार्थकता केवल नाम परिवर्तन से सिद्ध नहीं होगी। इसे वास्तविक अर्थों में जीवंत बनाने के लिए प्रशासनिक कार्यशैली में बुनियादी और जमीनी सुधार अनिवार्य हैं। वास्तविक परिवर्तन तब दिखाई देगा, जब अधिकारियों के आचरण में जनता के प्रति गहरी संवेदनशीलता झलके और नीति-निर्माण में केवल आंकड़ों के बजाय सक्रिय जन-भागीदारी को स्थान मिले।

आम बजट 2026 खुशहाली की आस में मध्यवर्ग

विवेक सक्सेना
अयोध्या

आम बजट 2026 में महज कुछ ही दिन शेष हैं। अगले वित्त वर्ष के लिए तैयार हो रहे बजट में आम आदमी की जेब पर क्या असर पड़ेगा, यह सबसे बड़ा सवाल है। हर साल बजट का दिन आम आदमी के लिए उम्मीदों की नई किरण लेकर आता है। कोई टैक्स में राहत चाहता है, कोई नौकरी के नए मौके, तो कोई महंगाई से छुटकारा। इस बार भी 2026 का बजट लोगों की उम्मीदों का बड़ा इम्तिहान बनने वाला है। पिछले बजट में कई मांगें अधूरी रह गई थीं, अब नजरें इस बात पर टिकी हैं कि सरकार आम जनता को क्या बड़ी राहत देती है।

आम आदमी को आयकर में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद कम है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले बजट में व्यक्तिगत आयकर में कटौती के बावजूद टैक्स ग्रोथ केवल 6.8% रही, जबकि उम्मीद 21.6% थी। इससे सरकार को खर्च के लिए नए स्रोत तलाशने पड़े। हमारा टैक्स-जीडीपी अनुपात लगभग 12 प्रतिशत है, जबकि अधिकांश विकसित देशों में यह 35 से 45 प्रतिशत के दायरे में होता है। भारत में आयकर चुकाने वाली आबादी दो से तीन प्रतिशत के बीच है, जो विकसित देशों में 45 से 55 प्रतिशत तक होती है। इसका एक महत्वपूर्ण कारण कृषि आय को कर से छूट दिया जाना है। कृषि से जुड़े हमारे लगभग 40 प्रतिशत अंशभागी कर देनदारी के दायरे से बाहर हैं। इसके लिए एक आधार बनाकर समृद्ध कृषकों को आयकर के दायरे में लाना होगा। इसके लिए या तो एक निश्चित स्तर से ऊपर की आय अथवा कृषि भूमि आकार को आधार बना सकते हैं।

वेतनभोगियों के लिए मानक कटौती बढ़ाना और आवासीय ऋण के ब्याज पर कटौती की सीमा में वृद्धि करना उपयुक्त होगा। ईमानदार करदाताओं को प्रोत्साहन हमारी नीतियों के केंद्र में होना चाहिए। सरकार की मंशा एक सीमित वर्ग से कर वसूली के बजाय करों के दायरे का विस्तार करने की होनी चाहिए। पिछले वर्ष प्रत्यक्ष करों के स्तर पर रियायत, वित्तीय वर्ष के मध्य में ही जीएसटी दरों में कटौती और विभिन्न व्यापार समझौतों के अस्तित्व में आने से सीमा शुल्क में संकुचन के बाद अब राजस्व बढ़ाने के लिए नई राह की ओर देखना होगा।

टैक्स कलेक्शन उम्मीद से कम रहने पर सरकार के राजस्व पर दबाव पड़ा। ऐसे में इस बार टैक्स रिबेट या बड़े स्लैब बदलाव की संभावना कम है। सरकार छोटे-छोटे सुधार, लिमिटेड कटौती और रिबेट ट्यूनिंग के जरिए आम आदमी को थोड़ी राहत दे सकती है, लेकिन महंगाई पर नियंत्रण और राजस्व जुटाने की प्राथमिकता पहले रहेगी। दूसरी ओर, राजस्व बढ़ाने के लिए कुछ वैट या सेवा शुल्क में बदलाव की संभावना है, जिससे रोजमर्रा की चीजों की कीमत पर असर पड़ सकता है।

सरकारी सब्सिडी और टैरिफ में संभावित बदलाव के चलते पेट्रोल-डीजल, गैस और बिजली पर राहत कम दिख रही है। ऐसे संकेत हैं कि सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर पर निवेश बढ़ेगा, जिससे सड़क, रेल, पानी और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा। यह आम आदमी की रोजमर्रा की जिंदगी को बेहतर बनाने में मदद करेगा। सरकार स्किल डेवलपमेंट और डिजिटल स्किल्स पर जोर दे सकती है। छोटे-मध्यम व्यवसायों के लिए आसान क्रेडिट पॉलिसी और निवेश पैकेज ला सकती है। इसका सीधा असर नौकरी और व्यवसाय के नए अवसरों में दिखेगा।

लग्जरी और इम्पोर्टेड आइटम महंगे हो सकते हैं, ताकि कैपेक्स और सामाजिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च के लिए अतिरिक्त राजस्व जुटाया जा सके। एक संभावना यह है कि सरकार विनियमन यानी नियमों को और सरल-सुगम बनाने की राह पर ही आगे बढ़े। अच्छे परिदृश्य पर चर्चा करें तो भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती से आगे बढ़ रही है। सरकार के पहले अग्रिम अनुमान के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। यह पिछले वर्ष की 6.5 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक होगी।

कुछ ही दिन पहले आए दूसरी तिमाही के आंकड़ों में 8.2 प्रतिशत की तेजी दिखी थी। यह वृद्धि सामान्य जनजीवन में भी नजर आती है। वाहनों की बिक्री बढ़ रही है। हवाई यात्रा में तेजी आई है। वित्त, परिवहन, आतिथ्य सत्कार और रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों का निरंतर विस्तार हो रहा है। कुछ अपवाद को छोड़ दिया जाए तो महंगाई का रुख भी नरम है। इससे घरेलू बजट पर दबाव घटा है, लेकिन असल समस्या वृद्धि में नहीं, बल्कि आमदनी के स्तर पर है। सीधे शब्दों में कहा जाए तो अर्थव्यवस्था अधिक वस्तुएं और सेवाएं तो उत्पन्न कर रही है, लेकिन उनका कुल मूल्य उतनी तेजी से नहीं बढ़ रहा है।

कुछ क्षेत्रों में तो कीमतें गिर रही हैं। यह सुनने में अच्छा लग सकता है, लेकिन कुछ दूसरे मोर्चों पर कीमत चुकानी पड़ती है। चाहे जीएसटी हो, आयकर हो या कॉरपोरेट कर, उन पर राजस्व की प्राप्ति लेनदेन के आधार पर ही निर्भर करती है। जब लेनदेन में वृद्धि धीमी होती है तो कर संग्रह भी धीमा हो जाता है। ऐसे में सरकारी आमदनी भले ही घट जाए, लेकिन वेतन, पेंशन, ब्याज भुगतान और कल्याणकारी योजनाओं की देनदारी तो जस की तस बनी रहती है।

जाहिर है कि सरकार को या तो अधिक उधारी लेनी पड़ेगी या किसी अन्य मोर्चे पर कटौती का विकल्प अपनाना होगा। नई महत्वाकांक्षी घोषणाओं को लेकर भी संयम बरतना पड़ेगा। बाहरी मोर्चे पर स्थितियां नियंत्रण में अवश्य, लेकिन जोखिम से मुक्त नहीं हैं। वैश्विक अनिश्चितताएं कभी भी संकट खड़ा कर सकती हैं। तमाम उभरती हुई अर्थव्यवस्थाएं पूंजी प्रवाह को लेकर अस्थिरता का सामना कर रही हैं।

डालर के मुकाबले गिरता रुपया भी प्रभावित कर रहा है। अमेरिकी टैरिफ ने भी चिंताओं को और बढ़ाने का काम किया है। बजट में वित्त मंत्री को इन चिंताओं का संज्ञान लेना होगा। इसमें कर वृद्धि अनुमान को लेकर बहुत सावधानी बरतनी होगी। उधारी की योजनाओं को लेकर भी सतर्कता आवश्यक होगी, ताकि ब्याज अदायगी को लेकर अतिरिक्त बोझ न बढ़े।

आम बजट आम आदमी के लिए उम्मीदों की नई किरण लेकर आता है। कोई टैक्स में राहत चाहता है, कोई नौकरी के नए मौके, तो कोई महंगाई से छुटकारा। बजट लोगों की उम्मीदों का बड़ा इम्तिहान बनने वाला है।

आमने

मुझे अजित पवार की विमान हादसे में मौत की खबर सुनकर गहरा सदमा लगा है। जब राजनीतिक नेता भी सुरक्षित नहीं हैं, तो आम लोगों की सुरक्षा की क्या बात की जाए। दो दिन पहले मुझे पता चला था कि अजित पवार बीजेपी छोड़ने वाले हैं और आज यह घटना हो गई।
–**ममता बनर्जी**
मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल

सामने

ममता बनर्जी निराश और हताश लग रही हैं। उन्हें लगता है कि आने वाले पश्चिम बंगाल चुनावों में उनकी हार होने वाली है, इसीलिए वह इतने गुस्से में प्रतिक्रिया दे रही हैं। अपनी निराशा और हताशा में वह ऐसे कदम उठा रही हैं, जो लोकतंत्र के लिए हानिकारक हो सकते हैं।
–**नरेश बंसल**
भाजपा सांसद

विकास की वेदी पर 'निकोबार' के आदिवासी

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

हिंद महासागर के नीले पानी के बीच स्थित ग्रेट निकोबार द्वीप समूह आज एक ऐसी जंग का मैदान बना हुआ है, जहां एक तरफ आधुनिक भारत की विशाल रणनीतिक आकांक्षाएं हैं और दूसरी तरफ एक प्राचीन सभ्यता के अस्तित्व की पुकार। केंद्र सरकार की 72,000 करोड़ की 'ग्रेट निकोबार होलिस्टिक डेवलपमेंट प्रोजेक्ट' को लेकर स्थानीय 'निकोबारी जनजातीय परिषद' ने जो मोर्चा खोला है, वह केवल पर्यावरण बचाने की मुहिम नहीं, बल्कि अपनी पहचान, संस्कृति और कानूनी अधिकारों को बचाने की अंतिम लड़ाई है।

यह स्थान समृद्ध जैव विविधता और वन्यजीवों की एक असाधारण विविधता का घर है। सरकार के अनुसार, यह दुनिया में सबसे अच्छी तरह से संरक्षित उष्णकटिबंधीय वर्षा वनों में से एक है। यहां धरती की सबसे पुराने आदिवासी आबादी रहती है। क्या विकास का नया मॉडल इन सभी नैसर्गिक उपहारों का दुश्मन बन जाएगा? भूमि से दूर हिंद महासागर के बंगाल की खाड़ी के दक्षिण पूर्वी भाग में स्थित 572 द्वीपों का समूह अंडमान निकोबार इन दिनों ऐसे ही द्वंद से गुजर रहा है है। ये द्वीप इंडोनेशिया और थाईलैंड के निकट स्थित हैं। 2013 में इसे यूनेस्को के जैवमंडल कार्यक्रम (ह्यूमन एंड बायोस्पियर प्रोग्राम) में शामिल किया गया था। आज वहां कंक्रीट के साथ बाहरी लोगों को बसाने की योजना तैयार की जा रही है, वह भी पर्यावरणीय कानूनों की अनदेखी कर रहे हैं।

निकोबारी आदिवासियों के विरोध का सबसे बुनियादी और भावुक मुद्दा उनकी पैतृक भूमि है। 2004 की सुनामी ने निकोबार के भूगोल और समाज को पूरी तरह बदल दिया था। उस समय सुरक्षा कारणों से प्रशासन ने तटीय गांवों, विशेष रूप से चिनगेनह (Chingenh), पुलो बाहा (Pulo Baha), और कोकेओन (Kokeon) के निवासियों को अस्थायी शिविरों और पुनर्वास बस्तियों (जैसे कैंपबेल बे) में भेज दिया था।

ग्रेट निकोबार के जनजातीय परिषदाध्यक्षों का आरोप है कि उन्हें द्वीप के पश्चिमी तट पर अपनी पुश्तैनी ज़मीनें छोड़ देने के प्रमाण-पत्रों पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा गया, ताकि ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना के विकास को अनुमति दी जा सके। 22 जनवरी को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में द्वीप पर जनजातीय समितियों के प्रमुखों की तरफ से श्री बरनबास मंजु ने बताया कि जिला प्रशासन ने उन्हें सात जनवरी को एक बैठक के लिए बुलाया और फिर द्वीप के विकास के समर्थन के रूप में दिखाने के लिए उन्हें सरेंडर प्रमाण-पत्रों पर हस्ताक्षर करने को कहा गया, जिसका वे 2022 से विरोध कर रहे हैं।

उन्होंने बताया, "ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना में एक ट्रांसशिपमेंट कंटेनर पोर्ट, एक बड़ा टाउनशिप, एक ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट तथा गैस और सौर ऊर्जा संयंत्र का निर्माण शामिल है, जिसकी लागत 81,000 करोड़ (810 अरब) बताई गई है। यह भूमि 2004 के सुनामी तक 27 गांवों में निकोबारी लोगों द्वारा आबाद थी, जिसके बाद उन्हें फिर से बसाया गया और कैंपबेल बे के निकट ऊपरी पूर्वी तट पर राजीव नगर और न्यू चिंगेनह बस्तियों में स्थानांतरित किया गया। 'जब हमें पुनर्वासित किया गया था, तो हमें वादा किया गया था कि हम वापस आ सकेंगे।"

निकोबारी जनजातीय परिषद का तर्क है कि दो दशकों से वे अपनी इन पैतृक जमीनों पर वापस लौटने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उनके लिए ये जमीनें केवल मिट्टी का टुकड़ा नहीं, बल्कि उनके पूर्वजों की समाधियां, उनके पवित्र नारियल के बागान और उनकी सांस्कृतिक विरासत हैं। सरकार की नई योजना के तहत, इन्ही जमीनों पर अब 'कंटेनर टर्मिनल' और 'हवाई पट्टी' प्रस्तावित है। परिषद का आरोप है कि उन्हें अपनी ही जमीन से हमेशा के लिए बेदखल करने की साजिश रची जा रही है।

हाल ही में विरोध तब और उग्र हो गया जब यह बात सामने आई कि स्थानीय प्रशासन आदिवासियों से उनकी पैतृक भूमि के अधिकार छोड़ने के लिए 'सरेंडर सर्टिफिकेट' पर हस्ताक्षर करने का दबाव बना रहा है। जनजातीय परिषद ने स्पष्ट किया है कि सुनामी के बाद उन्हें केवल 'सुरक्षा' के लिए हटाया गया था, न कि उन्होंने अपनी जमीन का मालिकाना हक सरकार को सौंप दिया था। परिषद का कहना है कि प्रशासन यह भ्रम पैदा कर रहा है कि आदिवासी अपनी मर्जी से जमीन छोड़ रहे हैं, जबकि हकीकत में उन्हें डराया-धमकाया जा रहा है या विकास का झूठा लालच दिया जा रहा है।

निकोबारी परिषद के विरोध का सबसे मजबूत कानूनी आधार 'अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वन निवासी (वनाधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006' है। कानून के अनुसार, किसी भी विकास कार्य के लिए ग्राम सभा की 'स्वतंत्र, पूर्व और सूचित सहमति' (Free, Prior and Informed Consent) अनिवार्य है। परिषद ने केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय को लिखे पत्रों में आरोप लगाया है कि प्रशासन ने फर्जी तरीके से यह रिपोर्ट दी कि आदिवासियों के अधिकारों का निपटारा कर दिया गया है।

ग्रेट निकोबार द्वीप समूह ऐसी जंग का मैदान बना हुआ है, जहां एक तरफ आधुनिक भारत की विशाल रणनीतिक आकांक्षाएं हैं, दूसरी तरफ एक प्राचीन सभ्यता के अस्तित्व की पुकार।

सोशल फोरम

ऋत्विक की 'मेघे ढाका तारा'

ऋत्विक घटक की कालजयी फिल्म 'मेघे ढाका तारा' को उनकी जन्मशताब्दी के अवसर पर देखना एक सिनेमाई अनुभव भर नहीं है, वह एक गहरा, लगभग आध्यात्मिक पुनर्मिलन था— जैसे बरसों से बिछुड़ी किसी आत्मीय आवाज़ की प्रतिध्वनि अचानक भीतर के सबसे शांत कोने तक पहुंच जाए। यह फिल्म एक कथा भर नहीं कहती, यह उस सभ्यता की सामूहिक चीख है, जो अपने विकास की अंधी दौड़ में सबसे करुण, सबसे समर्पित आत्माओं को ही बलि वेदी पर चढ़ा देती है। यह उन दबे हुए रुदनों का कोलाज है, जिन्हें समाज ने अपनी सुविधाजनक चुप्पियों की दीवारों में चुन दिया है। नीता की अनसुनी सिसकियां, उसका निरंतर टलता हुआ जीवन, उसका त्याग जो किसी पुण्य की तरह नहीं, एक धीमी आत्म-क्षरण की तरह घटित होता है।

डॉ. उर्वशी
लेखिका

'मेघे ढाका तारा' देश-विभाजन की त्रासदी पर बनी घटक की त्रयी का पहला अध्याय है, पर यहां विभाजन भूगोल से अधिक मनुष्य के भीतर घटता है। नक्शों की रेखाएं यहां दिलों की दरारों में बदल जाती हैं। पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर कोलकाता के उपनगर में बसे एक शरणार्थी परिवार की कहानी में नीता एक साधारण पात्र नहीं, पूरे परिवार की रीढ़ है। पढ़ी-लिखी, स्वप्नशील, पर परिस्थितियों से जकड़ी हुई।

वह पिता की बीमारी का खर्च उठाती है, भाइयों की पढ़ाई चलाती है, घर की आर्थिक धुरी बनी रहती है। मां की कटुता सहती है और अपने प्रेम को बार-बार टाल देती है— जैसे अपने जीवन के हिस्सों को मोमबत्ती की तरह पिघलाकर दूसरों को उजाला देती जा रही हो। पर यह उजाला उसे नहीं बचाता; उसका शरीर, जो आत्मा का मंदिर होना चाहिए था, त्याग की नमी से गलने लगता है।

क्षय रोग उसकी देह में उसी तरह घर करता है जैसे अवहेलना उसके जीवन में। और प्रेम? वह भी उसके लिए कोई शरण नहीं बनता। उसकी ही बहन गीता चुपचाप उसके प्रिय को अपने हिस्से कर लेती है। यहां प्रेम नियति नहीं, अवसर है और अवसर हमेशा संवेदनशीलों के हिस्से नहीं आते।

घटक इस कथा को रचते नहीं, वे उसे जीते हैं। प्रकाश और अंधकार का उनका शिल्प किसी शास्त्रीय संगीत की रचना-प्रक्रिया जैसा है। कहीं संगीत अचानक फट पड़ता है, कहीं एक गहरी चुप्पी पूरे दृश्य का बोझ उठा लेती है। नीता की धीमी सिसकी, मां की खीझती सांसें, शंकर का स्वर— सब मिलकर एक ऐसा समवेत विलाप रचते हैं जो निजी होकर भी सामूहिक है, जैसे युगों से दबा कोई स्त्री-राग पहली बार खुलकर सुनाई दे रहा हो।

सामयिकी

समय को बांध लेने वाले अजित का असमय जाना

पिछले एक दशक में भाजपा के तूफान में देश के कई राजनीतिक जहाज क्रैश होते दिखे। महाराष्ट्र की राजनीति का पर्याय शिवसेना भी टूट-फूट कर बिखर गई। कांग्रेस का भी बुरा हाल हुआ। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भी बिखराव का शिकार हो गई। सूबे में दशकों से जमे-जमाए नेताओं का जनाधार बौना पड़ने लगा। ऐसे में अपने अपने क्रैश जहाज से जिंदा बचने का एक ही रास्ता था। बग़ावत कर भाजपा के साथ आ जाना। राष्ट्रवादी कांग्रेस के अजित पवार अपने चाचा और देश के सबसे वरिष्ठ सक्रिय नेता शरद पवार से बगावत कर भाजपा के कुनबे में शामिल हो गए। ऐसा ही कुछ शिवसेना के एकनाथ शिंदे ने किया। ये लोग विपक्ष के मरुस्थल से सत्ता की ताकत में बने रहे।

महाराष्ट्र सहित पूरे देश के सबसे वरिष्ठ और सक्रिय राजनीतिज्ञ शरद पवार की राजनीतिक दक्षता से भी चार कदम आगे थे उनके भतीजे अजित पवार। भाजपा की सुनामी ने जब महाराष्ट्र में शिवसेना तक को निगल लिया, ऐसे में सत्ता में खुद का राजनीतिक अस्तित्व टॉप टू में क़ायम रख पाना कोई मामूली बात नहीं थी। राजनीति में तोड़ना, जोड़ना, क्षमा, वफ़ा, दगा, छल-कपट सब जायज है। सियासत की यही खूबियां हैं। यहां कभी-कभी नकारात्मकता ही सकारात्मकता बन जाती है। अनैतिक फैसलों के बिना नेता न आगे बढ़ सकते हैं और न विरोधी से बच सकते हैं। सियासत के यही सिद्धांत हैं कि अपनी ताकत और नीतियों से सामने वाले को खत्म कर दो, दूसरा अधिक ताकतवर है और उसे पराजित करने में फिलहाल सक्षम नहीं हो, तो उससे हाथ मिला लो। उसके साथ आकर एक और एक ग्यारह बन जाओ।

नवेद शिकोह
वरिष्ठ पत्रकार

दादा कहे जाने वाले अजित पवार जानते थे कि सियासत में जनता से कनेक्ट रहें, जन विश्वास बनाए रहे तो जनाधार बना रहेगा और जनाधार व जनसमर्थन हो तो विचारधारा, पार्टी और सिद्धांतों को भी बदल लें तो भी फर्क नहीं पड़ता। अजित पवार कम बोलते थे, लेकिन उनका काम ज्यादा बोलता था। उनके करीबी संबंध हर पार्टी के नेता से थे। जनता से जुड़े रहना और अपनी जमीन से रिश्ता कायम रखना दादा की खूबी थी।

जब महाराष्ट्र के बड़े-बड़े दिग्गजों की राजनीति खत्म हो गई, सबका राजनीतिक जहाज क्रैश हो गया, ऐसे में अजित पवार अपने चाचा शरद पवार की सियासत के क्रैश जहाज से जिंदा बच निकलकर उप मुख्यमंत्री पद पर काबिज थे। वाकई दिवंगत अजित दादा में अदभुत खूबियां थीं। जनता के बीच रहने वाले जमीनी जनाधार वाले नेता तो थे ही, सियासत के सबसे बड़े हुनर दांव-पेंच और उलटफेर में माहिर थे। उन्होंने साबित किया था कि पार्टी और पार्टी की विचारधारा से कहीं ज्यादा जनाधार की ताकत होती है।

जब कभी महाराष्ट्र की राजनीति का जिक्र होगा तो कांग्रेस तोड़ कर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी बनाने वाले शरद पवार और एनसीपी के दो फाड़ करने वाले उनके भतीजे अजित पवार ज़रूर याद किए जाएंगे। चाचा बड़े पवार से अजित ने सियासत के सारे दांव-पेच सीखे। यही वजह रही कि चाचा से अलग होने के बावजूद वह अपना वजूद बनाए रखने में कामयाब रहे। यह बात दीगर है कि समय की नब्ज को पहचानने वाले अजित असमय दुनिया से विदा हो गए।

हम भी दरिया हैं हमें अपना हुनर मालूम है
जिस तरफ़ भी चल पड़ेंगे रास्ता हो जाएगा

इस पुराने शेर को सत्य साबित कर अजित दादा राजनीति के विद्यार्थियों को संदेश दे गए कि खुद में दम हो तो सत्ता आपके कदमों की आहट का इंतजार करती है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

खोज

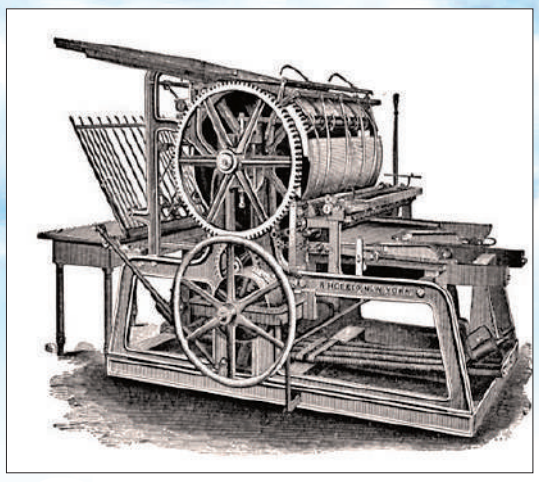

प्रिंटिंग मशीन

जर्मनी के मेंज (माइंस) शहर में वर्ष 1398 में जन्मे योहानेस गटेनबर्ग ने मानव इतिहास की सबसे क्रांतिकारी खोजों में से एक प्रिंटिंग मशीन का आविष्कार किया। पंद्रहवीं सदी तक पुस्तकों की दुनिया पूरी तरह हाथ से लिखी गई पांडुलिपियों और लकड़ी के गुटकों से होने वाली छपाई पर निर्भर थी। यह प्रक्रिया न केवल अत्यंत धीमी थी, बल्कि महंगी और सीमित भी थी। गटेनबर्ग ने इसी जटिल और श्रमसाध्य व्यवस्था को बदलने की नींव रखी। वर्ष 1439 में गटेनबर्ग ने मूवेबल टाइप प्रिंटिंग मशीन का आविष्कार किया। यह तकनीक अपने समय से कहीं आगे थी, क्योंकि इसमें लकड़ी के अक्षरों के स्थान पर धातु (मेटल) से बने अलग-अलग अक्षरों का उपयोग किया गया था। इन अक्षरों को जरूरत के अनुसार बदला और दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता था। यही विशेषता इस मशीन को पहले की सभी छपाई तकनीकों से अलग और अधिक प्रभावशाली बनाती थी।

गटेनबर्ग की प्रिंटिंग प्रेस की सबसे ऐतिहासिक उपलब्धि 1456 में सामने आई, जब जर्मनी के माइंस शहर में उनकी प्रेस से बाइबिल की पहली मुद्रित प्रति प्रकाशित हुई। इसे आज भी मुद्रण इतिहास की अमूल्य धरोहर माना जाता है। इस मशीन की एक बड़ी खासियत यह थी कि इससे किसी भी प्रकार के कागज पर साफ, स्पष्ट और तेज छपाई संभव हो सकी। जहां पहले की तकनीकों से दिनभर में केवल 40 से 50 पृष्ठ ही छप पाते थे, वहीं गटेनबर्ग की प्रिंटिंग मशीन से प्रतिदिन 1,000 से अधिक पृष्ठों की छपाई संभव हो गई। इस आविष्कार ने न केवल पुस्तकों को सस्ता और सुलभ बनाया, बल्कि ज्ञान, शिक्षा और विचारों के प्रसार को अभूतपूर्व गति दी। यह आविष्कार केवल तकनीकी परिवर्तन नहीं था, बल्कि सामाजिक और बौद्धिक क्रांति की शुरुआत भी था। मुद्रण के कारण ज्ञान सस्ता हुआ, शिक्षा का प्रसार हुआ और विचारों का आदान-प्रदान तेज हुआ।

वैज्ञानिक के बारे में

योहानेस गटेनबर्ग को यूरोप के इतिहास में उस व्यक्ति के रूप में जाने जाते हैं, जिन्होंने ज्ञान की दुनिया को आम लोगों तक पहुंचाने का रास्ता खोला। वे जर्मनी के मेंज (Mainz) शहर में जन्मे थे और पेशे से सुनार, आविष्कारक और मुद्रक थे। गटेनबर्ग का सबसे बड़ा योगदान था चल अक्षरों (Movable Type) वाली मुद्रण मशीन का विकास, जिसने पुस्तकों के निर्माण की प्रक्रिया को पूरी तरह बदल दिया। उनका आविष्कार मानव सभ्यता के उन दुर्लभ मोड़ों में से एक है, जिसने सोचने, सीखने और दुनिया को समझने के तरीके को हमेशा के लिए बदल दिया।

स्फीयर: रोमांचकारी अनुभव और मनोरंजन का मंच

कल्पना कीजिए आप एक विशाल सभागार में बैठे हैं। रोशनी धीमी पड़ती है और अचानक ऐसा लगता है मानो छत गायब हो गई हो। आपके ऊपर अनंत ब्रह्मांड फैल जाता है- तारे, आकाशगंगाएं, घूमते ग्रह। आप सिर्फ देख नहीं रहे, बल्कि उस दृश्य के भीतर मौजूद हैं। चेहरे पर ठंडी हवा का अहसास होता है, कुर्सी के नीचे हल्का कंपन महसूस होता है और कानों में आती आवाज इतनी साफ कि लगता है कोई आपके बिल्कुल पास खड़ा होकर बोल रहा हो। यह न तो किसी विज्ञान-कथा फिल्म का दृश्य है और न ही भविष्य की कोरी कल्पना- यह यथार्थ है। अमेरिका के लास वेगास में बना स्फीयर (Sphere) मनोरंजन की दुनिया में इसी यथार्थ को संभव बनाता है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

तकनीक जो लगती है जादू जैसी

स्फीयर का सबसे बड़ा आकर्षण इसका 16K रैपअराउंड एलईडी स्क्रीन है, जो दर्शकों को चारों ओर से घेर लेता है। लगभग 1,60,000 वर्ग फुट में फैला यह दृश्य-परिदृश्य यह सुनिश्चित करता है कि दर्शक जहां भी बैठा हो, अनुभव का केंद्र वही हो। इमारत की बाहरी सतह करीब 5,80,000 वर्ग फुट खुद एक विशाल डिजिटल कैनवस है, जो रात के समय पूरे लास वेगास के आकाश को एक चलती-फिरती दृश्य-कला में बदल देती है। दृश्य जितने भव्य हैं, ध्वनि तकनीक उससे भी आगे जाती है। जर्मन कंपनी HOLOPLOT द्वारा डिजाइन की गई प्रणाली में 1,64,000 से अधिक साउंड ड्राइवर्स लगे हैं, जो उन्नत तकनीक के जरिए हर सीट तक सटीक ध्वनि पहुंचाते हैं। इसका परिणाम यह है कि एक ही कार्यक्रम में बैठे दो दर्शकों को भी आवाज का अनुभव थोड़ा अलग लग सकता है। इसके साथ सीटों में कंपन, तापमान और अन्य सेंसरी प्रभाव दर्शक को सिर्फ देखने-सुनने तक सीमित नहीं रखते, बल्कि उसे अनुभव का सक्रिय हिस्सा बना देते हैं।

थिएटर नहीं, एक जीवंत अनुभव

स्फीयर कोई साधारण थिएटर या स्टेडियम नहीं है। यह ऐसा मंच है, जहां दर्शक कार्यक्रम को सिर्फ देखते नहीं, बल्कि उसके भीतर प्रवेश कर जाते हैं। वे उसे जीते हैं। मनोरंजन के इतिहास में इसे तकनीक और अनुभव के मेल की एक असाधारण छलांग कहा जा सकता है। जिस तरह कभी मूक फिल्मों से 'टॉकीज' और श्वेत-श्याम से रंगीन सिनेमा तक का सफर एक ऐतिहासिक मोड़ था, उसी तरह स्फीयर उस दौर का संकेत है, जहां मनोरंजन सिर्फ देखा नहीं जाता- महसूस किया जाता है, जिया जाता है।

एक महत्वाकांक्षी परियोजना और विशाल संरचना

करीब 2.3 अरब डॉलर की लागत से निर्मित यह संरचना दुनिया की सबसे बड़ी गोलाकार मनोरंजन इमारतों में गिनी जाती है। 2018 में मेडिसन स्क्वायर गार्डन समूह के प्रमुख जेम्स डॉलन की परिकल्पना के रूप में शुरू हुआ यह प्रोजेक्ट महामारी और वैश्विक सप्लाई-चेन संकट जैसी बाधाओं के बावजूद 2023 में पूरा हुआ। 366 फीट ऊंचाई और 516 फीट व्यास वाली यह इमारत केवल वास्तुकला की उपलब्धि नहीं, बल्कि 'अनुभव-आधारित तकनीक' का प्रतीक भी है।

विज्ञापन और शहर का नया चेहरा

स्फीयर की बाहरी सतह, जिसे 'एक्सोस्फीयर' कहा जाता है। तकनीकी रूप से और भी अधिक क्रांतिकारी है। लगभग 5,80,000 वर्ग फुट की यह पूर्ण-रंग एलईडी स्क्रीन दिन-रात सक्रिय रहती है। कभी यह पृथ्वी का रूप ले लेती है, कभी मंगल ग्रह का, तो कभी किसी उत्सव या कल्पनालोक का दृश्य बन जाती है। मार्केटिंग के लिहाज से यह दुनिया के सबसे दृश्यमान और प्रभावशाली विज्ञापन माध्यमों में शामिल हो चुकी है। लास वेगास आने वाला लगभग हर व्यक्ति इसे देखता है- चाहे वह पर्यटक हो, चालक हो या केवल आकाश की ओर देखने वाला राहगीर।

उद्घाटन से वैश्विक पहचान तक

सितंबर 2023 में आयरिश बैंड यू-2 के उद्घाटन कार्यक्रम ने दुनिया को पहली बार इस मंच की पूरी क्षमता से परिचित कराया। इसके बाद फिल्म निर्देशक डैरेन एरोनोफस्की की फिल्मपोस्टकार्ड फ्रॉम अर्थ ने यह स्पष्ट कर दिया कि स्फीयर सिर्फ संगीत या शो का मंच नहीं, बल्कि कहानी कहने और सिनेमा की भाषा को नए सिरे से गढ़ने का एक बिल्कुल नया माध्यम है। कुछ ही महीनों में बड़े आयोजनों और वैश्विक ब्रांड अभियानों ने इसे तकनीकी कौतूहल से आगे बढ़ाकर आर्थिक रूप से व्यवहार्य मंच बना दिया।

भव्यता के साथ आती चुनौतियां

इतनी विशाल और अत्याधुनिक संरचना अपने साथ चुनौतियां भी लाती है। अत्यधिक लागत और लगातार उच्च-स्तरीय कंटेंट की जरूरत इसे एक साहसिक और जोखिम भरा प्रयोग बनाती है। इतनी विशाल डिजिटल संरचना के संचालन के लिए भारी मात्रा में ऊर्जा की आवश्यकता होती है। पर्यावरणीय स्थिरता और शहरी नियोजन के संदर्भ में इस तरह की परियोजनाएं गंभीर समीक्षा की मांग करती हैं। हालांकि सौर ऊर्जा और सीमित प्रकाश मोड जैसे उपायों के जरिए इन समस्याओं को कम करने की कोशिश की जा रही है।

भविष्य की दिशा

स्फीयर यह संकेत देता है कि भविष्य का मनोरंजन निष्क्रिय नहीं होगा। आने वाले समय में प्रतिस्पर्धा केवल स्टेडियमों, सिनेमाघरों या शो की नहीं होगी, बल्कि उन अनुभवों की होगी, जो मानव मन और शरीर दोनों को गहराई से छू सकें। तकनीक तैयार है, मंच सजा हुआ है। अब चुनौती रचनात्मकता की है कि इस विशाल कैनवास पर हम कौन-सी कहानियां रचते हैं। क्योंकि जब तकनीक संस्कृति से मिलती है, तब इतिहास लिखा नहीं जाता, जिया जाता है।

भारतीय परिप्रेक्ष्य: अवसर और प्रश्न

भारत के संदर्भ में यह अनुभव कई अहम सवाल खड़े करता है। हमारे पास तकनीकी दक्षता, युवा प्रतिभा और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत-तीनों मौजूद हैं। सवाल यह नहीं कि भारत स्फीयर जैसी संरचना बना सकता है या नहीं, असली प्रश्न यह है कि क्या हम इसे केवल पश्चिमी मॉडल की नकल के रूप में अपनाएंगे या अपनी कला, मिथक, इतिहास, विज्ञान और भविष्य-दृष्टि को वैश्विक मंच पर नए रूप में प्रस्तुत करेंगे। यदि ऐसे केंद्रों को केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और शैक्षिक नवाचार के रूप में देखा जाए, तो वे पर्यटन, रोजगार और रचनात्मक उद्योगों में नई ऊर्जा भर सकते हैं।

जंगल की दुनिया

मंदारिन बत्तख: पंखों पर उतरती बसंत ऋतु

बसंत और ग्रीष्म ऋतु के आगमन के साथ ही प्रकृति मानो अपने सबसे चमकदार रंगों में सज उठती है और इसी रंगीन उत्सव का जीवंत प्रतीक है मंदारिन बत्तख। प्रजनन काल में नर मंदारिन बत्तख के पंख असाधारण रूप से आकर्षक हो जाते हैं। लाल, नारंगी, नीले, हरे और सफेद रंगों का अनूठा संयोजन इसे दूर से ही पहचानने योग्य बना देता है।

मंदारिन बत्तख सजीली कलगी, पंखों की विशिष्ट बनावट और चमकदार चोंच इसे दुनिया की सबसे सुंदर बत्तखों में स्थान दिलाती है। इसके विपरीत मादा मंदारिन अपेक्षाकृत साधारण होती है। उसके भूरे रंग के पंख और सादी चोंच उसे प्राकृतिक वातावरण में छिपने में मदद करते हैं, जो प्रजनन और सुरक्षा की दृष्टि से उपयोगी है। प्रजनन काल समाप्त होते ही नर मंदारिन के रंग भी फीके पड़ जाते हैं। उसके पंख भूरे और धूसर रंग के हो जाते हैं, जिससे वह मादा के समान दिखाई देने लगता है। यह परिवर्तन प्रकृति की उस व्यवस्था को दर्शाता है, जहां सौंदर्य केवल आकर्षण का माध्यम नहीं, बल्कि अस्तित्व और संतुलन का हिस्सा भी है। मंदारिन बत्तख का वैज्ञानिक नाम ऐक्स गैलेरिकुलता (Aix galericulata) है। इसकी पहचान सबसे पहले वर्ष 1758 में स्वीडिश वनस्पतिशास्त्री, चिकित्सक और प्राणी विज्ञानी कार्ल लिनिअस ने की थी।

अपने अद्वितीय रंगों और सीमित प्राकृतिक खतरों के कारण इसे अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) की रेड लिस्ट में 'संकट मुक्त' श्रेणी में रखा गया है। सामान्यत: मंदारिन बत्तखें रूस, कोरिया, जापान और चीन के उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में प्रजनन करती हैं। समय के साथ इनका विस्तार पश्चिमी यूरोप और अमेरिका तक भी देखा गया है। भारत में इसका पहला रिकॉर्ड वर्ष 1902 में असम के तिनसुकिया जिले के रोंगगोरा क्षेत्र में, डिब्रू नदी के तट पर दर्ज किया गया था। चीन और जापान की मूल निवासी मंदारिन बत्तख न केवल जैव विविधता का अद्भुत उदाहरण है, बल्कि सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। नर मंदारिन के मनोहारी रंगों ने सदियों से कलाकारों को प्रेरित किया है।

आर्द्रभूमि: विज्ञान, जीवन और संस्कृति का संगम

डॉ. जितेंद्र शुक्ला
वन्य जीव विशेषज्ञ

भारतीय संस्कृति में प्रकृति को केवल संसाधन नहीं, बल्कि जीवनदायिनी और पूजनीय सत्ता के रूप में देखा गया है। जल, भूमि, वन और जीव-जंतु—सभी को धर्म, दर्शन और जीवन पद्धति से जोड़ा गया। इसी सांस्कृतिक दृष्टि का एक अत्यंत महत्वपूर्ण, लेकिन आज उपेक्षित पक्ष हैं आर्द्रभूमियां- तालाब, झीलें, सरोवर, नदी किनारे के दलदली क्षेत्र, बाढ़ के मैदान और तटवर्ती जलक्षेत्र। भारतीय सभ्यता के विकास, धार्मिक परंपराओं, सामाजिक जीवन और आजीविका में आर्द्रभूमियों की भूमिका केंद्रीय रही है। प्राचीन भारत में आर्द्रभूमियों को केवल जलस्रोत नहीं माना गया, बल्कि उन्हें सांस्कृतिक और आध्यात्मिक केंद्र का दर्जा प्राप्त था। वेदों में जल को जीवन का मूल तत्व कहा गया है- 'आप: प्राणा:'। ऋग्वेद, अथर्ववेद और उपनिषदों में जलाशयों, नदियों और सरोवरों की महिमा का विस्तार से वर्णन मिलता है। यह दृष्टि स्पष्ट करती है कि भारतीय संस्कृति में आर्द्रभूमियां जीवन के संरक्षण और संतुलन का प्रतीक रही हैं।

भारतीय धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं में आर्द्रभूमियों का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। देश के लगभग हर प्रमुख तीर्थ का संबंध किसी न किसी नदी, सरोवर या जलाशय से जुड़ा हुआ है। काशी में गंगा, प्रयाग में संगम, पुष्कर का सरोवर और अमृतसर का अमृत सरोवर इस तथ्य के जीवंत उदाहरण हैं। ये आर्द्रभूमियां केवल जल स्रोत नहीं थीं, बल्कि पूजा, तप, संस्कार और आत्मशुद्धि का माध्यम भी थीं। मंदिरों के साथ निर्मित पुष्करणी, कुंड और बावड़ियां स्थापत्य की उत्कृष्ट कृतियां होने के साथ-साथ सामाजिक और धार्मिक जीवन का अभिन्न अंग थीं।

भारतीय ग्रामीण जीवन की धुरी भी आर्द्रभूमियां ही रही हैं। गांव का तालाब सिर्फ पानी भरने की जगह नहीं था, बल्कि सामूहिक चेतना का केंद्र था। वहीं से सिंचाई होती थी, पशुओं को पानी मिलता था, मछली पालन होता था और अनेक लोक परंपराएं जन्म लेती थीं। छठ पूजा, कार्तिक स्नान, गंगा दशहरा और मकर संक्रांति जैसे पर्व सीधे तौर पर जल और आर्द्रभूमियों से जुड़े हुए हैं। ये उत्सव दर्शाते हैं कि भारतीय संस्कृति में जल केवल भौतिक आवश्यकता नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान था।

भारतीय दर्शन के पंचमहाभूत सिद्धांत में जल और पृथ्वी के संतुलन को जीवन का आधार माना गया है। आर्द्रभूमियां इसी संतुलन की जीवंत अभिव्यक्ति हैं, जहां जल और भूमि का समन्वय होता है। इसी कारण तालाब या सरोवर को पाटना पाप और जलाशय निर्माण को पुण्य कार्य माना गया। इतिहास भी इस सोच की पुष्टि करता है। मौर्य, गुप्त, चोल और विजयनगर काल में तालाबों और जलाशयों का व्यापक निर्माण हुआ। दक्षिण भारत का एरी सिस्टम, राजस्थान की जोहड़ और उत्तर भारत की बावड़ियां भारतीय समाज की वैज्ञानिक और सामुदायिक जल-संरक्षण परंपरा का प्रमाण हैं।

लोक साहित्य और परंपराओं में भी आर्द्रभूमियों की गहरी छाप दिखाई देती है। लोकगीतों और कथाओं में तालाब, कमल, मछली और पक्षियों का बार-बार उल्लेख मिलता है। दलदली जल में खिलने वाला कमल भारतीय संस्कृति में पवित्रता और सौंदर्य का प्रतीक बना। लक्ष्मी और सरस्वती जैसी देवियों का कमल पर विराजमान होना आर्द्रभूमियों के सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करता है।

आधुनिक विज्ञान जिन गुणों को आज आर्द्रभूमियों की विशेषता मानता है। जल संरक्षण, जैव विविधता, बाढ़ नियंत्रण और भूजल पुनर्भरण, उनका अनुभव भारतीय समाज ने सदियों पहले अपने जीवन में उतार लिया था। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार आर्द्रभूमियां पृथ्वी की कुल भूमि का लगभग छह प्रतिशत क्षेत्र घेरती हैं, लेकिन इसके बावजूद विश्व की लगभग चालीस प्रतिशत जैव विविधता को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहारा देती हैं। ये प्राकृतिक स्पंज की तरह कार्य करती हैं, जो अत्यधिक वर्षा के समय बाढ़ को नियंत्रित करती हैं और सूखे में नमी बनाए रखती हैं।

भूजल पुनर्भरण में भी इनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। जब आर्द्रभूमियां नष्ट होती हैं, तो इसका सीधा असर भूजल स्तर पर पड़ता है। इसके अलावा ये प्राकृतिक जल शोधन संयंत्र की तरह काम करती हैं। पौधे और सूक्ष्म जीव प्रदूषकों को अवशोषित कर जल को स्वच्छ बनाते हैं। जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में भी आर्द्रभूमियां कार्बन सिंक के रूप में महत्वपूर्ण हैं, विशेषकर मैंग्रोव और पीटलैंड क्षेत्र। दुर्भाग्यवश आधुनिक विकास की अंधी दौड़ में आर्द्रभूमियां अतिक्रमण, प्रदूषण और उपेक्षा का शिकार हो रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार पिछली एक सदी में विश्व की लगभग पैंतीस प्रतिशत आर्द्रभूमियां नष्ट हो चुकी हैं। जब तालाब सूखते हैं, तो केवल जल नहीं, बल्कि उससे जुड़ी संस्कृति, परंपरा और सामूहिक स्मृति भी समाप्त हो जाती है।

अंततः यह समझना होगा कि आर्द्रभूमियां प्रकृति का कोई अलग-थलग हिस्सा नहीं हैं, बल्कि वही कड़ी हैं, जो जल, भूमि, वायु और जीवन को एक सूत्र में बांधती हैं। यदि आर्द्रभूमियां सुरक्षित हैं, तो नदियां जीवित रहेंगी, भूजल स्थिर रहेगा, जैव विविधता फलती-फूलती रहेगी और जलवायु संतुलन बना रहेगा, लेकिन यदि इन्हें नजरअंदाज किया गया, तो विकास के सारे दावे खोखले साबित होंगे। इसलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि आर्द्रभूमियों पर ही प्रकृति का संतुलन टिका है और उनका संरक्षण हमारे भविष्य की अनिवार्य शर्त है।

वैज्ञानिक फैक्ट

मानव मस्तिष्क जला सकता है 20 वॉट का बल्ब

मानव मस्तिष्क अपनी जटिलता और शक्ति के कारण प्रकृति का सबसे अद्भुत अंग माना जाता है। यह लगातार विद्युत और रासायनिक प्रक्रियाओं के माध्यम से काम करता है। हमारे मस्तिष्क में लगभग 86 अरब न्यूरॉन्स हैं, जो निरंतर संदेशों का आदान-प्रदान करते रहते हैं। इस संचार प्रक्रिया में हर न्यूरॉन विद्युत आवेग (Electrical Impulse) उत्पन्न करता है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि मस्तिष्क द्वारा उत्पन्न कुल ऊर्जा लगभग 20 वॉट होती है, जो एक छोटे लैंप को जलाने के लिए पर्याप्त है। यह ऊर्जा केवल बिजली का उत्पादन नहीं करती, बल्कि हमारी सोचना, सीखना, याददाश्त और भावनाओं की गतिविधियों का आधार भी है।

न्यूरॉन्स में सूचनाओं का तेज आदान-प्रदान शरीर के हर अंग को नियंत्रित करता है। मस्तिष्क के इस नेटवर्क की जटिलता इतनी है कि एक ही समय में हम कई कार्य कर सकते हैं-सोच सकते हैं, निर्णय ले सकते हैं, समस्याओं का समाधान कर सकते हैं और शरीर की क्रियाओं को संतुलित रख सकते हैं। हालांकि यह विद्युत ऊर्जा हमारे प्रत्यक्ष उपयोग के लिए उपलब्ध नहीं है, फिर भी यह हमारे मस्तिष्क की अद्भुत कार्यप्रणाली और जैविक डिजाइन की शक्ति को प्रमाणित करती है। हर पल जब हम सोचते, याद करते या महसूस करते हैं, तब हमारे भीतर लगभग 20 वॉट की निरंतर ऊर्जा काम कर रही होती है। इस ऊर्जा का अध्ययन न केवल मानव मस्तिष्क की कार्यक्षमता को समझने में मदद करता है, बल्कि यह हमें जीवन की जटिल प्रक्रियाओं और हमारे शरीर के अद्भुत संतुलन का एहसास भी कराता है। मस्तिष्क का यह विद्युत नेटवर्क यह दर्शाता है कि सोचने और महसूस करने की क्षमता केवल जैविक मशीनरी का परिणाम नहीं, बल्कि प्रकृति की सटीक योजना और अद्भुत रचना का प्रतीक है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	82,566.37	25,418.90
बढ़त	221.69	76.15
प्रतिशत में	0.27	0.30

सोना 1,83,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी 4,04,500 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 30 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2610, राज श्री 1940, फ़ॉर्चून कि. 2425, रविन्द्रा 2530, फॉर्चुन 13 किग्रा 2145, जय जवान 2140, सचिन 2130, सूरज 2140, अवसर 1945, उजाला 2125, गृहणी 13 किग्रा 1985, क्लासिक (किग्रा) 2325, मोर 2335, चक्र टिन 2375, ब्लू 2215, आशीर्वाद मस्टर्ड 2400, स्वास्तिक 2560

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 18000-23000, धनिया 9400-12000, अजवाइन 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, **प्रति कि. :** लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किशमिश पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल प्रति कु. : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ती नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8400, गौरी प्रीमियम 9800, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4150,लाडली 4100

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9700, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450, मलका दाल 7350-9200, मलका छांटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10600, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800-8400, सच्चा हीरा 8900, मोटा हीरा 10000, अरहर गोला मोटा 9000, अरहर पटका मोटा 9800, अरहर कोरा मोटा 10100, अरहर पटका छोटा 11500-12000, अरहर कोरी छोटी 13200

चीनी : पीलीभीत 4400, बहेड़ी 4220

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3200, मसूरी- 720, बासमती- 5400, परमल- 1000

दाल दलहन : काला चना- 2100, साबुत चना दाल- 1200, मूंग साबुत- 4200, राजमा- 8200-11000, दाल उड़द- 5200, साबुत मसूर दाल- 2000, मसूर दाल- 150, उड़द साबुत- 3400, काबुली चना- 7700, अरहर दाल- 10400, लोबिया/करमानी- 1600

वैश्वीकरण का अंत करीब, स्वदेशी को टाल नहीं सकते

बजट सत्र: आर्थिक समीक्षा में समय की बर्बादी से बचने पर जोर, कहा- देश के लिए मैराथन को भी तेजी से दौड़ने जैसी स्थितियां

नई दिल्ली, एजेंसी

बढ़ते निर्यात नियंत्रण, विकसित देशों की ओर से प्रौद्योगिकी देने से इन्कार और कार्बन कर व्यवस्था वास्तव में वैश्वीकरण के अंत का संकेत दे रहे हैं। ऐसे में भारत में स्वदेशी नीतियों पर ध्यान देना अपरिहार्य और आवश्यक हो गया है। संसद में बृहस्पतिवार को पेश की गई आर्थिक समीक्षा में इस पर जोर दिया गया है।

वित्त वर्ष 2025-26 की आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि भारत को आयात प्रतिस्थापन, रणनीतिक मजबूती और रणनीतिक अनिवार्यता की अपनी निकट, मध्यम और दीर्घकालिक नीतिगत प्राथमिकताओं को एक साथ आगे बढ़ाना होगा। समय बर्बाद करने का कोई मौका नहीं है। यह एक ही समय में मैराथन और तेजी से दौड़ने जैसा है या मैराथन को तेजी से दौड़ना दौड़ना है। कहा गया कि वर्तमान में कोई भी देश ऐसे वातावरण में काम कर रहा है जहां कच्चा माल, प्रौद्योगिकी और बाजारों तक पहुंच को निर्बाध या स्थायी नहीं माना जा सकता है। निर्यात नियंत्रण, प्रौद्योगिकी प्रतिबंध, कार्बन सीमा तंत्र और पश्चिम एवं पूर्व दोनों देशों की औद्योगिक नीतियां सीधे तौर पर वैश्वीकरण के खात्मे का संकेत है।

समीक्षा में कहा गया है, ऐसी परिस्थितियों में स्वदेशी एक रक्षात्मक और आक्रामक नीतिगत साधन बन जाता है। यह बाहरी झटकों के बावजूद उत्पादन की निरंतरता सुनिश्चित करने का एक माध्यम है और आर्थिक संप्रभुता को सुदृढ़ करने वाली स्थायी राष्ट्रीय क्षमताओं के निर्माण का रास्ता साफ करता है। सवाल अब यह नहीं है कि राज्य को स्वदेशी को प्रोत्साहित करना चाहिए या नहीं, बल्कि यह है कि दक्षता, नवाचार या वैश्विक एकीकरण को कमजोर किए बिना ऐसा कैसे किया जाए।

मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी की।

सोशल मीडिया के इस्तेमाल के लिए तय हो उम्र सीमा

नई दिल्ली। बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के वैश्विक संकेतों का हवाला देते हुए सरकार की आर्थिक समीक्षा में बृहस्पतिवार को कहा गया कि ऑनलाइन मंच का इस्तेमाल करने के लिए उम्र आधारित सीमा पर विचार किया जाना चाहिए। साथ ही, डिजिटल लत से बचने के लिए ऑनलाइन शिक्षण में भी कटौती की जानी चाहिए।

समीक्षा में कहा गया कि बच्चों को हानिकारक सामग्री से बचाने के लिए शैक्षिक सामग्री तक पहुंच को सरल उपकरणों जैसे साधारण फोन या टैबलेट को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इसके साथ उम्र आधारित पहुंच सीमा को लेकर नीतियों पर विचार किया जा सकता है, क्योंकि कम उम्र के उपयोगकर्ता अनिवार्य उपयोग और हानिकारक सामग्री के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। मंच को उम्र के सत्यापन और उम्र के अनुरूप डिफॉल्ट सेटिंग लागू करने के लिए जिम्मेदार बनाया जाना चाहिए। यह विशेष रूप से सोशल मीडिया, जुए वाले एप, 'ऑटो-प्ले' फीचर्स और लक्षित विज्ञापनों के लिए अनिवार्य होना चाहिए।

मुफ्त रेवड़ी : केंद्र की तारीफ, राज्यों की लोकलुभावन योजनाओं पर चिंता

नई दिल्ली। आर्थिक समीक्षा में चिंता जताई गई है कि राज्यों की ओर से लोकलुभावन घोषणाओं, नकद अंतरण के कारण पूंजीगत व्यय प्रभावित होने से उनका राजस्व घाटा बढ़ रहा है। कहा गया कि राज्य स्तर पर किसी भी प्रकार की राजकोषीय अनुशासनहीनता का सीधा असर देश की उधारी लागत पर पड़ता है। कहा गया, जहां केंद्र ने रिकॉर्ड सार्वजनिक निवेश के साथ अपने खर्च को संतुलित रखा है, वहीं कई राज्यों में बढ़ते राजस्व घाटे और बिना शर्त नकद अंतरण वृद्धि को बढ़ावा देने वाले खर्च को प्रभावित कर रहे हैं, जो नए जोखिम पैदा कर रहे हैं। कई राज्यों में बिना शर्त नकद अंतरण योजनाएं तेजी से बढ़ रही हैं और अब राज्य-स्तरीय कल्याणकारी खर्च का एक बड़ा हिस्सा बन गई हैं। विशेष रूप से महिलाओं के लिए चल रही इन योजनाओं पर वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 1.7 लाख करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

जंक फूड के विज्ञापन सुबह से देर रात तक रोकने की सिफारिश

नई दिल्ली। अधिक वसा एवं चीनी वाले अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों (यूपीएफ) की बढ़ती खपत पर गंभीर चिंता जताते हुए सुबह से देर रात तक इन उत्पादों के विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव दिया है। कहा गया है कि शिशु और छोटे बच्चों के इस्तेमाल वाले दूध एवं पेय पदार्थों के विपणन पर भी सख्त पाबंदियों की जरूरत है। उच्च वसा, चीनी और नमक वाले खाद्य पदार्थों के लिए चेतावनी के साथ पैकेट के सामने वाले हिस्से पर पोषण संबंधी सूचना देने और बच्चों को लक्षित विपणन पर लगाम लगाने का सुझाव दिया गया है। यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया है कि व्यापार समझौते किसी भी तरह से सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों को कमजोर न करें। समीक्षा के मुताबिक, नुकसानदेह खाद्य उत्पाद (जंक फूड) के रूप में चिह्नित बर्गर, नूडल्स, पिज्जा एवं शीतल पेय का बढ़ता सेवन दुनियाभर में दीर्घकालिक बीमारियों को बढ़ावा दे रहा है। 2009 से 2023 के बीच भारत में यूपीएफ की खुदरा बिक्री 2006 के 90 करोड़ डॉलर से बढ़कर 2019 में लगभग 38 अरब डॉलर हो गई जो करीब 40 गुना अधिक है। इस दौरान पुरुषों और महिलाओं दोनों में मोटापा लगभग दोगुना हो गया।

यूरिया की कीमतों को बढ़ाने और किसानों को डीबीटी का सुझाव

नई दिल्ली। आर्थिक समीक्षा में यूरिया की खुदरा कीमत में मामूली बढ़ोतरी करने की बात कही गई है जो मार्च 2018 से 242 रुपये प्रति 45 किलो बैग है। इसके समान राशि किसानों को प्रति एकड़ आधार पर हस्तांतरित की जाएगी। कहा गया है कि लागत सब्सिडी से आय सहायता की ओर प्रस्तावित बदलाव का लक्ष्य उर्वरक के उपयोग में तीन दशक पुराने असंतुलन को ठीक करना है, जो मिट्टी की गुणवत्ता को खराब कर रहा है और फसल की पैदावार को कम कर रहा है। आर्थिक समीक्षा में बताया गया है कि भारतीय किसानों द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला नाइट्रोजन-फॉस्फोरस-पोटेशियम (एनपीके) अनुपात वर्ष 2009-10 में 4:3.2:1 से घटकर वर्ष 2023-24 में 10.9:4.1:1 हो गया है, जिसका मुख्य कारण सब्सिडी वाले यूरिया के माध्यम से अत्यधिक नाइट्रोजन का उपयोग है। कृषि संबंधी मानक अधिकांश फसलों और मिट्टी के प्रकारों के लिए 4:2:1 के करीब अनुपात का सुझाव देते हैं।

आशावादी आर्थिक समीक्षा से बाजार ने तेजी पकड़ी, सेंसेक्स 222 अंक मजबूत

मुंबई। टाटा स्टील एवं लार्सन एंड टुब्रो में जबर्दस्त खरीदारी और आर्थिक समीक्षा 2025-26 में अगले वित्त वर्ष के लिए 6.8 से 7.2 प्रतिशत का वृद्धि अनुमान जताए जाने से बृहस्पतिवार को स्थानीय शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन चढ़कर बंद हुए। सेंसेक्स में 222 अंक की बढ़त रही जबकि निफ्टी 76 अंक बढ़ा।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स दोपहर के सत्र में बढ़ी लिवाली के दम पर 221.69 अंक यानी 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82,566.37 अंक पर बंद हुआ। हालांकि, सुबह के कारोबार में यह 636.74 अंक टूटकर 81,707.94 अंक तक गिर गया था। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 76.15 अंक यानी 0.30 प्रतिशत चढ़कर 25,418.90 अंक पर बंद हुआ। सुबह के कारोबार में निफ्टी 25,159.80 अंक तक फिसल गया था। विश्लेषकों ने कहा कि वैश्विक बाजारों में तेजी और विदेशी कोषों के निवेश में बढ़ोतरी ने प्रमुख सूचकांकों को निचले स्तर से उबारने में मदद की।

देश में इंटरनेट इस्तेमाल करने वाले 95 करोड़ के पार

बेंगलुरु, एजेंसी

- **ग्रामीण उपयोगकर्ताओं की संख्या 57 प्रतिशत, पिछले साल की तुलना में आठ प्रतिशत वृद्धि**

ग्रामीण संपर्क में तेजी, शॉर्ट वीडियो के बढ़ते चलन और एआई के बढ़ते इस्तेमाल के कारण वर्ष 2025 में भारत में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले लोगों की संख्या 95 करोड़ के पार पहुंच गई है। इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर से बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट में यह आंकड़ा दिया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में से 57 प्रतिशत यानी लगभग 54.8 करोड़ ग्रामीण भारत से हैं। इन रुझानों पर आधारित 'इंटरनेट इन इंडिया रिपोर्ट 2025' को कर्नाटक सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी/बीटी और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की सचिव मंजुला एन की उपस्थिति में 'इंडिया डिजिटल समिट' में जारी किया गया। रिपोर्ट को 'इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया' और कांतार ने संयुक्त रूप से तैयार किया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अब 95.8 करोड़ सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं। यह पिछले वर्ष की तुलना में आठ प्रतिशत वृद्धि है जो दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते डिजिटल बाजारों में भारत की स्थिति को और पुख्ता करती है। बताया गया है कि भारत में एआई का उपयोग तेजी से बढ़ा है। करीब 44 प्रतिशत लोग वॉयस सर्च, इमेज-आधारित सर्च, चैटबॉट और एआई फिल्टर जैसे फीचर्स का इस्तेमाल कर रहे हैं।

युवा कर रहे हैं सबसे ज्यादा एआई का इस्तेमाल

रिपोर्ट में कहा गया है कि युवाओं (15-24 वर्ष) में एआई का सबसे अधिक 57 प्रतिशत उपयोग देखा गया है। इसके बाद 25 से 44 वर्ष के लोग हैं, जिसमें 52 प्रतिशत लोगों ने एक साल के दौरान एआई का इस्तेमाल किया है। इसी तरह, शॉर्ट वीडियो मंच भी विकास के मुख्य चालक बनकर उभरे हैं। वर्ष 2025 में 61 प्रतिशत यानी लगभग 58.8 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने शॉर्ट-वीडियो देखे, जिनमें ग्रामीणों की संख्या शहरी लोगों से थोड़ी अधिक रही। ईकॉमर्स और डिजिटल आदतें रिपोर्ट में बताया गया है कि पारंपरिक ऑनलाइन बाजारों के अलावा अब 'क्विक कॉमर्स' और 'सोशल कॉमर्स' का चलन भी बढ़ रहा है। शहरी क्षेत्रों के 23 करोड़ लोगों ने एक साल में ऑनलाइन खरीदारी की।

केरल सरकार ने पेश किया चुनावी बजट

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

केरल के वित्त मंत्री केएन बालागोपाल ने विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए 2026-27 के लिए बृहस्पतिवार को जनकेंद्रित बजट पेश किया। इसमें सामाजिक सुरक्षा पेंशनभोगियों की मदद के लिए 14,500 करोड़ रुपये की भारी राशि और कई नए सामुदायिक कार्यक्रमों के वित्तपोषण का प्रस्ताव है।

मुख्यमंत्री पिनराई विजयन नीत दूसरी सरकार का छठा बजट पेश करते हुए बालागोपाल ने विधानसभा में मान्यता प्राप्त आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में 1,000 रुपये माह जबकि आंगनबाड़ी सहायकों के मानदेय में 500 रुपये की वृद्धि की घोषणा की। उन्होंने बताया कि प्राथमिक विद्यालय के पूर्व शिक्षकों और साक्षरता अभियान के प्रेरकों के वेतन में 1,000 रुपये प्रति माह की वृद्धि जबकि विद्यालय के रसोइयों की दैनिक मजदूरी में 25 रुपये प्रति दिन की बढ़ोतरी का प्रस्ताव है।

- **पेंशनभोगियों के लिए14,500 करोड़, आशा और आंगनबाड़ी वर्कर का मानदेय बढ़ाया**

बजट में मुख्यमंत्री की स्त्री सुरक्षा योजना के लिए 3,700 करोड़ रुपये की घोषणा भी की गई है। इसके अलावा बजट में ग्रामीण रोजगार योजना के लिए पिछले वर्ष की तुलना में 1,000 करोड़ रुपये के आवंटन में वृद्धि, स्कूली बच्चों सहित सभी श्रेणियों के लोगों के लिए जीवन एवं स्वास्थ्य बीमा योजनाओं और कला एवं विज्ञान कॉलेज के छात्रों के लिए मुफ्त डिग्री शिक्षा की भी घोषणा की गई है। बजट में तिरुवनंतपुरम से कासरगोड तक क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली से संबंधित प्रारंभिक कार्यों के लिए 100 करोड़ रुपये के आवंटन की भी घोषणा की गई।

राष्ट्रीय

देश में औद्योगिक विकास को रोकने के लिए ट्रेड यूनियन नेता जिम्मेदार

घरेलू सहायकों के लिए न्यूनतम मजदूरी की मांग करने वाली याचिका खारिज की

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने घरेलू सहायकों के लिए न्यूनतम मजदूरी के व्यापक कानूनी ढांचे और इसे लागू करने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई करने से यह कहते हुए बृहस्पतिवार को इन्कार कर दिया कि वह केंद्र और राज्यों को मौजूदा कानूनों में संशोधन पर विचार करने के लिए कहने वाला कोई आदेश जारी नहीं कर सकता। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि देश में औद्योगिक विकास को रोकने के लिए ट्रेड यूनियनवाद काफी हद तक जिम्मेदार रहा है।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, देश में ट्रेड यूनियनों की वजह से कितनी औद्योगिक इकाइयां बंद हो चुकी हैं, जरा हकीकत बताइए।। देश के सभी पारंपरिक उद्योग, इन झंडा यूनियनों की वजह से पूरे देश में बंद हो गए हैं। वे काम नहीं करना चाहते। देश में औद्योगिक विकास को रोकने के लिए ये ट्रेड यूनियन नेता काफी हद तक जिम्मेदार हैं। सीजेआई ने कहा, निस्संदेह शोषण होता है, लेकिन शोषण से निपटने के उपाय भी हैं। लोगों को उनके व्यक्तिगत अधिकारों के बारे में अधिक जागरूक किया जाना चाहिए था, लोगों को अधिक कुशल बनाया जाना चाहिए था, और भी कई सुधार किए जाने चाहिए थे। देश भर में लाखों घरेलू सहायकों की दुर्दशा की बात को मानते हुए सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि न्यायपालिका कानूनों को लागू करने के लिए विधायिका के अधिकार क्षेत्र में अतिक्रमण नहीं कर सकती।

सेवा प्रदाता एजेंसियां श्रमिकों की वास्तविक शोषक

कोर्ट ने सेवा प्रदाता एजेंसियों द्वारा श्रमिकों के शोषण पर अफसोस जताते हुए कहा कि ये एजेंसिया शहरी क्षेत्रों में वास्तविक शोषक के रूप में उभरी हैं। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, 'मैंने इसे व्यक्तिगत रूप से देखा है। सुप्रीम कोर्ट ने कुशल कर्मचारियों के एक विशेष समूह को नियुक्त करने के लिए एक एजेंसी को 40,000 रुपये का भुगतान किया, जबकि वास्तव में उन गरीब लड़कियों को केवल 19,000 रुपये ही मिल रहे थे। सीजेआई ने कहा कि सभी प्रमुख शहरों में सेवा प्रदाता एजेंसियों ने पैर फैला लिए हैं। उन्होंने कहा, इनके लिए एक शब्द है, जिसका प्रयोग मैं खुले न्यायालय में नहीं कर सकता। सभी प्रमुख शहरों में ये बड़ी संस्थाएं मौजूद हैं, जो इन लोगों का शोषण कर रही हैं। असली शोषक यही हैं।

बिहार में एसआईआर के खिलाफ दायर याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर बृहस्पतिवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। इन याचिकाओं में गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की ओर से दायर याचिका भी शामिल है। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिबल, अभिषेक सिंघवी, प्रशांत भूषण और गोपाल शंकरनारायण सहित कई वकीलों की दलीलें सुनने के बाद सुनवाई पूरी की। इस मामले में निर्वाचन आयोग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी और मनिंदर सिंह उपस्थित हुए। अदालत ने पिछले साल 12 अगस्त को इस मामले में अंतिम बहस शुरू की थी।

पीठ ने अपने आदेश में कहा, जब तक विधायिका से उपयुक्त कानून बनाने का अनुरोध नहीं किया जाता, तब तक कोई भी लागू करने योग्य आदेश पारित नहीं किया जा सकता। इस अदालत द्वारा ऐसा कोई निर्देश जारी नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि, अदालत ने घरेलू सहायकों के संघ 'पेन थोजिलालार्गल संगम' समेत अन्य याचिकाकर्ताओं से राज्यों और केंद्र सरकार के समक्ष घरेलू सहायकों की दुर्दशा को उजागर करने का आग्रह किया ताकि इस मामले में उचित निर्णय लिया जा सके। अदालत ने कहा कि पत्राचार से पता चलता है कि राज्यों द्वारा इस पर सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है और हमें उम्मीद है कि उनकी सहायता और शोषण को रोकने के लिए एक उपयुक्त तंत्र तैनात किया जाएगा। पीठ ने इसके साथ जनहित याचिका का निपटारा कर दिया।

स्वाट कमांडो को पति ने मार डाला, भाई को फोन कर सुनाईं चीखें

नई दिल्ली। दिल्ली में 27 वर्षीय महिला स्वाट कमांडो की उसके पति द्वारा निर्मम हत्या से पहले के क्षण और भी भयावह थे, जब पीड़िता का भाई फोन पर अपनी बहन की चीखें सुनकर भी कुछ नहीं कर पाया।

मृतका काजल चौधरी के भाई निखिल ने 22 जनवरी की उस भयावह घटना के बारे में कांपती आवाज में बताया, जब काजल के पति अंकुर ने भारी डंबल से उसके सिर पर वार किया था। उन्होंने कहा, अंकुर ने मुझे फोन पर बातचीत को रिकॉर्ड करने को कहा और कहा कि इसे पुलिस के लिए सबूत के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। फिर उसने मुझे बताया कि वह काजल को मार रहा है। और फिर, मैंने उसकी चीखें सुनीं।

दिल्ली पुलिस की विशेष प्रकोष्ठ में तैनात काजल, हमले के समय मोहन गार्डन स्थित अपने आवास पर थीं और वह चार महीने की गर्भवती थी। रक्षा मंत्रालय में क्लर्क उसके पति अंकुर को हमले के कुछ घंटों बाद गिरफ्तार कर लिया गया। वह दिल्ली छावनी में तैनात था। काजल ने पांच दिनों तक जीवन के लिए संघर्ष करने के बाद, 27 जनवरी की सुबह गाजियाबाद के एक अस्पताल में दम तोड़ दिया।

भाजपा के सौरभ जोशी बने चंडीगढ़ के महापौर

चंडीगढ़। भाजपा के पार्षद सौरभ जोशी बृहस्पतिवार को चंडीगढ़ नगर निगम के नये महापौर चुने गए। पार्टी ने वरिष्ठ उपमहापौर और उपमहापौर के पद भी जीत लिए।

त्रिकोणीय मुकाबले में जोशी को 18, आप के उम्मीदवार योगेश ढिंगरा को 11 वोट मिले, कांग्रेस के गुरप्रीत सिंह को सात वोट मिले। इस बार महापौर चुनाव के लिए कांग्रेस और आप ने गठबंधन नहीं किया। परिणाम के बाद, दोनों के बीच जुबानी जंग छिड़ गई, दोनों पार्टियों के नेताओं ने एक-दूसरे पर भाजपा की मदद का आरोप लगाया।

शंकराचार्य सदानंद सरस्वती सरकार पर भड़के, कहा-शासक नहीं, जनता के सेवक

भिंड। प्रयागराज माघ मेले से जुड़े प्रकरण को लेकर शंकराचार्य सदानंद सरस्वती महाराज ने भिंड में सरकार पर तीखा हमला बोला। भिंड जिले के खनेता धाम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सत्ताधारी शासक नहीं, बल्कि जनता के सेवक होते हैं। धार्मिक आस्था को दबाने या कुचलने का दुस्साहस किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं है।

भिंड जिले के खनेता धाम स्थित श्री रघुनाथ मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में शंकराचार्य ने प्रयागराज धरना प्रकरण को लेकर सरकार और प्रशासन के रवैये पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हाल की घटनाएं यह दर्शाती हैं कि सत्ता के कुछ हिस्सों में खुद को सेवक नहीं बल्कि शासक समझने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जो लोकतंत्र और सनातन परंपरा दोनों के लिए घातक है। शंकराचार्य ने कहा कि प्रयागराज में गंगा स्नान से रोका जाना और ब्राह्मण विद्यार्थियों व साधु-संतों के साथ बल प्रयोग चूक नहीं, बल्कि आस्था पर सीधा प्रहार है। शंकराचार्य ने प्रयागराज की घटना को हठधर्मिता और संवेदनहीनता का प्रतीक बताया। शिखा पकड़कर मारपीट किए जाने की घटना पर कड़ा आक्रोश जताते हुए उन्होंने कहा कि शिखा हिंदू समाज की धार्मिक पहचान और आस्था का प्रतीक है। इसे पकड़कर अपमानित करना केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे समाज का अपमान है।

खरगे और राहुल से मिले थरूर, कहा-सब कुछ ठीक

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने नाराजगी की खबरों के बीच बृहस्पतिवार को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की और कहा कि सब कुछ ठीक है तथा सब एकसाथ हैं।

संसद भवन स्थित खरगे के कार्यालय में यह मुलाकात हुई। थरूर ने इस मुलाकात को बहुत अच्छी, सार्थक और सकारात्मक करार दिया। उन्होंने कहा, सब कुछ ठीक है और हम सब एकसाथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी दावेदारी से इनकार करते हुए कहा कि यह उनके लिए कभी मुद्दा नहीं रहा।

एसआईआर: भारत के लिए खेल चुके फुटबॉलर को नोटिस, बोले- देश के लिए खेलना क्या व्यर्थ

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में एसआईआर के दौरान पूर्व अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी मेहताब हुसैन को सुनवाई के लिए तलब किया गया है जो भारत के लिए कई मैच खेल चुके हैं। देश के लिए करीब 30 मैच खेल चुके मेहताब हुसैन ने इस नोटिस पर गहरी व्यथा जताई है।

कोलकाता की दिग्गज टीमों मोहन बागान और ईस्ट बंगाल दोनों की कप्तानी कर चुके हुसैन ने देश का प्रतिनिधित्व कर चुके खिलाड़ियों को नागरिकता साबित करने की बाध्यता पर सवाल उठाया है। हुसैन को दक्षिण 24 परगना जिले के मल्लिकपुर के एक स्कूल में एक फरवरी को सुनवाई के लिए पेश होने का नोटिस मिला है। उन्होंने कहा कि वह इस समन से दुखी हैं। वह अभी यहां के पास न्यू टाउन में रहते हैं और मल्लिकपुर उनका पैतृक स्थान है और वह वहां के पंजीकृत मतदाता हैं। बताया जा रहा है कि उनकी मां से संबंधित दस्तावेजों में विसंगति पाए जाने के बाद नोटिस जारी किया गया था।

नाराजगी जताते हुए हुसैन ने कहा, मैंने राष्ट्रीय जर्सी पहनकर इतने मैच खेले हैं और देश के लिए अपना पसीना बहाया है। इसके बाद भी क्या मुझे यह साबित करने के लिए कतार में खड़ा होना पड़ेगा कि मैं भारतीय नागरिक हूं, क्या हमारा योगदान व्यर्थ हो गया। उन्होंने इस प्रक्रिया पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा, मेरे मामले को छोड़ दें तो ऐसे बुजुर्ग और गंभीर रूप से बीमार लोग भी हैं जिन्हें कतारों में खड़ा किया जा रहा है। कुछ लोग व्हीलचेयर पर आ रहे हैं। उन्हें अपनी नागरिकता साबित करने के लिए इतनी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। हुसैन से पहले तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और पूर्व क्रिकेटर और बंगाल रणजी टीम के कप्तान लक्ष्मी रतन शुक्ला को भी एसआईआर सुनवाई के लिए बुलाया गया था।

राजकीय सम्मान के साथ अजित पवार का अंतिम संस्कार

बारामती, एजेंसी

महाराष्ट्र के पुणे जिले के बारामती में शोकाकुल लोगों ने बृहस्पतिवार को अपने नेता उपमुख्यमंत्री अजित पवार को अंतिम विदाई दी। पवार का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। अंतिम विदाई के लिए आए लोगों से खचाखच भरे बारामती के विद्या प्रतिष्ठान मैदान में पवार के बेटों पार्थ और जय ने चिता को मुखाग्नि दी। इस दौरान 'अजित दादा अमर रहे' के नारे गूंजते रहे।

- **शाह-नवीन समेत कई नेता हुए शामिल गूंजे अजित दादा अमर रहे के नारे**

केंद्रीय मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी, मुरलीधर मोहोल, पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन राकांपा प्रमुख के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी मैदान में उपस्थित थे। बारामती पवार परिवार का गृहनगर है, जो पुणे से 100 किलोमीटर दूर है। अजित पवार के अंतिम संस्कार के लिए हजारों लोग एकत्रित हुए और जब उनके पार्थिव शरीर को राष्ट्रीय ध्वज में लपेटकर उनके गांव काटेवाडी से विद्या प्रतिष्ठान के मैदान में लाया गया। पुणे से करीब 100 किलोमीटर दूर बारामती हवाई पट्टी के पास बुधवार सुबह एक 'लियरजेट' विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से अजित पवार की मृत्यु हो गई थी।

दुर्घटना में जान गंवाने वाले पायलट कैप्टन सुमित कपूर का दिल्ली के पंजाबी बाग श्मशान घाट और फ्लाइट अटेंडेंट पिंकी माली का मध्य मुंबई के शिवाजी पार्क श्मशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया। पवार के निजी सुरक्षा अधिकारी विदिप जाधव का अंतिम संस्कार बुधवार देर रात सतारा जिले में उनके पैतृक स्थान पर किया गया।

विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद : मुंबई। नागर विमानन मंत्रालय ने कहा कि बुधवार को दुर्घटनाग्रस्त हुए लियरजेट 45 विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया गया है। मंत्रालय ने कहा कि एएआईबी इस दुर्घटना की जांच तेजी से कर रहा है।

बारामती में राजकीय सम्मान के साथ किया गया अजित पवार का अंतिम संस्कार।

कोलंबिया में यात्री विमान हादसे का शिकार, 15 लोगों की गई जान

बोगोटा, एजेंसी

- विमान में 13 यात्री और चालक दल के दो सदस्य थे सवार

उत्तर-पूर्वी कोलंबिया में बुधवार को एक यात्री विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से जिसमें सवार सभी 15 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में कोलंबियाई सांसद डियोजेनेस क्विंटरो अमाया और एक अन्य नेता कार्लोस साल्सेडो भी शामिल हैं यह दुर्घटना तब हुई जब कोलंबियाई एयरलाइन साटेना द्वारा संचालित विमान बीचक्राफ्ट 1900 वेनेजुएला की सीमा के पास स्थित कुकुटा से ओकांया जा रहा था।

साटेना ने एक्स पर जारी एक बयान में कहा, साटेना एयरलाइन को यह बताते हुए गहरा दुख हो रहा है कि कुकुटा से ओकांया के लिए उड़ान भरने वाला बीचक्राफ्ट विमान, भीषण दुर्घटना का शिकार हो गया है। विमान में 13 यात्री और चालक दल के दो सदस्य सवार थे। इसमें एक कोलंबियाई सांसद और एक चुनावी प्रत्याशी शामिल थे। कोलंबिया के परिवहन मंत्रालय ने पुष्टि की है कि इस हादसे में कोई भी जीवित नहीं बचा है। विमान का मलबा एक दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्र में मिला है, और घने जंगल के कारण खोज एवं बचाव कार्यों में काफी मुश्किलें आ रही हैं।

थाईलैड में विमान क्रैश, दो की मौत

बैंकाक। थाईलैंड के उत्तरी शहर चियांग माई में एक प्रशिक्षण विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से गुरुवार को वायुसेना के दो पायलटों की मौत हो गई। सेना के प्रवक्ता एयर मार्शल जैक्रिट थम्माविचाई ने बताया कि एटी-6टीएच वूल्वरिन हल्का हमलावर और टोही विमान चियांग माई हवाई अड्डे से लगभग 60 किमी दूर चोम थोंग जिले में एक सैन्य प्रशिक्षण क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दो सीट वाले विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों की जांच की जा रही है।

देश के अर्थतंत्र का रोडमैप

केंद्रीय बजट

बजट शब्द की उत्पत्ति फ्रांसीसी शब्द बोगेट से हुई है, जिसका अर्थ है चमड़े का थैला। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 112 के तहत इसे वार्षिक वित्तीय विवरण कहा जाता है। सरल शब्दों में, यह सरकार की आगामी वित्तीय वर्ष (1 अप्रैल से 31 मार्च) के लिए अनुमानित कमाई (राजस्व) और खर्च (व्यय) का लेखा-जोखा है। बजट केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि सरकार की प्राथमिकताओं का दर्पण है। यह बताता है कि सरकार देश के किन क्षेत्रों जैसे कृषि, रक्षा, शिक्षा या स्वास्थ्य को बढ़ावा देना चाहती है और इसके लिए धन कहां से आएगा। 1 फरवरी 2026 को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अपना लगातार नौवां बजट पेश करने जा रही हैं, जो भारतीय संसदीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण कीर्तिमान है। आइए जानते हैं बजट कैसे बनता है, कौन बनाता है और आय-व्यय का अर्थशास्त्र..।

कहां से आता है धन

- प्रत्यक्ष कर : इसमें इनकम टैक्स और कॉर्पोरेट टैक्स से मिलने वाली आय शामिल होती है।
- अप्रत्यक्ष कर : इसमें सबसे बड़ा हिस्सा जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) और सीमा शुल्क का होता है।
- गैर-कर राजस्व : पीएसयू (जैसे रेलवे, सेल) से मिला मुनाफा, आरबीआई से प्राप्त डिविडेंड और ब्याज।
- ऋण : जब खर्च कमाई से ज्यादा हो जाता है, तो सरकार कर्ज लेती है, जिसे राजकोषीय घाटा कहते हैं।

कैसे तैयार होता है बजट

- प्रारंभिक अनुमान (सितंबर-अक्टूबर) : वित्त मंत्रालय सभी मंत्रालयों और विभागों को सर्कुलर भेजकर उनके खर्चों का अनुमान मांगता है।
- बैठकें और चर्चा (नवंबर-जनवरी) : मंत्रालयों और विभिन्न हितधारकों (उद्योग जगत, किसान, अर्थशास्त्री) के साथ चर्चा की जाती है कि किसे कितना फंड चाहिए और टैक्स में क्या बदलाव होने चाहिए।
- हलवा सेरेमनी : बजट दस्तावेज की छपाई शुरू होने से पहले वित्त मंत्रालय में हलवा सेरेमनी होती है। इसके बाद बजट से जुड़े अधिकारी और कर्मचारी बाहरी दुनिया से कटकर 'नार्थ ब्लॉक' के बेसमेंट में तब तक रहते हैं जब तक बजट पेश न हो जाए।
- संसद में प्रस्तुति : 1 फरवरी को वित्त मंत्री लोकसभा में बजट भाषण देती हैं और बजट दस्तावेज पेश करती हैं।

कौन-कौन विभाग शामिल

- वित्त मंत्रालय : बजट का मुख्य जिम्मा वित्त मंत्रालय का होता है, जिसके अंतर्गत कई विभाग सक्रिय रहते हैं।
- आर्थिक मामलों का विभाग : आर्थिक मामलों का विभाग (डीईए) बजट बनाने वाला नोडल विभाग है।
- व्यय विभाग : यह खर्चों की निगरानी करता है।
- राजस्व विभाग : यह टैक्स, कमाई का हिसाब रखता है।
- नीति आयोग और आरबीआई : ये संस्थाएं आर्थिक परामर्श और डेटा प्रदान करती हैं।

विशेषताएं

- 2019 में निर्मला सीतारमण ने बजट को लाल कपड़े में लिपटे बही-खाता में लाना शुरू किया। 2021 से यह डिजिटल हो गया। मुख्य रूप से राजस्व बजट और पूंजीगत बजट पेश किए जाते हैं। वर्तमान बजटों में विकसित भारत और सबका साथ, सबका विकास की थीम पर जोर दिया जा रहा है।

वर्ल्ड ब्रीफ

चीनी नागरिक को अमेरिका में शरण

वाशिंगटन। अपने देश में मानवाधिकार हनन को उजागर करने वाले एक चीनी नागरिक को बुधवार को एक अमेरिकी आव्रजन न्यायाधीश ने अमेरिका में शरण की इजाजत दे दी। प्रवासियों के खिलाफ आव्रजन की कार्रवाई के दौरान हिरासत में लिए गए चीनी नागरिक ने आशंका जताई थी कि अगर उन्हें उनके देश वापस भेजा गया तो उन्हें चीन में यातनाएं झेलनी पड़ सकती हैं। चीनी नागरिक 38 वर्षीय गुआन हेंग ने 2021 में अवैध रूप से अमेरिका पहुंचने के बाद शरण के लिए आवेदन किया था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की ओर से जारी व्यापक निर्वासन अभियान के तहत अगस्त में आव्रजन प्रवर्तन अभियान में पकड़े जाने के बाद से गुआन हेंग हिरासत में हैं।

संग्रहालय से चोरी के मामले में एक गिरफ्तार

लंदन। दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड के एक संग्रहालय में भारत से लाई गईं कई कलाकृतियों की चोरी के मामले की जांच के तहत गुरुवार को 41 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। एवन और समरसेट पुलिस ने बताया कि पिछले साल सितंबर में ब्रिस्टल संग्रहालय के ब्रिटिश साम्राज्य और राष्ट्रमंडल संग्रह से 600 से अधिक उच्च मूल्य की वस्तुएं चोरी होने के बाद उन्हें ठिकाने लगाने के संदेह में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि उसने पिछले महीने लोगों से सहयोग की अपील करते हुए चार श्वेत पुरुष संदिग्धों के सीसीटीवी फुटेज जारी किए थे।

नेपाल के पूर्व पीएम माधव अस्पताल में

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल को हृदय संबंधी समस्या के कारण काठमांडू के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) के एक सूत्र ने गुरुवार को यह जानकारी दी। एनसीपी के उप-समन्वयक एवं पांच मार्च को होने वाले संसदीय चुनाव के लिए रौतहट-एक निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार माधव कुमार (72) को बुधवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्हें हृदय संबंधी समस्याएं हैं।

डेल्सी बने वेनेजुएला के कमांडर इन चीफ

काराकास। वेनेजुएला की सेना ने एक सैन्य समारोह के दौरान कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज के प्रति निष्ठा की शपथ ली और उन्हें औपचारिक रूप से कमांडर-इन-चीफ के रूप में मान्यता दी। समारोह में गृह, न्याय और शांति मंत्री डियोसडाडो कैबेलो ने राष्ट्र के सभी सुरक्षा बलों द्वारा सहमति प्राप्त एक संयुक्त बयान पढ़ा।

भविष्य की ऊर्जा को लेकर दुनिया की नजरें भारत पर टिकीं : कैमेरा

रेजाक बेनिसेफ ने कहा, भारत विश्व की सबसे तेज उभरती अर्थव्यवस्था वाला देश

अनिल त्रिगुणायत, गोवा

अमृत विचार : जैसे जिंदगी के लिए जल अपरिहार्य है, वैसे ही मानव जीवन हेतु भविष्य की ऊर्जा भी अनिवार्य। ऊर्जा के बिना किसी भी देश का विकास अकल्पनीय। आज पूरी दुनिया तेल के खेल में यूं ही नहीं फंसी है। पारंपरिक ऊर्जा के स्रोत घट रहे हैं। ऐसे में समूचा विश्व नवीनीकृत ऊर्जा के स्रोतों की ओर ताक रहा है। भविष्य की ऊर्जा को लेकर विश्व आज भारत पर टकटकी लगाए हुए है। उक्त बातें गुरुवार को ऊर्जा विशेषज्ञों ने यहां एक विशेष गोष्ठी में कहीं।

गोवा के बेतूल गांव स्थित ओएनजीसी परिसर में भारत ऊर्जा सम्मेलन के तीसरे दिन वैश्विक ऊर्जा की दिशा-दशा विषय पर परिचर्चा में अंतर्राष्ट्रीय रिन्यूएबल ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक फ्रांसेस्को ला कैमेरा ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर भारत पर आज दुनिया की नज़र टिकी हुई है। करीब 140 करोड़ आबादी वाला देश अपारंपरिक ऊर्जा के क्षेत्र में आगे बढ़ चला है। ओपेक के ऊर्जा विशेषज्ञ डा. अब्दे रेज़ाक बेनिसेफ ने कहा कि तीव्र गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था और ऊर्जा क्षेत्र में भारत से दुनिया को काफी उम्मीद है। शंघाई सहयोग संगठन के उप महासचिव टीआर मिथुन ने कहा कि तकनीकी क्षेत्र के अलावा ऊर्जा क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदम दुनिया के लिए भी प्रेरणादायक है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा फोरम के महासचिव जस्सीम अल शिरावी ने कहा कि आने वाले दिनों में पारंपरिक ऊर्जा मांग/आपूर्ति में सामंजस्य नहीं बैठा पाएगी। क्योंकि विश्व की जनसंख्या लगातार बढ़ रही। ऐसे में अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर गंभीरता से कार्य करने की जरूरत। परिचर्चा में यूएई ऊर्जा मंत्री अहमद अल काबी, नीदरलैंड के जलवायु नीति मंत्री डा.माइकल हिजद्रा, डेनमार्क के राजदूत रास्मस एबल्डगार्ड क्रिसटेनसेन तथा अमेरिकी ऊर्जा विभाग के सहायक सचिव काईले हॉस्टविट समेत अन्य ऊर्जा विशेषज्ञ भी रहे।

हरित हाइड्रोजन भविष्य का ऊर्जा विकल्प

विश्व में हरित हाइड्रोजन को गंभीरतापूर्वक बढ़ावा दिया जा रहा है। हाइड्रोजन उत्पादन में चीन का स्थान पहला है। चीन वैश्विक क्षमता के 50 प्रतिशत के साथ हरित हाइड्रोजन का उत्पादन कर रहा है, इसका सबसे बड़ा उपभोक्ता भी है। सऊदी अरब दुनिया की सबसे बड़ी हाइड्रोजन परियोजना का निर्माण कर रहा है। वहीं, भारत में आंध्र प्रदेश को हरित हाइड्रोजन का हब बनाया जा रहा है। हरियाणा के हिसार में देश का पहला आफ ग्रिड हरित हाइड्रोजन संयंत्र कार्य भी कर रहा। यूपी के गोरखपुर में देश का दूसरा हरित हाइड्रोजन संयंत्र लगाने का उपक्रम जारी है। जान लें, हरित हाइड्रोजन का उत्पादन इलेक्ट्रोलिसीस की प्रक्रिया द्वारा किया जाता है।

ऊर्जा क्षेत्र में भारत उभरता बाजार : पुरी

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में भारत एक बड़ा उभरता बाजार है। अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर यहां काफी कुछ किया जा रहा है। खाड़ी के देशों के अलावा एशिया पेसिफिक के देशों में भी भारत ने तेजी से पहुंच बनाई है। गुरुवार को प्रेसवार्ता में पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि विश्व की दिग्गज ऊर्जा कंपनियों ने ऊर्जा क्षेत्र में भारत में निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। जिनमें टोटल एनर्जी, बीपी, विटोल हुंडई, एचडी केएसओई, अकेर, लिजा टेक, इंटरनेशनल एनर्जी फोरम, एक्सलेरेट, वुड मैकेंजी, ट्राफीगुरा, स्टैटसोली, प्राज, रिन्यू व एमओएल के अलावा वेदांता, अदानी, रिलायंस, बिरला, थापर, गैलेंट आदि शामिल हैं।

ग्रीनलैंड पर नाटो और अमेरिका में कोई समझौता नहीं

पेरिस। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन ने बुधवार को इस बात से इनकार किया कि नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन (नाटो) और अमेरिका के बीच ग्रीनलैंड मुद्दे पर कोई समझौता हुआ है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावोस में विश्व आर्थिक मंच में दावा किया था कि उन्होंने ग्रीनलैंड पर नाटो के साथ एक समझौता किया है। जब फ्रांस-2 टीवी चैनल के साथ साक्षात्कार में फ्रेडरिकसेन से इस संबंध में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि यह कोई समझौता नहीं है। फ्रेडरिकसेन ने कहा कि असल में एक राज्य संप्रभु होता है। उसकी सीमाओं का सम्मान किया जाना चाहिए और दूसरे लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर ग्रीनलैंड में सैन्य साधनों का इस्तेमाल किया जाता है, तो सब कुछ रुक जाएगा। यह उन सभी चीज़ों के खिलाफ होगा जो हम दूसरे विश्व युद्ध के खत्म होने के बाद से बना रहे हैं। फ्रेडरिकसेन बुधवार को ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक नील्सन के साथ फ्रांस पहुंचीं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने प्रेस वार्ता में कहा कि ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका के साथ बढ़ता तनाव पूरे यूरोप के लिए एक रणनीतिक चेतावनी है।

रणनीतिक साझेदारी को सुदृढ़ करेंगे चीन-ब्रिटेन

- स्टार्मर-शी जिनपिंग मुलाकात में संबंधों के सुधार पर जोर

बीजिंग, एजेंसी

ब्रिटेन और चीन के नेताओं ने बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता के बीच दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने के लिए व्यापक रणनीतिक साझेदारी का आह्वान किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हाल में उठाए गए कई कदमों को लेकर उत्पन्न परिस्थितियों के बीच बीजिंग में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर की गुरुवार को मुलाकात हुई। हालांकि शी और स्टार्मर ने सार्वजनिक रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति का नाम नहीं लिया।

स्टार्मर ने जिनपिंग से कहा कि मेरे हिसाब से, ऐसे समय में जब दुनिया मुश्किल दौर से गुजर रही है, तब जलवायु परिवर्तन और वैश्विक स्थिरता जैसे मुद्दों पर मिलकर काम करना ही सही मार्ग है, जिसके जरिए हमें अपने रिश्तों को आगे बढ़ाना चाहिए। बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात तय समय से दोगुने समय 80 मिनट तक हुई। यह बैठक ऐसे समय हुई है, जब कई वर्षों के तनाव के बाद दोनों देश अपने रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में, खासकर ब्रिटेन में चीन की जासूसी गतिविधियों, यूक्रेन युद्ध में रूस के लिए चीन के समर्थन, और हांगकांग में स्वतंत्रता पर पाबंदियों को लेकर दोनों देशों के संबंधों में खटास आ गई थी। जिनपिंग ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में चीन-ब्रिटेन के संबंध खास अच्छे नहीं रहे। तेजी से बदलते अंतर्राष्ट्रीय हालात में दुनिया में शांति और स्थिरता के लिए चीन व ब्रिटेन को सहयोग मजबूत करने की जरूरत है।

बड़ी ताकतों को अंतर्राष्ट्रीय कानून का पालन करना चाहिए : जिनपिंग

शी जिनपिंग ने अमेरिका का नाम लिए बिना कहा कि बड़ी ताकतों को अंतर्राष्ट्रीय कानून का पालन करना चाहिए, वरना दुनिया फिर जंगलराज जैसी स्थिति में चली जाएगी। बैठक के बाद स्टार्मर ने कहा कि दोनों ने 'स्कॉच व्हिस्की' पर चीन द्वारा शुल्क कम करना और ब्रिटिश यात्रियों के लिए वीजा-मुक्त यात्रा शुरू करने समेत कई मुद्दों पर वाकई अच्छी प्रगति की है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने कहा, दोनों के संबंध अच्छे दौर में है और मजबूत हैं।

निष्पक्ष चुनाव के बिना बांग्लादेश में अस्थिरता बढ़ेगी

ढाका। भारत में निर्वासन में रह रहीं बांग्लादेश की अपदस्थ नेता शेख हसीना ने उनकी पार्टी को चुनाव से बाहर किए जाने के बाद देश में होने जा रहे आगामी चुनाव की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि निष्पक्ष और समावेशी चुनाव के बिना देश में अस्थिरता बढ़ेगी। उनके इस बयान से आम चुनाव से पहले तनाव और बढ़ सकता है। शेख हसीना ने पिछले सप्ताह कहा कि यदि समावेशी, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव नहीं हुए, तो बांग्लादेश को लंबे समय तक अस्थिरता झेलनी पड़ेगी। हसीना को 2024 के छात्र आंदोलन को कुचलने के जुर्म में मौत की सजा सुनाई जा चुकी है। उस कार्रवाई में सैकड़ों की जान चली गई थी और उनका शासन भी खत्म हो गया।

गाजा का संघर्ष सुलझाने में यूएस के प्रयास सराहनीय

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

- संयुक्त राष्ट्र में बोले भारत के राजदूत पर्वतनेनी हरीश

भारत ने गाजा में लंबे समय से जारी संघर्ष को खत्म करने के लिए अमेरिका (यूएस) के प्रयासों की सराहना की, साथ ही इस मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव के कार्यान्वयन के संबंध में हाल में हुई प्रगति पर भी ध्यान आकृष्ट किया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने बुधवार को ये टिप्पणी की।

हरीश ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस में अपने संबोधन में कहा कि गाजा संघर्ष को समाप्त करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2803 के कार्यान्वयन के संबंध में हाल में हुई प्रगति पर भारत ने गौर किया है। भारत इस अवसर पर इस दीर्घकालिक मुद्दे को सुलझाने के लिए अमेरिका के प्रयासों के प्रति आभार भी व्यक्त करता है। पिछले साल नवंबर में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2803 में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 29 सितंबर की गाजा संघर्ष को समाप्त करने की व्यापक योजना का समर्थन किया गया था, जिसमें कहा गया है कि गाजा एक आतंकवाद-मुक्त क्षेत्र होगा जो अपने पड़ोसियों के लिए कोई खतरा नहीं पैदा करेगा और गाजा के लोगों के लाभ के लिए इसका पुनर्विकास किया जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका में सड़क हादसा, 11 लोगों की गई जान

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्वी क्वाजुलु नताल प्रांत में मिनीबस टैक्सी और ट्रक की टक्कर से 11 लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना दक्षिण अफ्रीका में एक अन्य घटना में एक मिनीबस टैक्सी और एक ट्रक की हुई सीधी भिड़ंत में 14 स्कूली बच्चों के मारे जाने के ठीक एक सप्ताह बाद हुई है।

प्रांतीय परिवहन विभाग के अधिकारी सिबोनीसो डुमा ने बताया कि गुरुवार को यह दुर्घटना पूर्वी क्वाजुलु-नताल प्रांत में हुई। हादसे में एक स्कूली छात्र सहित 11 लोगों की मौत हो गई। निजी पैरामेडिक सेवा एएलएस पैरामेडिक्स के प्रवक्ता गैरिथ जैमीसन ने बताया कि हादसे में कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनमें मिनी बस का चालक भी शामिल है।

ईयू ने लगाए ईरान के छह संगठनों और 15 अधिकारियों पर प्रतिबंध

ब्रसेल्स, एजेंसी

- रिवोल्यूशनरी गार्ड को घोषित किया आतंकवादी संगठन

यूरोपीय संघ ने तेहरान में देशव्यापी प्रदर्शनों पर हुई हिंसक कार्रवाई के सिलसिले में अर्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड के शीर्ष कमांडरों और अधिकारियों सहित 15 ईरानी अधिकारियों पर प्रतिबंधों की घोषणा की है। ईरान के अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड को आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

ईरान में ऑनलाइन सामग्री की निगरानी के लिए जिम्मेदार निकायों सहित छह ईरानी संगठनों पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। सत्ताईस देशों के इस समूह का यह निर्णय हिंसा पर पश्चिमी देशों की नवीनतम प्रतिक्रिया है, जिसमें कार्यकर्ताओं का कहना है कि 6,300 से अधिक लोग मारे गए हैं। इन उपायों से ऐसे समय ईरान पर अंतर्राष्ट्रीय दबाव और बढ़ गया है, जब उसे अमेरिका द्वारा संभावित सैन्य हमले के खतरे का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिकी सेना ने यूएसएस अब्राहम लिंकन और कई निर्देशित मिसाइल विध्वंसक पोतों को पश्चिम एशिया में तैनात कर दिया है, जिनका इस्तेमाल समुद्र से हमले करने के लिए किया जा सकता है। शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के मारे जाने और संभावित मौत की सजा की आशंकाओं के जवाब में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सैन्य कार्रवाई की धमकी देने के बाद भी यह स्पष्ट नहीं है कि वह ईरान के खिलाफ बल प्रयोग करेंगे या नहीं।

ईरान ने अपनी सेना में शामिल किए एक हजार लड़ाकू ड्रोन

तेहरान। ईरान ने अपनी सैन्य इकाइयों में देश में बने एक हजार लड़ाकू ड्रोन शामिल किए हैं। सेना प्रमुख अमीर हातेमी के आदेश पर थल सेना, नौसेना और वायु सेना को ये लड़ाकू ड्रोन दिए गए हैं। इन ड्रोनों को सेना के विशेषज्ञों और रक्षा मंत्रालय ने मिलकर विकसित किया गया है। ये ज़मीन, समुद्र और हवा में तय या चलते-फिरते लक्ष्यों पर हमला करने, घुसपैठ, विनाश, जासूसी, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध करने में सक्षम हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 30 जनवरी, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वादशी 11.09 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

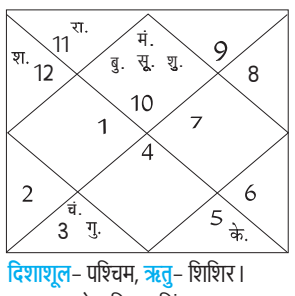

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- आर्द्रा 31 जनवरी 03.27 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

मेष — आज अपनी मानसिक स्थिति को हर परिस्थिति में सकारात्मक रखें। घरेलू वातावरण अच्छा रहेगा। आपको स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। व्यापारिक उद्देश्य से यात्रा हो सकती है। वाणी में हल्के शब्दों का प्रयोग करने से बचें।

वृष — आज विदेश यात्रा को लेकर परेशानी हो सकती है। संतान के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। धन उधार देने से बचें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय को लेकर जल्दबाजी न करें। घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है।

मिथुन — आज पारिवारिक कार्यक्रमों में आप अत्यधिक व्यस्त हो सकते हैं। घर के सदस्यों की सुरक्षा की कुछ चिंता हो सकती है। विरोधी भी आपकी प्रशंसा करेंगे। आपके व्यवहार से सहकर्मी प्रसन्न रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी नेतृत्व क्षमता की लोग प्रशंसा करेंगे।

कर्क — आज व्यर्थ भागदौड़ करने से बचें। कानूनी अड़चनों का सामना करना पड़ सकता है। मन में अज्ञात भय का भाव रहेगा। आपकी दिनचर्या थोड़ी अव्यवस्थित हो सकती है। जीवनसाथी की सेहत का ध्यान रखें। आलस्य के कारण कुछ काम रुक सकते हैं।

सिंह — आज का दिन आपके लिए अत्यधिक अनुकूल रहने वाला है। आपको रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। इष्ट मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति अति उत्तम रहेगी। भौतिक सुख-सुविधाओं का आनंद लेंगे।

कन्या — आज सरकारी कार्यों में विलंब हो सकता है। आप कई लोगों को उचित सलाह देंगे, जिससे उन्हें लाभ होगा। लोग आपकी बातों से सहमत रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको अतिरिक्त आय प्राप्त हो सकती है। परिवार के सदस्यों की चिंता रहेगी।

तुला — आज आप कुछ नया सीखने का प्रयास कर सकते हैं। पुराना रोग उभर सकता है। व्यवसाय में सहयोगियों के व्यवहार से आप व्यथित हो सकते हैं। जीवनसाथी का अनादर न करें। माता के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको सम्मान मिल सकता है।

वृश्चिक — आज का दिन शांतिपूर्वक बिताएं। दूसरों के मामलों में ज्ञान देने से बचें। विवादित मामलों में फंस सकते हैं। पति-पत्नी के आपसी संबंध प्रभावित होने की संभावना है। महिलाओं को स्वास्थ्य समस्या हो सकती है।

धनु — आज नए काम की शुरुआत कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति मजबूत होगी। व्यवसाय में आय बढ़ने से मन हर्षित रहेगा। आपको पुराने अनुभव काफी काम आएंगे। भाई-बहनों के साथ संबंध बेहतरीन रहेंगे। परिवार के प्रति भावुक रहेंगे।

मकर — आज आप अत्यंत ऊर्जावान महसूस करेंगे। बच्चों की गलतियों को अनदेखा न करें। विरोधी आपके सामने समस्याएं खड़ी करने का प्रयास करेंगे। घर और कार्यक्षेत्र में कुछ इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खराब हो सकते हैं। आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी आ सकती है।

कुंभ — आज गुप्त तरीके से किए गए कार्यों में सफलता मिलेगी। पारिवारिक समस्याओं का निराकरण होगा। सेहत को लेकर आपको थोड़ी कठिनाई होगी। आपकी कोई बहुप्रतीक्षित इच्छा पूरी हो सकती है। आय के साथ खर्च भी बढ़ने की संभावना है।

मीन — आज गलत कार्यों और संगति से दूर रहें। स्वार्थ की भावना के कारण लोग आपसे दूरी बना सकते हैं। धन खर्च करने के बजाय आपको बचत करनी चाहिए। प्रभावशाली लोगों को अपयश का सामना करना पड़ सकता है।

सुडोकू-46

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

3			4		8			
5			6				7	1
		9		2		6		
			8		6			5
	3	4				2	9	
1			9		2			
2		3		1		8		
6	7				4			3
			3		5			2

सुडोकू - 45 का हल

5	4	2	9	6	7	8	1	3
8	9	1	5	3	4	6	2	7
6	3	7	1	8	2	9	5	4
3	6	5	2	1	9	7	4	8
1	8	4	7	5	3	2	9	6
2	7	9	8	4	6	1	3	5
7	1	3	6	9	5	4	8	2
4	2	8	3	7	1	5	6	9
9	5	6	4	2	8	3	7	1

यह सब मेरी कड़ी मेहनत का नतीजा है। लगातार मैच खेलने और ऐसी परिस्थितियों में बल्लेबाजी करने से मेरी मानसिकता बेहतर हो रही है। इसलिए मैं यहां समझने लग गया हूं कि आगे क्या होगा और गेंदबाज क्या सोच कर मेरे लिए गेंदबाजी करेगा।
-शिवम दुबे

स्टेडियम

बरेली, शुक्रवार ,30 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

मेरी भूमिका रक्षात्मक गेंदबाजी करना और विकेट लेना है : सैंटनर

विशाखापत्तनम। न्यूजीलैंड के कप्तान और बाएं हाथ के स्पिनर मिचेल सैंटनर ने कहा कि टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में उनकी भूमिका रक्षात्मक गेंदबाजी करना, दबाव बनाना और विकेट लेना है तथा भारत के खिलाफ यहां चौथे टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में इस रणनीति का शानदार परिणाम देखना संतोषजनक रहा। सैंटनर ने इस मैच में 26 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने संजू सैमसन को बोल्ड करके उनकी परेशानियां बढ़ा दी और फिर हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह के विकेट भी लिए। न्यूजीलैंड ने यह मैच 50 रन से जीता। सैंटनर ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा मुझे लगता है कि मेरा काम थोड़ा रक्षात्मक होकर गेंदबाजी करना और इस तरह से विकेट लेना है।

निचली अदालत की कार्यवाही पर कोई रोक नहीं : उच्च न्यायालय

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट किया कि पूर्व भाजपा सांसद बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ कई महिला पहलवानों द्वारा दायर यौन उत्पीड़न मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर कोई रोक नहीं है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांत शर्मा ने यह बयान भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख की एफआईआर और उनके खिलाफ दर्ज आरोपों को रद्द करने की याचिका पर सुनवाई के लिए 21 अप्रैल की तारीख तय करते हुए दिया। याचिकाकर्ता के वकील द्वारा स्थगन का अनुरोध किए जाने पर न्यायाधीश ने याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी और अगली सुनवाई की तारीख पर निचली अदालत के रिकॉर्ड मंगवाए।

एरिगैसी की एक और हार, गुकेश ने एर्दोगमस को हराया

विक ऑन जी (नीदरलैंड्स)। भारत के शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी महत्वपूर्ण क्षणों में जर्मनी के विन्सेंट कीमर के कौशल का मुकाबला नहीं कर सके और उन्हें टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में एक और हार का सामना करना पड़ा। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने हालांकि युवा खिलाड़ी यागिज़ कान एर्दोगमस के खिलाफ जीत हासिल करके प्रतियोगिता में वापसी की। काले मोहरों से खेलते हुए गुकेश ने बाजी जीती। उनके अब संभावित 10 में से पांच अंक हो गए हैं।

जश्न मनातीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की खिलाड़ी।

आरसीबी ने फाइनल में पक्की की जगह

वडोदरा, एजेंसी

महिला प्रीमियर लीग

- यूपी वॉरियर्स को आठ विकेट से हराया

ग्रेस हैरिस (दो विकेट/ 75 रन) के हरफनमौला प्रदर्शन और कप्तान स्मृति मंधाना (नाबाद 54) की अर्धशतकीय पारी की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुरुवार को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 18वें मुकाबले में यूपी वॉरियर्ज को आठ विकेट से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली हैं।

144 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी के लिए ग्रेस हैरिस और स्मृति मंधाना की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 108 रन जोड़े। 10वें ओवर में शिखा पांडे ने ग्रेस हैरिस को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा। ग्रेस हैरिस ने 37 गेंदों में 13 चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 75 रनों की तूफानी पारी खेली। जीत के करीब 13वें ओवर में जॉर्जिया वॉल (16) के रूप में आरसीबी का दूसरा विकेट गिरा। आरसीबी ने 13.1 ओवर में दो विकेट पर 147 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से अपने नाम कर लिया।स्मृति मंधाना ने 27 गेंदों मे आठ चौके और दो छक्के लगाते हुए नाबाद 54 रनों की पारी खेली। इससे पहले आज यहां दीप्ति शर्मा (55) और कप्तान मेग लानिंग (41) की 74 रनों की शानदार साझेदारी के दम पर यूपी वॉरियर्ज ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) के खिलाफ निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 143 का स्कोर बनाया।

नडीन डी क्लर्क।

प्लेऑफ का टिकट कटाने उतरेंगी गुजरात और मुंबई की टीमें

वडोदरा। मौजूदा चैंपियन और दो बार की विजेता मुंबई इंडियंस की टीम शुक्रवार को जब गुजरात जायंट्स से भिड़ेगी तो दोनों प्लेऑफ में अपनी जगह सुरक्षित करने की कोशिश करेंगी। गुजरात जायंट्स इस मैच में जीत दर्ज करके लगातार दूसरी बार प्लेऑफ में जगह पक्की करना चाहेगा। गुजरात जायंट्स फिलहाल आठ अंकों के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है और उसका नेट रन रेट -0.271 है। वह मुंबई इंडियंस (छह अंक, नेट रन रेट +0.146) और दिल्ली कैपिटल्स (छह अंक, नेट रन रेट -0.164) से दो अंक आगे है।

महिला ताज के लिए भिड़ेंगी सबालेंका और रिबाकिना

ऑस्ट्रेलियाई ओपन : लगातार चौथी बार फाइनल में पहुंचीं एरिना

मेलबर्न, एजेंसी

दो बार की चैम्पियन शीर्ष वरीयता प्राप्त एरिना सबालेंका ने एलिना स्वितोलिना को 6-2, 6-3 से हराकर लगातार चौथी बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब उनका सामना एलेना रिबाकिना से होगा जिनके खिलाफ वह 2023 फाइनल खेली थी। रिबाकिना ने छठी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को 6-3, 7-6 से हराया। सबालेंका ओपन युग में इवोन्ने गूलागोंग और मार्तिना हिंगिस के बाद लगातार चौथी बार आस्ट्रेलियाई ओपन एकल फाइनल में पहुंचने वाली तीसरी महिला खिलाड़ी है ।

सबालेंका की पिछले 27 मैचों में से 26वीं जीत थी, जिससे वह पांचवें ग्रैंड स्लैम टाइटल के करीब पहुंच गईं। 27 साल की सबालेंका की इन चार सालों में एकमात्र हार पिछले साल के फाइनल में मैडिसन कीज से तीन सेट में चौंकाने वाली हार थी, जिससे उनका लगातार तीसरा ऑस्ट्रेलियन ओपन टाइटल जीतने का सपना टूट गया। सबालेंका का ताज फिर से जीतने का मौका पूर्व विंबलडन चैंपियन एलेना रिबाकिना के खिलाफ होगा, जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला को हराया।

सबालेंका, जिन्होंने टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं गंवाया है, ने कहा काम अभी खत्म नहीं हुआ है। स्वितोलिना, जो अपना चौथा ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल खेल रही थीं, एक बड़ी अंडरडॉग के तौर पर उतरीं, लेकिन साल की अच्छी शुरुआत के बाद कॉन्फिडेंस के साथ उन्होंने आखिरी आठ में नंबर 3 कोको गॉफ को हराकर नई ऊंचाइयों को छुआ। लेकिन सबालेंका के जबरदस्त ग्राउंडस्ट्रोक्स के सामने उनका कोई चांस नहीं था, शायद उनका सबसे अच्छा बैकहैंड क्रॉसकोर्ट बुलेट था जिसने 41 मिनट का पहला सेट जीत लिया। मुश्किलों के बावजूद, स्वितोलिना ने दूसरे सेट में 2-0 की बढ़त बना ली, इससे पहले कि सबालेंका ने अपनी ज़बरदस्त हिटिंग फिर से शुरू की और एक ज़बरदस्त फोरहैंड विनर ने उन्हें लगातार चौथे फ़ाइनल में जगह दिलाई। इस बीच रायबाकिना ने पेगुला को हराकर 2023 ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल का रीमैच तय किया।

एरिना सबालेंका।

एलेना रिबाकिना।

2023 में सबालेंका के खिलाफ मुकाबला शानदार था। उस समय उसने बेहतर खेला और खिताब जीता। उम्मीद है कि इस बार मैं बेहतर खेल सकूंगी।
-एलेना रिबाकिना

इतिहास रचना चाहते हैं नोवाक जोकोविच

मेलबर्न। पुरुष टेनिस के इतिहास में सबसे सफल खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में यानिक सिनर के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और वह खुद का इतिहास रचने पर ध्यान दे रहे हैं। अब तक रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले जोकोविच जब सिनर के खिलाफ मुकाबले के संदर्भ में सवालों का जवाब दे रहे थे तब एक सवाल पर उन्हें अपमान महसूस हुआ। जोकोविच वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 11वां खिताब जीतने की कवायद में हैं।

जोकोविच से उस दौर से तुलना करने के लिए कहा गया जब उन्होंने टेनिस जगत में कदम रखा था तथा उस समय रोजर फेडरर और राफेल नडाल शीर्ष पर थे और अब जबकि सिनर और कार्लोस अल्काराज़ ने पिछले दो सत्र से उन्हें कोई भी ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने से रोक रखा है। जोकोविच ने सवालिया अंदाज में कहा मैं यानिक और कार्लोस का पीछा कर रहा हूं। किस अर्थ में। मैं हमेशा पीछा करने वाला खिलाड़ी ही रहा हूं। मेरा कभी पीछा नहीं किया जाता। उन्होंने कहा मुझे यह थोड़ा अपमानजनक लगता है कि आप उस दौर के बीच की घटनाओं को नजरअंदाज कर रहे हैं जब मैंने आपके अनुसार राफा और रोजर का पीछा करना शुरू किया था।

शॉट लगाते उत्तर प्रदेश के ध्रुव जुरेल। एजेंसी

जुरेल शतक से चूके यूपी ने बनाए 237 रन

नागपुर, एजेंसी

भारत के अंतरराष्ट्रीय स्टार ध्रुव जुरेल शतक से चार रन से चूक गए और उनकी टीम विदर्भ के खिलाफ रणजी ट्रॉफी ग्रुप ए के आखिरी लीग मैच में 237 रन पर आउट हो गई। विदर्भ के लिये बायें हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे ने छह विकेट चटकाये। पहले दिन का खेल समाप्त होने पर विदर्भ ने बिना किसी नुकसान के 33 रन बना लिये थे। पहले बल्लेबाजी चुनने वाली उत्तर प्रदेश टीम के छह विकेट एक समय 109 रन पर गिर गए थे । इसके बाद जुरेल और शिवम मावी (47) ने सातवें विकेट के लिये 92 रन की साझेदारी की। जुरेल ने अपनी पारी में 11 चौके लगाए। विदर्भ के लिये दुबे ने 19 . 5 ओवर में 63 रन देकर छह विकेट लिए।

ग्रुप ए के एक अन्य मैच में सलेम में सुकीर्त पांडे के 222 गेंद में नाबाद 73 रन और निनाद राठवा के 112 गेंद में 66 रन की मदद से बड़ौदा ने तमिलनाडु के खिलाफ पांच विकेट पर 247 रन बनाए। दोनों ने पांचवें विकेट के लिये 85 रन की साझेदारी की । सुकीर्त ने अतीत सेठ (नाबाद 45) के साथ 90 रन जोड़े। सोविमा में एक अन्य मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज चेतन बिष्ट के नाबाद 160 रन की मदद से नगालैंड ने आंध्र के खिलाफ छह विकेट पर 322 रन बनाये । बिष्ट ने अपनी पारी में 23 चौके और एक छक्का लगाया और डेगा निश्छल (74) के साथ पांचवें विकेट के लिये 167 रन जोड़े। जमशेदपुर में ओडिशा ने झारखंड के खिलाफ छह विकेट पर 242 रन बनाए।

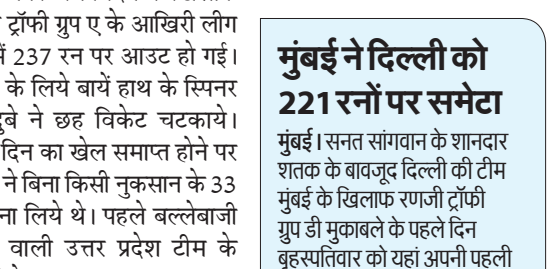

मुंबई ने दिल्ली को 221 रनों पर समेटा

मुंबई। सनत सांगवान के शानदार शतक के बावजूद दिल्ली की टीम मुंबई के खिलाफ रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी मुकाबले के पहले दिन बृहस्पतिवार को यहां अपनी पहली पारी में 221 रन पर सिमट गई। मुंबई के लिए मोहित अवस्थी ने 62 रन पर पांच विकेट चटकाकर बेहतरीन प्रदर्शन किया। मुंबई ने दिन का खेल खत्म होने तक एक विकेट पर 13 रन बना लिये थे। सांगवान ने 118 रन की पारी के साथ एक छोर संभाले रखा लेकिन उन्हें दूसरे छोर से किसी बल्लेबाज का अच्छा साथ नहीं मिला। उन्होंने मौजूदा सत्र अपनी तीसरी शतकीय पारी के दौरान 218 गेंद में 11 चौके और दो छक्के जड़े। इस 25 साल के बल्लेबाज ने वैभव कांडपाल (32) के साथ दूसरे विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी की जिससे दिन की शुरुआत में दिल्ली की टीम मजबूत स्थिति में थी।

मुझे नहीं लगता कि बल्लेबाजों ने मेरी गेंदों को अच्छी तरह से समझ लिया : राशिद

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और श्रीलंका में अगले महीने से होने वाले टी20 विश्व कप तैयारियों में लगी अफगानिस्तान टीम के कप्तान राशिद खान के बल्लेबाजों द्वारा उनकी गेंदों को अच्छी तरह से परखे जाने की अवधारणा को खारिज करते हुए कहा कि उनके लिए सफलता की कुंजी नये प्रयोग से ज्यादा सटीक गेंदबाजी करना है। पिछले एक दशक में टी20 क्रिकेट में लेग स्पिनरों की भूमिका को नया आयाम देने वाले राशिद को गुजरात टाइटंस के लिए पिछले दो आईपीएल सत्र में अपेक्षाकृत कम सफलता मिली। इसके बाद उनकी गेंदबाजी को बल्लेबाजों के द्वारा समझ लेने को लेकर चर्चा शुरू हुई। राशिद ने रेड बुल के सहयोग से ''पीटीआई-वीडियो'' से बातचीत में कहा मुझे नहीं लगता कि मुझे अपनी विविधता या लाइन-लेंथ बदलने की जरूरत है। राशिद आईपीएल के 2023 सत्र में 17 मैचों में 27 विकेट के साथ सबसे सफल गेंदबाज रहे थे। उन्होंने हालांकि इसके बाद 2024 में 12 मैचों में 10 और 2025 में 15 मैचों में सिर्फ नौ विकेट लिये। इस दौरान उनका इकॉनमी रेट नौ रन प्रति ओवर से ऊपर चला गया। राशिद ने कहा कि टी20 क्रिकेट में मामूली गलती करने का बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ता है। इस प्रारूप में लगातार सटीक गेंदबाजी करना ही सबसे अहम चीज है। कभी-कभी मेरी लाइन थोड़ी चूक जाती है, जिसमें मैं पहले काफी अच्छा था। चिंता की कोई बात नहीं है। जब भी मेरी लाइन-लेंथ सही नहीं रहती तब मेरे खिलाफ रन बनते हैं। राशिद ने कहा कि गेंदबाजों की पढ़े जाने की बात को अक्सर गलत तरीके से समझा जाता है। कोई गेंदबाज मिस्ट्री (अबूझ) से सफल नहीं होता, उसे सटीकता से सफलता मिलती है। सात फरवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान ग्रुप-डी में नेपाल, स्कॉटलैंड, वेस्टइंडीज और यूएई के साथ है। उन्होंने कहा कई गेंदबाज ऐसे हैं जिनके बारे में सबको पता होता है कि वे क्या करेंगे, फिर भी बल्लेबाज आउट हो जाते हैं। राशिद ने मिचेल स्टार्क का उदाहरण देते हुए कहा यह सबको पता होता है कि मिचेल स्टार्क नई गेंद से आमतौर पर इन-स्विंगर डालते हैं, फिर भी वह विकेट लेते हैं।

टी-20 विश्व कप

8 दिन शेष

पाकिस्तान के टी20 विश्व कप के बहिष्कार की संभावना कम

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपनी टी20 विश्व कप टीम के दो फरवरी की सुबह कोलंबो रवाना होने का कार्यक्रम तय कर दिया है जिससे टूर्नामेंट या 15 फरवरी को भारत के खिलाफ होने वाले अहम मुकाबले के बहिष्कार की किसी भी संभावना पर लगभग विराम लग गया है। बोर्ड से जुड़े सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पीसीबी ने विश्व कप टीम के दो फरवरी की सुबह कोलंबो रवाना होने के लिए पहले ही यात्रा की सभी तैयारियां कर ली हैं।

मनप्रीत भारतीय हॉकी टीम की सूची से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय हॉकी के सबसे जाने-माने खिलाड़ियों में से एक और मध्यपंक्ति के दिग्गज खिलाड़ी मनप्रीत सिंह का नाम आगामी एफआईएच प्रो लीग सत्र से पहले सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए चुने गए 33 संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल नहीं है। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को संभावित खिलाड़ियों की सूची घोषित की। प्रो लीग का सत्र अगले महीने राउरकेला में शुरू होगा।

कोच फुल्टोन ने कहा हॉकी इंडिया लीग के बाद हमें लगा कि टीम में बदलाव करने का यह सही समय है। हमने कुछ सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया है ताकि काम का बोझ संतुलित रहे, साथ ही उन खिलाड़ियों को भी मौका दिया है जिन्होंने अपनी मेहनत से यह मुकाम हासिल किया है। राउरकेला और होबार्ट में प्रो लीग के चरण चयन प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

संभावित टीम

गोलकीपर : पवन, सूरज करकेरा, मोहित शशिकुमार, प्रिंसदीप सिंह। **डिफेंडर :** अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, संजय, हरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, सुमित, पूवन्ना चंदूरा बॉबी, यशदीप सिवाच, नीलम संजीप ज़ेस, अमनदीप लाकड़ा। **मिडफील्डर :** राजिंदर सिंह, मनमीत सिंह, हार्दिक सिंह, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह, विवेक सागर प्रसाद, विष्णु कांत सिंह, राज कुमार पाल, नीलकांता शर्मा, रोसन कुजूर। **फॉरवर्ड :** अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, मनदीप सिंह, अरजीत सिंह हुंदल, अंगद बीर सिंह, उत्तम सिंह, सेल्वम कार्थी, आदित्य अर्जुन, मनिंदर सिंह।

साक्षात्कार भारतीय हॉकी की दीवार कही जाने वाली सविता पूनिया ने कहा-परिवार के बलिदान नहीं गए बेकार

बारंबार अनदेखी के बाद पद्मश्री ने सारे मलाल मिटाए

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय टीम में आने के बाद भी दस साल तक बेरोजगार रही, खेलरत्न के लिए बारंबार अनदेखी हुई लेकिन भारतीय हॉकी की दीवार कही जाने वाली सविता पूनिया ने हिम्मत नहीं हारी और अब पद्मश्री मिलने के बाद उन्हें खुशी है कि परिवार के बलिदान बेकार नहीं गए ।

तीन सौ से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली पहली महिला हॉकी गोलकीपर सविता ने कहा मेरे परिवार ने मेरा संघर्ष देखा है और मेरी सफलता भी देखी है तो उनकी ख्वाहिश थी कि मुझे सम्मान मिलते भी देखे। पद्मश्री के लिये चुने जाने पर अब मेरा पूरा सफर फ्लैशबैक में घूम रहा है कि कहां से शुरू किया और कहां उतार चढाव आए। उन्होंने बताया कि 2003 में सातवीं कक्षा में पढ़ने के दौरान गांव के सरकारी स्कूल के शिक्षक के सुझाव पर पहली बार उनके पापा महेंद्र सिंह पूनिया सिरसा ट्रायल के लिये ले गए थे जहां उनका हॉकी में चयन हुआ।

सविता ने कहा मेरी मम्मी को गठिया बाव बीमारी थी और वह पूरी तरह से बिस्तर पर थी। मैं रसोई संभालती थी और नौकरी के साथ उनका पूरा काम पापा ही करते थे। ऐसे हालात में उन्होंने मुझे हॉकी खेलने के लिये भेजा। उस समय समझ नहीं आया लेकिन आज याद करती हूं तो उनके बलिदान समझ में आते हैं। वह भी ऐसे समय में जब लड़के और लड़कियों में इतना भेदभाव होता था। अपनी मां की हालत की वजह से सविता का मन हॉस्टल में नहीं लगा और उसने हॉकी छोड़ने का मन बना लिया लेकिन तत्कालीन कोच सुंदर सिंह खरब ने उन्हें गोलकीपर बनाने का सुझाव दिया लेकिन कहा कि गोलकीपिंग किट की व्यवस्था करनी होगी क्योंकि उनके पास दो ही किट का बजट था जो वे दे चुके थे। उस समय मेरे पापा ने 18000 रुपये में गोलकीपिंग किट खरीदी जो उनकी दो महीने की तनख्वाह थी। मैं उस दिन बहुत रोई क्योंकि मुझे पता था कि उन पैसों की क्या कीमत थी। मैंने उस दिन सोचा कि अब अपने माता-पिता के लिए भारतीय टीम में जगह बनाना है। मैं पापा को रिटर्न गिफ्ट देना चाहती थी। इसके बाद गोलकीपिंग ट्रेनिंग शुरू की और 2008 में पहली बार भारतीय टीम में चुनी गई जिसने उनके दादाजी को अलग तरह से प्रेरित किया। सिरसा से भारतीय टीम में आने वाली मैं पहली लड़की थी। अखबार में छपा था कि रणजीत सिंह पूनिया की पोती भारतीय टीम में चुनी गई। दादाजी पढ़े लिखे नहीं थे लेकिन उन्होंने 67 साल की उम्र पढ़ना सीखा ताकि वह खबर खुद पढ सकें।

10 वर्ष तक रहीं बेरोजगार, टूटने लगी थी हिम्मत

सविता ने कहा मैं 2008 में टीम में आई और 2018 तक बेरोजगार थी। वाकई हालात बहुत खराब थे चूंकि खेल में चोट का डर रहता है, उपकरण महंगे आते हैं। मुझे आज भी याद है जब मैं टीम के साथ पहली बार विदेश जा रही थी तब हवाई अड्डे पर पापा ने 5000 रुपये दिये और भाई ने कोने में ले जाकर दो हजार रुपये दिए जो वह अपने दोस्त से उधार लाया था। वह मेरे लिए दो लाख रुपये से कम नहीं थे। फिर 2018 में अर्जुन पुरस्कार मिला तो मेरी मां का पहला सवाल था कि क्या अब नौकरी मिल जाएगी। रिश्तेदार पूछते थे कि इतने साल से भारतीय टीम में है और अभी तक नौकरी नहीं मिली तो खेलने का क्या फायदा। पर परिवार का साथ मेरी प्रेरणा बना और मैने ठान लिया था कि कुछ बड़ा करना है।

खेलरत्न मिलने की थी काफी उम्मीदें

पद्मश्री से पहले सविता को खेलरत्न पुरस्कार मिलने की काफी उम्मीदें थी पर इतनी उपलब्धियों के बावजूद इस बार भी सूची में नाम नहीं आने से उनका दिल टूट गया था। टोक्यो ओलंपिक के बाद से मैने तीन बार खेलरत्न के लिये आवेदन किया लेकिन मिला नहीं। मैं पुरस्कारों को लेकर उतना नहीं सोचती लेकिन जब मेरे समान उपलब्धियों पर दूसरों को मिलता है तो लगता है कि मुझे भी अपने परिवार को यह खुशी देनी है। इस साल बहुत उम्मीद थी पर जब नाम नहीं आया तो दिल टूट गया। मैं 300 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने वाली पहली महिला गोलकीपर बनी थी और लगातार तीन बार एफआईएच की सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुनी गई। अब पद्मश्री मिलने के बाद दोनों परिवारों में खुशी का माहौल है। माता पिता को अर्जुन पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति भवन ले जाने वाली सविता अब ससुराल पक्ष को खुशी देना चाहती है।